शर्मा हार्डওয়্যার
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 208 | गुवाहाटी | सोमवार, 20 फरवरी, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मनमोहन सिंह के दस साल का शासन अवसाद : भवेश पेज 3
वायु सेना को सौंपा गया पिथौरागढ़ हवाई अड्डा, नागरिक उड़ानें भी होंगी संचालित पेज 4
महाशिवरात्रि पर बाबा विश्वनाथ दरबार में लगभग सात लाख श्रद्धालुओं ने ... पेज 5
सेवा के पथ का अनुसरण करें राजनीतिक कार्यकता - कटारिया पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

एक मनुष्य का सबसे बड़ा कर्म दुसरो की भलाई, और सहयोग होना चाहिए; जो एक संपन्न राष्ट्र का निर्माण करता है।

ईश्वर चंद्र विद्यासागर

यूएस, अर्जेंटीना, पेरू इत्यादि मणिपुर में निवेश के इच्छुक : सीएम

इंफाल। जी-20 के लिए आधिकारिक संवाद मंच बी-20 सत्र का आयोजन मणिपुर के इंफाल में किया गया था, इसमें कुल 115 प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। बताया जा रहा है, इसमें विदेश के लगभग 50 प्रतिनिधि शामिल थे। मणिपुर के मुख्यमंत्री एम बीरेन सिंह ने कहा कि शनिवार को हुई बैठक में कई निवेशकों ने इंफाल में निवेश करने की बात कही है। मुख्य रूप से अमेरिका, अर्जेंटीना और पेरू में निवेश करने की इच्छा दिखाई। सीएम बीरेन सिंह ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि राज्य का मंत्री होने के नाते, यह सुनिश्चित करना उनका कर्तव्य है कि उनके राज्य में आने वाले प्रतिनिधि खुश हो और यहां आकर अच्छा महसूस करें। मणिपुर के सीएम ने कहा कि भारत और विदेश से आने वाले प्रतिनिधियों को खुशी और स्वतंत्रता की भावना देना मेरा कर्तव्य है। विदेशों से 50 प्रतिनिधि पहले ही आ चुके हैं, साथ में 115 प्रतिनिधि राज्य में हैं। सीएम ने कहा कि अब तक, मुझे जो प्रतिक्रिया मिली है, उससे पता चलता है कि सभी काफी खुश हैं। 34 जनजातियां पारंपरिक पोशाक और आभूषणों में नृत्य कर रही हैं। उन्होंने आगे बताया कि शुक्रवार को निवेशकों की बैठक हुई, जहां लोगों ने राज्य में निवेश करने में रुचि दिखाई जिसमें विशेष रूप से अमेरिका और अर्जेंटीना और पेरू -शेष पृष्ठ दो पर

कोहिमा में शराब की आपूर्ति को प्रतिबंधित करने के लिए महिला संगठन ने उठाया कदम

कोहिमा। नगालैंड में 27 फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर फेक जिले में एक महिला संगठन ने चुनाव प्रक्रिया के दौरान मतदाताओं को प्रलोभन के रूप में दी जाने वाली शराब के प्रवाह को प्रतिबंधित करने के लिए चेक-गेट स्थापित किए हैं। हालांकि, नगालैंड में शराब पूरी तरह से पहले ही प्रतिबंधित है फिर भी चुनाव के दौरान अराजक तत्व बाज नहीं आते हैं। फेक जिले में चाखेसांग और पोचुरी जनजातियों का कब्जा है, जहां चाखेसांग क्षेत्र

में चार सीटों के साथ पांच विधानसभा क्षेत्र हैं और पोचुरी जनजाति के मेलुरी निर्वाचन क्षेत्र में कुछ गांव भी हैं। चखेसांग मदर्स एसोसिएशन (सीएमए) के तहत चाखेसांग नगा जनजाति की महिलाओं ने विधानसभा चुनावों के दौरान शराब और प्रलोभन के रूप में पेश की जाने वाली शराब के दुष्प्रभावों के बारे में चिंतित होकर अपने क्षेत्र में लगभग 100 चेक-पॉइंट बनाए हैं। चखेसांग समुदाय की महिलाओं की शीर्ष संस्था -शेष पृष्ठ दो पर

कश्मीर में सरकारी नीतियों की आलोचना करने वाले पर होगी कार्रवाई

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में सरकारी नीतियों की आलोचना करने वाले सरकारी कर्मचारियों पर अब कार्रवाई होगी। प्रशासन ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि ऐसे कर्मचारियों की पहचान कर उन्हें नोटिस भेजा जाए। मुख्य सचिव एके मेहता ने 17 फरवरी को एक बैठक के बाद यह फैसला लिया था। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है। दरअसल, 17 फरवरी को मुख्य सचिव एके मेहता ने प्रशासनिक -शेष पृष्ठ दो पर

प्रधानमंत्री की रैली को मेघालय में इजाजत नहीं : भाजपा

शिलांग। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मेघालय में के तुरा में होने वाली रैली के लिए भाजपा को इजाजत नहीं मिली है। सरकार ने कहा है कि क्योंकि जिस जगह पर भाजपा रैली करने के लिए इजाजत मांग रही है, वहां अभी काम चल रहा है। दूसरी ओर भाजपा ने आरोप लगाया है कि सरकार भाजपा से डर गई है, इसलिए वह तुरा में रैली की इजाजत नहीं दे रही है। भाजपा ने कहा है कि मेघालय की जानता चाहती है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मेघालय आएं, तो निश्चित ही प्रधानमंत्री मोदी यहां आएंगे और लोगों को संबोधित भी करेंगे। उल्लेखनीय है कि भाजपा ने 24 को तुरा में प्रधानमंत्री की रैली के लिए पीए संगमा स्टेडियम के लिए आवेदन किया था। बताते चलें कि स्टेडियम, जो राज्य सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में है। रविवार को भाजपा महासचिव -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

बढ़ती जनसंख्या एक टाइम बम : तोगड़िया

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के पूर्व नेता प्रवीण तोगड़िया ने रविवार को भारत की बढ़ती आबादी की तुलना टिक-टिक करते *टाइम बम* से की और इसके विस्फोट तथा विपरीत प्रभाव को रोकने के लिए एक कानून बनाने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने उम्मीद जताई कि अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह जनसंख्या नियंत्रण और समान नागरिक संहिता के लिए एक कानून लाएंगे अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के अध्यक्ष तोगड़िया -शेष पृष्ठ दो पर

छत्रपति शिवाजी एक विचारधारा : शाह

मुंबई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि मराठा योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज सिर्फ एक नाम नहीं बल्कि एक विचारधारा थे क्योंकि उनकी प्रेरणादायक जीवनकथा ने पीढ़ियों को अपनी भाषा और धर्म को गर्व के साथ पेश होना सिखाया और अपने नैतिक कर्तव्यों का निर्वहन करने और स्वराज का बचाने के लिए अपना जीवन देने के लिए तैयार रहना सिखाया। शाह ने छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित थीम पार्क *शिव सृष्टि* के पहले चरण के -शेष पृष्ठ दो पर

सीमा विवाद : गांव में बिजली पानी भी नहीं और शिक्षा भी

मेरापानी। असम और नगालैंड के बीच करीबन पांच दशकों से भी ज्यादा समय से सीमा विवाद चल रहा है। दोनों देशों के बीच कुल 12 स्थानों को लेकर विवाद है। नजदीकी भविष्य में इतने लंबे समय से जारी इस विवाद के खत्म होने के आसार भी नजर नहीं आते। हालांकि दोनों राज्यों की सरकारों और केंद्र सरकार ने इस दिशा में कई अहम कदम उठाए हैं। आज हम दोनों राज्यों के सीमा विवाद से प्रभावित उन लोगों के बारे में बात करेंगे जिन्हें आजादी -शेष पृष्ठ दो पर

मैं बीफ खाता हूं, इस पर कोई पाबंदी नहीं : भाजपा चीफ

शिलॉन्ग। मेघालय में भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष अर्नेस्ट मावरी ने कहा है कि वे बीफ खाते हैं और इससे उनकी पार्टी को कोई दिक्कत नहीं है। मेघालय और नगालैंड में 27 फरवरी को वोटिंग होनी है। इससे हफ्तेभर पहले मावरी ने न्यूज एजेंसीआईएएलएस को दिए इंटरव्यू में एनपीपी से गठबंधन, गो मांस बैन और सीएए जैसे मुद्दों पर बात की। इसी दौरान उन्होंने यह बयान दिया। क्या राज्य के 90 प्रतिशत ईसाई भाजपा के कट्टर रुख को अपना लेंगे, इस पर मावरी बोले- भाजपा की सरकार को 9 साल हो चुके हैं। हमने अब तक किसी चर्च पर हमला नहीं देखा। बीफ खाने पर भी रोक नहीं है। मैं बीफ खाता हूं और मैं बीजेपी में हूं, इसमें कोई दिक्कत नहीं है। हमें विश्वास है कि मेघालय की जनता इस बार भाजपा के साथ है। मेघालय में चुनाव प्रचार करने पहुंचे केंद्रीय गृह

मंत्री अमित शाह ने नॉर्थ तुरा में 17 फरवरी की रैली में एनपीपी से गठबंधन तोड़ने का ऐलान किया था। उन्होंने कहा था कि भाजपा अब सभी 60 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। मारवी भी उस दौरान मौजूद थे। उन्हें जनवरी 2020 में मेघालय भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था। मेघालय की करीब 90 प्रतिशत आबादी ईसाई है। चुनाव से पहले बीफ को लेकर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष का बयान इन वोटर्स को साधने की कोशिश माना जा रहा है। मेघालय की करीब 90 प्रतिशत आबादी ईसाई है। चुनाव से पहले बीफ को लेकर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष का बयान इन वोटर्स को साधने की कोशिश माना जा रहा है। मेघालय में हमने एनपीपी के साथ कोई गठबंधन नहीं किया है। न हमने 2018 में ऐसा किया। हम अपने दम पर लड़ रहे हैं और वे अपने दम पर। एनपीपी पिछले 5 साल से बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार कर रही है। जबकि हमारी पार्टी ने भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस का रुख अपनाया है। हम एमडीए सरकार में थे, लेकिन भाजपा के केवल दो विधायक और एक मंत्री था। मंत्रालय में -शेष पृष्ठ दो पर

गौरैया-संरक्षण : रास सांसद बृजलाल के प्रयासों को पीएम ने सराहा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गौरैया-संरक्षण के लिए राज्यसभा सांसद बृजलाल के प्रयासों की सराहना की है। राज्यसभा सांसद और उत्तर प्रदेश के पूर्व डीजीपी ने ट्विटर पर शनिवार को एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें उन्होंने लिखा था कि हमारे आवास में गौरैया। उन्होंने आगे बताया कि उनके आवास में 100 से अधिक गौरैया हैं, जिसपर पीएम मोदी ने उनके ट्वीट को रीट्वीट करते हुए कहा कि बहुत खूब! आपका यह प्रयास हर किसी को प्रेरित करेगा। राज्यसभा सदस्य बृजलाल ने वीडियो शेयर करते हुए बताया कि उनके घर में गौरेया ने अंडे देनें शुरू कर दिए हैं। उन्होंने इस दौरान लोगों से अपील की कि गर्मी के दौरान घर में चिड़ियों के लिए पानी रखना ना भूलें। उन्होंने लिखा कि हमारे आवास में गौरैया। मैंने 50 घोंसले लगा रखे हैं। गौरैया ने अंडे देनें शुरू कर दिए हैं। आवास में 100 से -शेष पृष्ठ दो पर

प्रत्येक भारतीय के पूर्वज हिंदू : भागवत

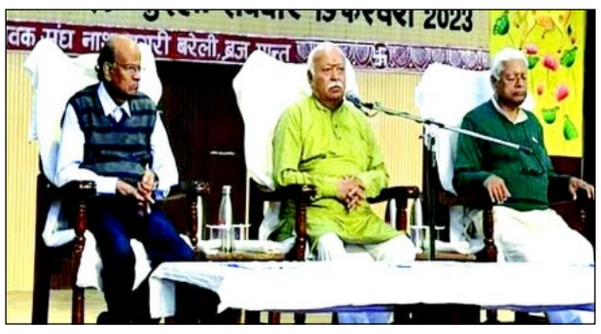

बरेली। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि जाति का भेदभाव छोड़िए। हम सभी हिंदू हैं, जो दूसरी जातियां अलग-अलग धर्म अपनाए हुए हैं। उनके पूर्वज भी हिंदू थे। बरेली में रुहेलखंड विश्वविद्यालय के अटल सभागार में रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) सर संघचालक मोहन भागवत ने स्वयंसेवकों और उनके परिजनों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जाति का भेदभाव छोड़िए। हम सभी हिंदू हैं, जो दूसरी जातियां अलग-अलग धर्म अपनाए हुए हैं। उनके पूर्वज भी हिंदू थे। हमें विभिन्न जातियों, पंथ, भाषाओं और क्षेत्रों के परिवारों के साथ मित्रवत संबंध बनाकर उनके साथ नियमित रूप से मिलन, भोजन और चर्चा करनी चाहिए। विभिन्न आर्थिक स्तर के परिवारों के बीच परस्पर सहयोग की भावना जागृत हो, स्वयंसेवकों को इसके लिए प्रयास करना चाहिए। संघ प्रमुख अपने बरेली प्रवास के -शेष पृष्ठ दो पर

तुर्किये से एनडीआरएफ की अंतिम टीम लौटी

नई दिल्ली। तुर्किये-सीरिया में भूकंप से 41 हजार से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। तुर्किये की मदद के लिए भारत से भी एनडीआरएफ की कई टीमें भेजी गई थी, रविवार को अंतिम टीम ने भी भारत वापसी की। ऑपरेशन दोस्त के तहत इन टीमों को तुर्किये भेजा गया था। बता दें 151 एनडीआरएफ कर्मियों और डॉग स्क्वायड की 3 टीमों ने भूकंप प्रभावित देश को सहायता प्रदान की। 6 फरवरी को तुर्किये में भूकंप आने के 24 घंटे के भीतर भारत ने एनडीआरएफ की टीमें भेजकर तुर्किये में ऑपरेशन -शेष पृष्ठ दो पर

गुजरात : पूर्व सरपंच ने छत से उड़ाए 100-500 के नोट

गांधीनगर। गुजरात के मेहसाणा में एक पूर्व सरपंच ने अपने भतीजे की शादी में नोटों की बारिश की। केकरी तहसील के अंगोल गांव के पूर्व-सरपंच करीम यादव ने अपने घर की छत पर खड़े होकर वहां से 100 और 500 रुपए के नोट उड़ाए, जिन्हें बटोरने के लिए घर के नीचे लोगों की भीड़ जमा हो गई। नोट उठाने के लिए कई लोगों के बीच हाथापाई भी हुई। जिस वक्त करीम यादव नोट उड़ा रहे थे, उनका भतीजा रज्जाक उस समय गांव में बारात लेकर निकल रहा था। शादी के जश्न में सारे गांव को शामिल करने के लिए करीम यादव और परिवार के बाकी सदस्यों ने नोट बांटें। इस दौरान बैकग्राउंड में -शेष पृष्ठ दो पर

पार्किंग को लेकर ताबड़तोड़ फायरिंग और आगजनी, दो की मौत

पटना। बिहार की राजधानी पटना में रविवार को पार्किंग विवाद को लेकर दो समूहों के बीच हिंसक झड़प हो गई। ताबड़तोड़ फायरिंग हुई। घटना में 5 लोगों को गोली लगी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना पर काबू पाने का प्रयास किया। उधर, आक्रोशित लोगों ने कम्युनिटी हॉल समेत कई इमारतों को आग के हवाले कर दिया। कम्युनिटी हाल के पीछे ही गैस का गोदाम है। आग की लपटों में धूं-धूं कर कम्युनिटी हॉल जला। दूसरी तरफ, स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी मच गई। घायलों को अस्पताल भेजा गया, जहां दो लोगों ने दम तोड़ दिया। मामला नदी थाना क्षेत्र के जेठुली गंगा घाट का है। बताया जा रहा है की पूर्व पंचायत प्रतिनिधि टुनटुन यादव अपने गैराज से गाड़ी निकाल रहे थे। तभी जेठुली के मुखिया पति सतीश यादव उर्फ बच्चा राय के ड्राइवर ने टुनटुन यादव को गाड़ी हटाने के लिए कहा। कहा जा रहा है कि इसी मामले को लेकर बच्चा राय ने ताबड़तोड़ गोली चलाई। जिसमें 5 लोगों (चंद्रिका राय, मुनारीक -शेष पृष्ठ दो पर

वॉशिंग मशीन में घूमते रहे डेढ़ साल के बच्चे की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली में एक डेढ़ साल का बच्चा खेलते-खेलते वॉशिंग मशीन के साबुन वाले पानी में जा गिरा। 15 मिनट तक बच्चा मशीन में ही कपड़ों के साथ वॉश होता रहा, तड़पता रहा। जब मां बच्चे को ढूंढते हुए मशीन के पास आई तो उसे आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया। बच्चा पूरा नीला पड़ चुका था। उसका शरीर ठंडा पड़ गया था। बच्चे को सांस लेने में भी काफी परेशानी हो

रही थी। 7 दिन तक कोमा में रहा। अब बच्चा सेफ है। डॉक्टर्स ने कहा कि बच्चा बहुत बुरी हालत में हॉस्पिटल पहुंचा था। उसका बचना किसी चमत्कार से कम नहीं है। भोपाल में चार साल के बच्चे की पांचवी मंजिल की खिड़की से गिरकर मौत हो गई। दरअसल, बच्चा खिड़की से सटे हुए पलंग पर खेल रहा था। इसी दौरान वह खिड़की से नीचे झांकने -शेष पृष्ठ दो पर

तेलंगाना भारत का अफगानिस्तान, केसीआर तालिबान : वाईएस शर्मिला

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के सीएम जगन मोहन रेड्डी की बहन और वाईएसआरटीपी पार्टी प्रमुख वाईएस शर्मिला ने तेलंगाना को भारत का अफगानिस्तान बताया है। वहां के मुख्यमंत्री केसीआर इसके तालिबान हैं। शर्मिला ने रविवार को यह बात महबूबाबाद में कही। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के सीएम एक तानाशाह और अत्याचारी हैं। तेलंगाना में भारतीय संविधान लागू नहीं है, वहां केवल केसीआर का संविधान चलता है। शर्मिला ने इससे पहले शनिवार को एक जनसभा में सत्ताधारी भारत -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

आरएसएस के शताब्दी वर्ष में 10 हजार स्वयंसेवक अयोध्या में करेंगे घोष वादन

वाराणसी (हिंस)। अखिल भारतीय घोष दिवस पर रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) काशी महानगर घोष विभाग के स्वयंसेवकों ने नमो घाट पर पूरे उत्साह के साथ घोष वादन किया। पूरे गणवेश में स्वयंसेवकों ने घोष वादन के साथ बंशी पर तिलंग भूप और शिवरंजनी रचना प्रस्तुत की। शंख पर श्रीराम किरण और सोनभद्र रचना भी प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम के प्रारंभ में संघ का भगवा ध्वज लगाया गया। उसके बाद 50 स्वयंसेवकों ने विभिन्न रचनाएं प्रस्तुत की। इस अवसर पर काशी प्रांत के शारीरिक शिक्षण प्रमुख संतोष ने कहा कि संघ की स्थापना के समय ही डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार का मन अलग घोष दल की स्थापना का था। ऐसे में गोविंद राव देशमुख ने डॉ. हेडगेवार का भरपूर सहयोग किया। मार्कंडेय राव और हरी विनायक दातेय का नाम संघ के प्रारंभिक घोष वादकों में आता है। 1982 के एशियाड में भारतीय नौसेना ने संघ द्वारा तैयार शिवराज: की धुन बजाई थी। उन्होंने कहा कि संगच्छध्वं संवदध्वं के मंत्र की सार्थकता घोष द्वारा तब सिद्ध होती है जब सामान्य स्वयंसेवक घोष की धुन पर कदमताल करते हुए आगे बढ़ता है। उन्होंने बताया कि सेवक संघ अपने शताब्दी वर्ष में अयोध्या में 10,000 स्वयंसेवकों के साथ घोष वादन करेगा। कार्यक्रम का संचालन जितेंद्र एवं धन्यवाद ज्ञापन विपिन ने किया। कार्यक्रम में काशी उत्तर भाग के संचालक हेमंत गुप्ता, सुरेंद्र, प्रभात आदि उपस्थित रहे।

कुत्तों की तस्करी रोकने के लिए धनसिरी क्लब ने निकाली साइकिल रैली

गोलाघाट (हि.स.)। जिले के असम-नगालैंड सीमावर्ती सरुपथार इलाके में धनसिरी साइकिल क्लब ने कुत्तों की तस्करी को रोकने के प्रति जनता को जागरूक करने के लिए रविवार को लगभग 70 किमी तक लंबी साइकिल रैली का आयोजन किया। दरअसल, प्रकृति और वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए काम करने वाला धनसिरी साइकिल क्लब कुत्तों की तस्करी में हालिया वृद्धि से चिंतित है। कुछ शरारती तत्व गोलाघाट जिले में असम-नगालैंड सीमा के सरुपथार को गलियारे के रूप में उपयोग करके पड़ोसी राज्य नगालैंड को कुत्तों की आपूर्ति कर रहे हैं। वहां नगालैंड में कुत्तों के मांस की काफी मांग है। पुलिस अलग-अलग समय में कुत्तों की तस्करी करने के आरोप में कई लोगों को गिरफ्तार भी कर चुकी है। ऐसे में लोगों को जागरूक करने के लिए धनसिरी साइकिल क्लब कुत्तों की तस्करी को पूरी तरह से रोकने के लिए रविवार को साइकिल रैली का आयोजन किया। इस रैली ने सरुपथार पुलिस थाना के सामने से शुरू होकर नामबर वनांचल के गरमपानी तक लगभग 70 किमी लंबा सफर पूरा किया। धनसिरी साइकिल क्लब के सक्रिय सदस्य व धनसिरी उप-मंडल के उप-विभागीय पुलिस अधिकारी त्रिनयन भुइयां और सरूपथर कॉलेज के इतिहास विभाग के प्रमुख प्रोफेसर सत्यब्रत दत्ता ने रैली का नेतृत्व किया। उल्लेखनीय है कि इस धनसिरी साइकिल क्लब के सदस्यों ने कुछ दिन पहले दुर्लभ प्रजाति के कछुओं को बरामद करने के बाद उन्हें नदी में छोड़कर अपने प्रकृति प्रेम की मिसाल पेश की थी। क्लब के सदस्य हर दिन सुबह 40-50 किमी साइकिल चलाकर लोगों को अच्छे स्वास्थ्य की प्राप्ति के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं।

चिरांग : भारत-भूटान सीमावर्ती खुंगरिंग में व्यापारी को लूटा

चिरांग (हि.स.)। चिरांग जिले में भारत-भूटान सीमावर्ती रुनीखाता के खुंगरिंग में तामोल (सुपारी) खरीदने गए कारोबारी खनील बसुमतारी को शनिवार रात चार बदमाशों ने लूट लिया। पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया है कि उत्तर रुनीखाता के एक तामोल व्यापारी खनील बसुमतारी डिजिटल तराजू लेने गए थे, तभी खुंगग्रेप नदी पर बने पुल के पास घने जंगल में छिपे चार बदमाशों ने उनसे नकदी लूट ली। इससे पूर्व इसी माह चिरांग जिले के सिडली थाना अंतर्गत समथाईबाड़ी के पेट्रोल पंप और फिर खुंगरिंग के साप्ताहिक बाजार में हथियारबंद युवकों ने लूट की थी। पुलिस अभी भी उस घटना का खुलासा नहीं कर पाई थी। खुंगरिंग क्षेत्र में लूट की से क्षेत्र के आम लोगों में दहशत है।

लोकतंत्र की हत्या करने वाले अब लोकतंत्र की दुहाई दे रहे : कांग्रेस

रायपुर (हिंस)। भाजपा द्वारा चक्का जाम कर जनता को परेशान करने पर की गयी कानूनी कार्रवाई को आलोकतांत्रिक बताया जाना भाजपा की खीझ है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने रविवार को बयान जारी कर कहा कि तीन भाजपा नेताओं की नक्सलियों द्वारा की गयी हत्या पर भाजपा जिस प्रकार की राजनीति कर रही वह स्तरहीन और अवसरवादिता है। प्रदेश में जब भाजपा की सरकार थी तब कांग्रेस के 23 हजार 400 से अधिक कार्यकर्ताओं के ऊपर चक्का जाम और धरना प्रदर्शन किये जाने के कारण आपराधिक मुकदमे दर्ज किये गये थे। जब भाजपा की सरकार थी तब भाजपा को लोकतंत्र की याद नहीं आती थी। भाजपा के राज में 118 कांग्रेस नेताओं की नक्सलियों ने हत्या किया था, जीरम के हमले में कांग्रेस के 32 नेताओं की घात लगाकर हत्या कर दी गयी थी तब तो कांग्रेस के परिवर्तन यात्रा को जानबूझकर तत्कालीन भाजपा सरकार ने सुरक्षा नहीं दिया था, तब भाजपा को विपक्ष के अधिकार याद नहीं आया था। आज जब छत्तीसगढ़ ज्यादा सुरक्षित है विपक्ष को ज्यादा सुरक्षा और स्वतंत्रता मिली हुई है तब भाजपा लोकतंत्र की दुहाई दे रही है। भाजपा के पास मुद्दे नहीं है वह सत्ता में रहते-रहते सुविधा भोगी हो चुकी है। वह झूठा प्रलाप करके जनता की झूठी संवेदना हासिल करना चाहती है। सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा अपने तीन कार्यकर्ताओं की नक्सल हत्या का राजनैतिकरण करना चाहती है। लाशों पर राजनीति करना भाजपा का पुराना शगल। छत्तीसगढ़ में भाजपा के 15 साल के सरकार के दौरान बस्तर में जीरम नरसंहार, सारकेगु ?ा, पेद्दागेलूर, झलियामारी, एडसमेटा, सोनकू-बिजलु जैसे स्कूली छात्रों की हत्या जैसी घटनाएं हो रही थी।

एक करोड़ रुपए मूल्य की हेरोइन बरामद, तस्कर कार छोड़कर भागे

हैलाकांदी (हि.स.)। हैलाकांदी जिले में असम-मिजोरम अंतरराज्यीय सीमा पर जमीरा पुलिस चौकी की टीम ने लगभग 1 करोड़ रुपए की हेरोइन जब्त की है। यह 337 ग्राम हेरोइन मिजोरम की एक आल्टो कार (एमएल-11-2585) में छुपाकर लाई गई थी। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि मिजोरम से एक ऑल्टो कार से हेरोइन लाने की जानकारी मिली थी। रामनाथपुर पुलिस टीम ने असम-मिजोरम सीमा पर नाका चेकिंग शुरू की। इस बीच तस्कर दूसरे रास्ते की ओर जाने लगे। बाद में पुलिस ने पीछा करके ऑल्टो कार को पक ?ा, लेकिन तस्कर कार छोड़कर भाग गए। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिक दर्ज कर ली है।

अफगानिस्तान में गर्भ निरोधकों पर बैन
तालिबान ने कहा- ये मुस्लिम आबादी रोकने की साजिश

काबुल। अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज तालिबान ने गर्भ निरोधकों की बिक्री पर रोक लगा दी है। आतंकी संगठनों के मुताबिक- यह मुस्लिमों की बढ़ती आबादी को रोकने की पश्चिमी देशों की साजिश है। पश्चिमी देश नहीं चाहते कि मुस्लिम जनसंख्या बढ़ा सकें। ब्रिटिश अखबार *द गार्डियन* के मुताबिक, तालिबान आतंकी डोर टू डोर जाकर महिलाओं को धमका रहे हैं कि वो प्रेग्नेंसी रोकने के लिए इन कॉन्ट्रासेप्टिव्स का इस्तेमाल न करें। मेडिकल स्टोर्स की भी तलाशी ली जा रही है, ताकि इन गर्भ निरोधकों की बिक्री रोकी जा सके। दूसरी तरफ, तालिबान ने गर्भ निरोधकों पर बैन को गलत बताया। सऊदी अखबार *द नेशनल* से बातचीत में तालिबान हेल्थ मिनिस्ट्री ने कहा- मेडिकल स्टोर्स का रेग्युलर इन्सपेक्शन होता है। ब्रिटिश मीडिया की खबरें गलत हैं। हमने कॉन्ट्रासेप्टिव्स की बिक्री पर रोक नहीं लगाई। *द गार्डियन* ने तालिबान की इस नई हरकत पर रिपोर्ट जारी की है। एक मेडिकल स्टोर चलाने वाले ने कहा कि फिलहाल, दो शहरों में गर्भ निरोधक के इस्तेमाल और इनकी बिक्री पर रोक लगाई गई है। तालिबान मेरे स्टोर पर आए और बंदूक दिखाकर धमकी दी। उन्होंने कहा- स्टोर में गर्भ निरोधक गोलियां या दूसरे सामान मत रखना। काबुल में तो हर मेडिकल स्टोर को चेक किया जा रहा है। एक महिला ने कहा कि कॉन्ट्रासेप्टिव्स (गर्भ निरोधक) के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए दूसरी महिलाओं को भड़काया तो अंजाम अच्छा नहीं होगा। ये वेस्टर्न वर्ल्ड की साजिश है, वो हमारी आबादी नहीं बढ़ने देना चाहते। काबुल और मजार-ए-शरीफ में नोटिस लगाए गए हैं कि कोई भी मेडिकल शॉप गर्भ निरोधक न रखे। इनमें कॉन्ट्रासेप्टिव पिल्स और डेपो प्रोवेरा जैसे इंजेक्शन्स भी शामिल हैं। 15 अगस्त 2021 को अफगानिस्तान हुकूमत पर कब्जा करने वाले आतंकी संगठन ने महिलाओं पर कई तरह की पाबंदियां लगाई हैं। उन्हें हायर एजुकेशन हासिल करने से रोक दिया गया। महिलाओं के हायर स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटीज पहले ही बंद की जा चुकी हैं। उनके नौकरी करने और अकेले घर से निकलने पर भी रोक है। अब गर्भ निरोधकों के इस्तेमाल पर भी रोक लगा दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक- अफगानिस्तान में हेल्थ केयर सिस्टम सिर्फ नाम के लिए है। यहां 14 में से एक महिला की मौत प्रेग्नेंसी रिलेटेड इश्यू की वजह से हो जाती है। अफगानिस्तान दुनिया के उन देशों में पहले नंबर पर है, जहां एक महिला के लिए बच्चे को जन्म देना सबसे खतरनाक माना जाता है। खास बात यह है कि तालिबान ने ऑफिशियली कॉन्ट्रासेप्टिव्स पर रोक के बारे में कोई बयान जारी नहीं किया है। जब उससे इस पर सवाल किया गया तो वहां से कोई जवाब भी नहीं आया। काबुल की गलियों में मौजूद तालिबान आतंकियों से जब इस बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा- गर्भ निरोधक पश्चिम की साजिश हैं। हम इसे कामयाब नहीं होने देंगे। *द गार्डियन* से बातचीत में तालिबान के कंधार में रहने वाले लीडर उस्ताद फरीदून ने कहा कि महिलाओं की सेहत के लिए कई बार गर्भ निरोधक जरूरी होते हैं। शरिया में भी कहा गया है कि अगर महिला की जान को खतरा हो तो इनका इस्तेमाल किया जा सकता है। इसलिए इन कॉन्ट्रासेप्टिव्स को पूरी तरह बैन करना सही नहीं है। तालिबान ने पिछले महीने अफगानिस्तान के पश्चिमी हेरात प्रांत में एक लिंग भेद को लेकर योजना लागू की थी।

पृष्ठ एक का शेष

यूएस, अर्जेंटीना, पेरू ...

ने रुचि दिखाई। कुछ निवेशक पड़ोसी देश बांग्लादेश से भी थे। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए उन्होंने आश्वासन दिया कि मुझे उम्मीद है, जी -20 के बाद, औद्योगिक क्षेत्र में निवेश निश्चित रूप से आएगा। हाल ही में बी-20 बैठकों का दौरा करने वाले जी-20 प्रतिनिधियों ने शुक्रवार को मार्जिंग हिल और पोलो कॉम्प्लेक्स, आईएनए कॉम्प्लेक्स, लोकतक और संगाई एथनिक पार्क में कई पर्यटक हॉट स्पॉट भी देखे। उन्होंने मणिपुर को अलविदा कहने से पहले शनिवार को प्रसिद्ध आईएमए मार्केट (महिला बाजार) का भी दौरा किया, जो केवल महिलाओं द्वारा संचालित सबसे बड़ा बाजार है। मणिपुर के लोगों और सरकार द्वारा उन सभी का बेहतर तरीके से आतिथ्य किया गया है। मणिपुर ने उत्तर-पूर्व में चार बी20 सत्रों में से पहले की मेजबानी की, जो वैश्विक व्यापार समुदाय के लिए आधिकारिक जी-20 संवाद मंच है।

कोहिमा में शराब...

सीएमए ने यहां सूत्र को इसकी जानकारी दी। चुनाव के दौरान प्रलोभन के रूप में शराब का प्रवाह बहुत अधिक होता है, जबकि कई लोग उम्मीदवारों के दुश्मन बनने और यहां तक कि हत्या के समर्थन में शारीरिक लड़ाई और झड़प में शामिल हो जाते हैं।

कश्मीर में सरकारी ...

सचिवों के साथ बैठक की थी। बैठक में यह बात सामने आई कि कुछ सरकारी कर्मचारी सरकार की नीतियों और उपलब्धियों की आलोचना कर रहे हैं। यही नहीं वे सोशल मीडिया पर भी सरकारी नीतियों के खिलाफ लिख रहे हैं। इसके बाद मेहता ने सभी प्रशासनिक सचिवों को सोशल मीडिया पर ऐसी पोस्टों पर नजर बनाए रखने का निर्देश दिया। ऐसी पोस्ट करने वाले कर्मचारियों के बारे में जनरल एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट को जानकारी देने और कर्मचारियों को नोटिस जारी करने का निर्देश दिया है। मुख्य सचिव की ओर से निर्देश जारी किए जाने के बाद सभी डीएम को इसकी जानकारी दी गई है। बता दें कि केंद्र सरकार ने साल 2016 में कर्मचारियों को सरकार की नीतियों की आलोचना से बचने की बात कही थी। सरकार ने कर्मचारियों को चेतावनी दी कि सरकारी नीतियों की आलोचना करने वालों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

प्रधानमंत्री की रैली...

ऋतुराज सिन्हा ने कहा कि वास्तव में भाजपा की लहर से कॉरनाड संगमा सरकार घबरा गई है। उन्होंने प्रसाशन की ओर से भाजपा को भेजी गई चिट्ठी दिखाते हुए कहा कि भाजपा को बताया गया है कि अभी तक पीए संगमा स्टेडियम पूरी तरह से तैयार नहीं हुआ है। अभी उसमें काम चल रहा है, जबकि हकीकत यह है कि 16 दिसंबर, 2022 को मुख्यमंत्री कॉरनाड संगमा ने इस स्टेडियम का भव्य रूप में उद्घाटन किया था। उन्होंने सवाल किया कि अगर स्टेडियम तैयार नहीं था तो फिर इसका उद्घाटन कैसे हो गया।

सीमा विवाद : गांव में ...

के इतने सालों के बाद भी कई मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल पा रही। दोनों राज्यों के विवाद के कारण ये आज भी ना केवल अंधेरे में रहने पर मजबूर हैं, बल्कि आने-जाने के लिए उन्हें ना तो उनके पास बेहतर सड़क है और ना ही बच्चों के लिए कोई स्कूल। हम बात कर रहे हैं असम और नगालैंड कि गोलाघाट-वोखा सीमा से सटे मेरापानी के एक गांव की। यह असम और नगालैंड के बीच की रस्साकशी में फंसा हुआ है और दोनों राज्य इस जमीन पर अपने स्वामित्व का दावा करते हैं। बावजूद इसके मूलभूत सुविधाओं के लिए दोनों में से कोई कदम नहीं उठा रहा। अगर कोई एक राज्य कुछ करने का प्रयास भी करता है तो दूसरा उसमें अडंगा लगा देता है। बता दें कि उपेक्षा का शिकार यह गांव नगालैंड सीड फार्म परिसर में आता है। यह सीड फार्म भी मेरापानी के एक विवादित क्षेत्र में स्थित है। इस पर असम का दावा है कि यह भूमि उसके गोलाघाट जिले में आती है, वहीं, नगालैंड का दावा है कि ये उसके वोखा जिले में आता है।

मैं बीफ खाता ...

हमारे पास कोई महत्वपूर्ण विभाग नहीं था। जिन विभागों में सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार हुआ, वे या तो एनपीपी या उनके गठबंधन सहयोगी यूडीपी के पास थे। हमने पिछले साल कई आरटीआई लगाई थी। जिसके जरिए हमें भ्रष्टाचार का पता चला। हमारे पास सारे रिकॉर्ड हैं। हम लोकल लेवल पर गठबंधन छोड़ने या बनाने का फैसला नहीं ले सकते। मेघालय के हालात के बारे में वरिष्ठों को बताया जा चुका है। इस मामले में नॉर्थ ईस्ट डेमोक्रेटिक अलायंस के अध्यक्ष या दिल्ली में पार्टी के नेताओं को फैसला करना चाहिए। हमने सभी 60 सीटों पर प्रत्याशी उतारे हैं। रिजल्ट के बाद हम ऐसी पार्टियों से गठबंधन कर सकते हैं जिनके हाथ भ्रष्टाचार में न डूबे हों। हम टीएणसी या कांग्रेस के साथ नहीं जा सकते।

प्रत्येक भारतीय के ...

चौथे दिन कुटुंब स्नेह मिलन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कहा कि सक्षम, संपन्न और वंचित परिवारों के बीच परस्पर सहयोग की भावना होने पर कई सामाजिक और आर्थिक समस्याओं का खुद ही निराकरण हो जाएगा। स्वयंसेवक परिवारों के जीवन का मंत्र देशार्चण, सद्भाव , ऋणमोचन और अनुशासन होना चाहिए। देशार्चण से तात्पर्य है कि हमें देश की पूजा करनी चाहिए, अर्थात भारत के प्रति समर्पण भाव रखना चाहिए। मोहन भागवत ने कहा कि हमें सबके प्रति सद्भाव ना का व्यवहार रखते हुए मित्रों के कष्टों का निवारण करने और अपनी संगति से उन्हें सुधारने का भी प्रयास करना चाहिए। स्वयंसेवक परिवारों से मित्रता के छह गुणों को अपनाने का आह्वान किया। कहा कि हमें जो वस्त्र और भोजन आदि प्राप्त होते हैं, वह समाज के अलग-अलग वर्गों के हम पर ऋण हैं। हमें इन ऋणों को उतारना चाहिए। जो लोक कल्याण की भावना से अपना सर्वस्व न्योछावर करने के लिए तैयार रहते हैं, उन्हें युगों-युगों तक याद रखा जाता है। उन्होंने चौथा मूल मंत्र अनुशासन को बताया। कहा कि अनुशासन के बिना कोई भी समाज या राष्ट्र प्रगति नहीं कर सकता। राष्ट्र को एक बार फिर विश्वगुरु बनाने के लिए हमें जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अनुशासित रहना चाहिए।

तुर्किये से एनडीआरएफ ...

दोस्त शुरू किया था। तुर्किये में भूकंप के बाद पहुंची एनडीआरएफ के जवानों ने अपने साहसी कार्यों से कई जानें बचाईं। करीब 12 दिनों तक सफल तरीके से ऑपरेशन दोस्त चलाकर एनडीआरएफ की अंतिम टीम रविवार को भारत लौट आई। भारत ने शक्तिशाली भूकंप से प्रभावित तुर्किये को मानवीय सहायता प्रदान की है। एनडीआरएफ के 50 से अधिक कर्मियों के साथ एक भारतीय वायु सेना का सी-17 विमान राहत सामग्री लेकर तुर्किये के लिए रवाना हुआ था। इसमें विशेष रूप से प्रशिक्षित डॉग स्क्वॉड के साथ आवश्यक उपकरण, चिकित्सा आपूर्ति, ड्रिलिंग मशीन समेत अन्य जरुरी सामान शामिल थे। बता दें कि 6 फरवरी को तुर्किये और सीरिया में आए भूकंप ने दोनों देशों में भारी तबाही मचाई थी। जानकारी के अनुसार, इस भूकंप से 41 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, भूकंप के तुरंत बाद प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट करते हुए तुर्किये और सीरिया को मदद का भरोसा दिलाया था और इसके तुरंत बाद भारत ने ऑपरेशन दोस्त की शुरूआत की थी।

गुजरात : पूर्व सरपंच ...

जोधा-अकबर फिल्म का गाना अजीमो-शान शहंशाह बज रहा था। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। आमतौर पर लोग बारात के लिए लग्जरी कार, घोड़ी या बग्घी का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन अब शादी के लिए जेसीबी पर बारात लाने का एक नया ट्रेंड शुरू हो गया है। ऐसा ही एक मामला गुजरात के नवासारी से सामने आया है। यहां दूल्हा एक जेसीबी में बैठकर बारात लेकर पहुंचा। जब वह विवाह स्थल पर पहुंचा तो दुल्हन पक्ष के लोग भी यह नजारा देखकर हैरान रह गए। ऑनलाइन खोजी दुल्हन 5 हजार कारों की चोर निकली:पहले पति के साथ मिलकर चुराई थी कारें; वह लूट, हत्या और गेंडे के शिकार का भी आरोपी गुजरात में एक युवक ने मैट्रिमोनियल ऐप से खोजकर जिस लड़की से शादी की, वह बड़ी चोर निकली। युवक को शादी के 6 महीने बाद पता चला कि उसकी पत्नी बनकर रह रही महिला पहले से शादीशुदा है। साथ ही वह पांच हजार से ज्यादा कारें चुराने की आरोपी भी है। ये सभी चोरियां महिला ने अपने पहले पति के साथ मिलकर की थीं।

गौरैया-संरक्षण : रास ...

अधिक गौरैया हैं। मैं गौरैया को हमेशा बाजरा, काकुन और चावल के टुकड़े खिलाता हूं। गर्मी आ गई है, घर में चिड़ियों के लिए पानी रखना न भूलें। राज्यसभा सांसद ने अपने ट्वीट में बताया कि उनके घरों में गौरैया की संख्या बढ़कर 100 से अधिक हो गई है। मालूम हो कि गौरैया घरेलू प्रजाति की एक चिड़िया होती है, जो काफी तेजी से देश में विलुप्त हो रही है। गौरैया के विलुप्त होने के पिछे विशेषज्ञ कीटनाशकों के बढ़ते उपयोग, भवन निर्माण शैली में बदलाव और घरों से बगीचे एवं घोंसले समाप्त का होना माना जाता है।

पार्किंग को लेकर ...

राय, रोशन कुमार, गौतम कुमार और नागेंद्र राय) को गोली लगा। सभी को अस्पताल में भेजा गया, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। दमकल कर्मियों के साथ पुलिस ने आग पर काबू पाने और लोगों को समझाने का प्रयास किया। बताया जा रहा है कि देखते ही देखते दो समूह में विवाद इतना बड़ गया कि दोनों तरफ से फायरिंग शुरु हो गई। घटना में 5 लोगों को गोली लगी। जिसके बाद लोग बेकाबू हो गए। कम्युनिटी हाल के साथ ही आसपास की कुछ इमारतों को भी आग के हवाले कर दिया। सूचना पर पहुंची दमकल की टीम ने आग पर काबू पाया। वहीं, एसएसपी पटना का कहना है कि घटना में एक की मौत, तीन घायल। मुख्य आरोपी गिरफ्तार किया गया है। स्थिति नियंत्रण में है। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। आरोपी उमेश रॉय के घर और कार को आक्रोशित लोगों ने आग के हवाले किया है। भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद है।

वॉशिंग मशीन में ...

लगा। उसका संतुलन बिगड़ गया। खिड़की में ग्रिल नहीं थी। न ही सेफ्टी के लिहाज से दूसरा ऑप्शन था। इस वजह से बच्चा सीधा जमीन पर आ गिरा और उसकी मौत हो गई। पिछले दिनों कोटा का एक सीसीटीवी फुटेज काफी वायरल हुआ। यह किसी पीजी या हॉस्टल का होगा। इसमें कुछ स्टूडेंट्स बालकनी में खड़े हुए थे। इतने में एक छात्र का संतुलन बिगड़ा और वह बालकनी की जाली सहित नीचे आ गिरा। छात्र को अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। यूपी के लखीमपुर खीरी में माता-पिता अपनी एक साल की बच्ची को कार में छोड़कर चाट खाने चले गए। गलती से गाड़ी की चाबी भी अंदर ही रह गई। कुछ टाइम बाद गाड़ी खुद ही लॉक हो गई। इस बीच बच्ची को सांस लेने में तकलीफ होने लगी।

तेलंगाना भारत का ...

राष्ट्र समिति यानी और महबूबाबाद विधायक शंकर नाइक के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा कि आपने लोगों से कई वादे किए, जिन्हें आपने पूरा नहीं किया। यदि आप अपने वादे पूरे नहीं कर रहे हैं, तो इसका मतलब है कि आप कोज्जा (नपुंसक) हैं। शर्मिला ने आरोप लगाया कि विधायक ने उन्हें और उनके समर्थकों को प्रवासी करार दिया था। उन्होंने इस बात को लेकर विधायक को किसी को प्रवासी न कहने की चेतावनी दी। साथ ही कहा कि इस बेशर्म विधायक में हमारे खिलाफ अपमानजनक और गंदी भाषा का इस्तेमाल करने की हिम्मत कैसे आई? असल में यह उनके कुकर्मों और इस निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के लिए सुशासन सुनिश्चित करने में उनकी विफलता पर सवाल उठाता है। शर्मिला की इस टिप्पणी के खिलाफ बीआरएस ने सड़कों पर प्रदर्शन कर उनकी पार्टी के होर्डिंग और फ्लेक्स जला दिए थे। प्रदर्शनकारियों ने गो बैक शर्मिला के नारे लगाते हुए उन पर एक्शन लेने की मांग की थी। इसके चलते शर्मिला को महबूबाबाद से तेलंगाना पुलिस ने हिरासत में ले लिया था। उनके खिलाफ आईपीसी की धारा 504 और एससी एसटी पीओए अधिनियम की धारा 3 (1) आर के तहत मामला भी दर्ज किया गया था। तेलंगाना में वाईएसआर तेलंगाना पार्टी की प्रमुख वाईएस शर्मिला ने मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव को डिब्बे में रखे एक जोड़ी जूते दिखाए और प्रजा प्रस्थान पदयात्रा में शामिल होने की चुनौती दी थी। उन्होंने कहा था- इन्हें पहनकर चलने में आसानी होगी और वे जनता की समस्याएं जान सकेंगे। हैदराबाद में तेलंगाना के सीएम का विरोध करने पर पुलिस ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री की बहन को कार समेत उठा लिया था। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी की बहन और वाईएसआरटीपी की चीफ शर्मिला रेड्डी केसीआर के खिलाफ प्रदर्शन कर रही थीं।

बढ़ती जनसंख्या एक ...

राज्य के महासमुंद जिले के बसना इलाके में एक जनसभा को संबोधित करने से पहले छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। जनसंख्या नियंत्रण कानून लाने की मांग के बारे में पूछे जाने पर तोगड़िया ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या और जनसंख्या असंतुलन एक टाइम बम है और जब यह फटेगा तो यह शहरों और गांवों में गृह युद्ध की ओर ले जायेगा। इसलिए इन हालात से बचने के लिए एक जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने की जरूरत है। एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि भारत पहले से ही एक हिंदू राष्ट्र है और हम इसे एक हिंदू राजनीति राज्य के रूप में स्थापित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि भारत एक हिंदू बहुल देश है और हम इस बात की अनुमति नहीं देंगे कि हिंदू देश में कहीं भी असुरक्षित महसूस करे।

छत्रपति शिवाजी एक ...

उद्घाटन के मौके पर यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि यह थीम पार्क न केवल छत्रपति शिवाजी महाराज के प्रेरणादायक जीवन की कहानी को दर्शाएगा, बल्कि भावी पीढ़ियों को उनके जीवन के सबक और शिक्षाओं को भी बताएगा। उनकी शिक्षाएं लोगों को गर्व के साथ अपनी भाषा और धर्म का अभ्यास करने और स्वराज के लिए अपने जीवन का बलिदान करने के लिए तैयार रहने के लिए प्रेरित करेंगी। उन्होंने कहा कि यह थीम पार्क लेखक और कवि बाबासाहेब पुरंदरे के सपनों को साकार करने में भी मदद करेगा। पुरंदरे को छत्रपति शिवाजी महाराज पर उनकी रचनाओं के लिए जाना जाता है। शाह ने कहा कि थीम पार्क में होलोग्राफी, प्रोजेक्ट मैपिंग, मिनिएचर मोशन सिमुलेशन, 3डी-4डी तकनीक, लाइट एंड साउंड तकनीक होगी। यह सब इतिहास को पुनर्जीवित करेगा और न केवल महाराष्ट्र के लोगों को बल्कि पूरे देश को प्रेरित करेगा।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **अष्टम अध्याय**

(योगाभ्यास)

सदाचार भोजन सदा, साधन विघ्न न होय।
खट्टा तीता चरपरा, तामस अशन न सोय॥ 49॥

शब्दार्थ : (सदाचार) सच्चरित्रता (चरपरा) चटपटा (तामस) तमोगुणी (अशन) भोजन।

भाष्य : साधक का खट्टा-मीठा, तीखा तथा तमोगुणी, भोजन नहीं होता इसलिए उसे साधन में विघ्न नहीं होता। सात्त्विक भोजन से सदैव सच्चरित्रता बनी रहती है। तमोगुणी भोजन का प्रभाव बुरा होता है, जिससे चरित्र-निर्माण में कठिनाई आती है। सात्त्विकी आहार से विचार शुद्ध रहता है और सद्गुणी प्रवृत्ति सदैव बनी रहती है इसलिए साधक को सदैव सात्त्विकी, रुचिकर और पौष्टिक पदार्थों का भोजन करना चाहिए।

मद्य मांस अपेय जो, मल सब त्यागत सन्त।
तन माया मन भजन में, छत्तिस अंक भनन्त॥ 50॥

शब्दार्थ : (मद्) नशीली पीने वाली वस्तु (भनन्त) कहना (अंक) गिनती, संख्या।

भाष्य : मद्य, मांस एवं अपेय सभी मल वस्तुओं को सन्त त्याग देते हैं। शरीर माया में और मन भजन में रहता है, जिस प्रकार एक साथ (छत्तीस) 36 का अंक रहने पर भी दोनों का मुख उलटा रहता है।

मनमोहन सिंह के दस साल का शासन अवसाद : भवेश

गुवाहाटी (हि.स.)। असम प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के दस साल के शासन को निराशा का दशक बताया है। रविवार को एक बयान में कलिता का कहना है कि बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, आतंकवाद, परिवार केंद्रित राजनीति आदि के कारण डॉ. सिंह के दस साल के शासन को अवसाद का दशक के रूप में जाना जाता है। कलिता के मुताबिक इस दौरान कांग्रेस पार्टी की सरकार ने देश के युवाओं को भय के माहौल में डालकर डिप्रेशन में धकेल दिया था। इस अवधि के दौरान, 2 जी, राष्ट्रमंडल खेल आदि सहित विभिन्न घोटालों के कारण देश का विकास रुक गया। कलिता ने कहा कि इसी बीच वर्ष 2014 में नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद पूरे देश में सकारात्मक माहौल बना। प्रदेश अध्यक्ष के मुताबिक देश डिप्रेशन को पीछे छोड़कर पूरी ताकत से आगे की ओर बढ़ रहा है। कलिता ने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री की कड़ी कार्रवाई के कारण ही देश अब खुद को विश्व शक्ति के रूप में स्थापित कर पाया है।

नाबालिग युवती के साथ दुष्कर्म का आरोपी छह माह बाद गिरफ्तार

शोणितपुर(हि.स.)। शोणितपुर जिला के जामुगुड़ीहाट में एक नाबालिग लड़की से दुष्कर्म करने के आरोपी को पुलिस ने छह माह बाद गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को बताया है कि जामुगुरीहाट के दिखलीचापरी गांव निवासी नाबालिग युवती ने उसी गांव के निवासी अताबुर रहमान नामक युवक पर बलात्कार का आरोप लगाया था। आरोप था कि पांच महीने पहले स्कूल जाते समय उसने पशुओं के घर के अंदर उसके साथ बलात्कार किया था। इसके बाद अताबुर ने नाबालिग युवती को धमकाते हुए इस बारे में किसी को कुछ भी बताने पर अंजाम भुगतने की धमकी दी। इस बीच दो दिन पहले जब नाबालिग युवती को उल्टी और तेज पेट दर्द हुआ तो युवती के माता-पिता ने उसे तेजपुर सदर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां पर युवती के गर्भवती होने की जानकारी सामने आई। युवती के पिता ने इस संबंध में जामुगुरी पुलिस स्टेशन में एक प्राथमिकी दर्ज कराई, जिसके आधार पर जमुगुरी पुलिस ने अताबुर रहमान को गिरफ्तार कर लिया है।

केंद्रीय बजट 2023-24 की सांसद ने गिनाईं उपलब्धियां

गुवाहाटी (हि.स.)। कामरूप (मेट्रो) जिला मुख्यालय के शहर गुवाहाटी के हेंगराबाड़ी स्थित भाजपा कार्यालय में रविवार को गुवाहाटी लोकसभा क्षेत्र की सांसद क्वीन ओझा ने एक संवाददाता सम्मेलन में केंद्रीय बजट 2023-24 की उपलब्धियां गिनाईं। इस मौके पर गुवाहाटी नगर निगम (जीएमसी) के मेयर मृगेन सरनिया और भाजपा महानगर जिला अध्यक्ष तपन चंद्र दास और मीडिया के प्रदेश संयोजक देवान ध्रुवज्योति मरल मौजूद थे। मीडिया को संबोधित करते हुए सांसद ओझा ने 2023-24 (बजट) के लिए केंद्र सरकार की वित्तीय योजना पर प्रकाश डालने के साथ-साथ असम और पूर्वोत्तर के लिए निर्धारित विभिन्न विकास योजनाओं पर केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का विश्लेषण किया। उन्होंने कहा कि 2023-24 के लिए केंद्रीय बजट अमृत काल के दृष्टिकोण को प्रस्तुत करता है, जिसमें एक मजबूत और समावेशी अर्थव्यवस्था के लिए ब्लूप्रिंट है। चार बदलते अवसरों से प्रेरित बजट में तीन बातों पर जोर अमृत काल की नींव बनाते हैं, जिसमें पूंजी निवेश की लागत 33 प्रतिशत बढ़कर 10 लाख करोड़ रुपए किया गया है। प्रभावी पूंजीगत व्यय जीडीपी का 4.5 प्रतिशत है, 23-24 में राजकोषीय घाटा डीजीपी का 5.9 प्रतिशत अनुमानित है। वित्त वर्ष 2022-23 में 7 प्रतिशत की वृद्धि रियल डीजीपी निर्यात वित्त वर्ष 2023 में 12.5 प्रतिशत की वृद्धि होगी। उच्च मूल्य वाली बागवानी फसलों के लिए गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री की उपलब्धता बढ़ाने के लिए 2200 करोड़ रुपए की लागत से आत्मनिर्भर स्वच्छ परियोजना कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। 157 नर्सिंग कॉलेज स्थापित किए जाएंगे। प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए कुल व्यय 66 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 79,000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। रेलवे के लिए अधिकतम 2.40 लाख करोड़ रुपए का खर्च उपलब्ध कराया गया है। शहरी अवसंरचना विकास कोष (यूआईडीएफ) की स्थापना प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में ऋण घाटे को पूरा करने के लिए किया जाएगा। गोवर्धन योजना के तहत 500 नए कचरे से संपत्ति संयंत्रों में से 10 संयंत्र चालू हो गए हैं। इसके अलावा उन्होंने बजट में निहित अन्य बातों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह बजट खासकर पूर्वोत्तर को तेजी से विकास की ओर ले जाने वाला है।

गुवाहाटी के हातीगांव में डॉक्टर ने की आत्महत्या

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी स्थित हातीगांव में गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल (जीएमसीएच) के एक डॉक्टर ने अपने घर में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। मृतक डॉक्टर की पहचान जीएमसीएच के पैथोलॉजी विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ. आइबी शर्मा के रूप में हुई है। हातीगांव पुलिस थाना के अनुसार, डॉ. शर्मा का शव रविवार सुबह हातीगांव के बसिस्थपुर लेन नंबर-3 में अपने आवास पर मृत पाया गया। सहायक प्रोफेसर डॉ. शर्मा का शव उनकी बेटी के कमरे में फंदे से लटका हुआ मिला। पुलिस ने बताया कि घटना के समय डॉ. शर्मा के पति डॉ. देबजीत चौधरी घर पर मौजूद थे। पत्नी को बिस्तर पर न देख उसकी तलाश शुरू की। अंत में दंपति की इकलौती बेटी का कमरा अंदर से बंद मिला। अपने लगातार प्रयासों के अंत में उन्होंने कमरे का दरवाजा तोड़ा , जहां पत्नी का शव पंखे से लटका मिला। इसके बाद आइबी शर्मा को तत्काल जीएमसीएच ले जाया गया, जहां पर डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। लेकिन अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि सहायक प्रोफेसर को दुर्भाग्यपूर्ण कदम उठाने के लिए किसने प्रेरित किया। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, डॉ. शर्मा लंबे समय से मानसिक समस्याओं से पीड़ित थीं और बीमारी का इलाज करा रही थीं। डॉ. शर्मा के पति डॉ. देबजीत चौधरी गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के तहत राज्य कैंसर संस्थान के अधीक्षक हैं।

पूसीरे ने होली स्पेशल ट्रेन का परिचालन शुरू किया

गुवाहाटी (हि.स.)। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) ने यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के लिए जोगबनी और आनंद विहार टर्मिनल के बीच दोनों दिशाओं से दो ट्रिपों के लिए एक होली स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही, अगरतला-सिकंदराबाद स्पेशल ट्रेन की सेवाओं को भी दोनों दिशाओं से अगले 13 ट्रिपों के लिए जारी रखने का निर्णय लिया गया है। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने रविवार को बताया है कि ट्रेन संख्या 04064 (आनंद विहार टर्मिनल- जोगबनी स्पेशल) आनंद विहार टर्मिनल से 04 और 11 मार्च को 15.30 बजे रवाना होगी और अगले दिन 22.30 बजे जोगबनी पहुंचेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 04063 (जोगबनी-आनंद विहार टर्मिनल स्पेशल) जोगबनी से 06 और 13 मार्च को 01.20 बजे रवाना होगी और अगले दिन 11.10 बजे आनंद विहार टर्मिनल पहुंचेगी। दोनों तरफ की यात्रा के दौरान यह स्पेशल ट्रेन वाया फारबिसगंज, कटिहार, छपरा, लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद स्टेशनों से होकर चलेगी। इस स्पेशल ट्रेन में 23 कोच होंगे। इसमें एसी 3-टीयर, स्लीपर क्लास और जनरल सीटिंग कोच शामिल हैं। इस मार्ग के अन्य ट्रेनों के प्रतीक्षा सूची वाले यात्री इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं। इसके अलावा, ट्रेन संख्या 07030 (सिकंदराबाद-अगरतला) स्पेशल की सेवाओं को 06 मार्च से 29 मई तक प्रति सोमवार को चलाने के लिए विस्तार किया जाएगा। यह ट्रेन सिकंदराबाद से 16.35 बजे रवाना होकर अगरतला गुरुवार को 03.00 बजे पहुंचती है। वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 07029 (अगरतला- सिकंदराबाद) स्पेशल की सेवाओं को 10 मार्च से 02 जून तक प्रति शुक्रवार को चलाने के लिए विस्तार किया जाएगा। यह ट्रेन अगरतला से 06.10 बजे रवाना होकर सिकंदराबाद रविवार को 16.15 बजे पहुंचती है।

भाजपा एक माह तक बूथ स्तर तक आयोजित करेगी कार्यक्रम

गुवाहाटी (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 20 फरवरी से 20 मार्च तक एक माह बूथ स्तरीय विशेष कार्यक्रम आयोजित करेगी। बूथ स्तर तक होने वाले इल कार्यक्रमों के जरिए भाजपा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के भाषण की मुख्य थीम को लोगों तक पहुंचाने की कोशिश की जाएगी। यह जानकारी रविवार को प्रदेश भाजपा ने एक बयान में दी है। भाजपा ने कहा कि राष्ट्रपति मुर्मू के 31 जनवरी को दोनों सदनों में दिए गए दूरदर्शी संबोधन ने देश को सही दिशा दी है कि भारत के शोषित और वंचित वर्ग के लोगों को वास्तव में लाभ हुआ है, देश के हर जातीय समूह, हर गरीब पुरुष और महिला और समाज के अंतिम व्यक्ति को सरकारी योजनाओं का लाभ मिला है और तथ्य यह है कि भारत सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। हमारी सरकार देश के मध्यम वर्ग की आकांक्षाओं को पूरा करने में सक्षम रही है। आज पूरी दुनिया भारत के नेतृत्व को सकारात्मक और आशा भरी नजरों देखता है। राष्ट्रपति ने अपने भाषण के माध्यम से इन सभी पहलुओं का एक सुंदर संकलन प्रस्तुत किया है। असम प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता ने राज्य स्तर पर इस कार्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए पार्टी के वरिष्ठ नेता ऋतुबरन शर्मा, नब कुमार बैश्य और लक्ष्य कोंवर की तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है।

जेसीआई अचीवर्स के आतिथ्य में प्रेसिडेंशियल अकाडमी कार्यशाला संपन्न

गुवाहाटी। जेसीआई गुवाहाटी अचीवर्स के आतिथ्य में राष्ट्रीय स्तर कार्यक्रम के अंतर्गत तीन दिवसीय प्रेसिडेंशियल अकाडमी कार्यशाला का समापन रविवार को हुआ। समापन के मौके पर जेसीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष एमके कार्थिके ने जोन-25 व जोन-3 के 50 से अधिक शाखा अध्यक्षो को संबोधित किया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राष्ट्रीय अध्यक्ष एमके कार्थिके ने इस दौरान शाखा अध्यक्षो को ज्यादा से ज्यादा मानव सेवा कार्य करने हेतू प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने उपस्थित सभी शाखा अध्यक्षो को एक सफल शाखा अध्यक्ष बनने का मूल मंत्र दीया। मेडिसिटी गुवाहाटी के सहयोग से आयोजित प्रेसिडेंशियल अकाडमी कार्यशाला के समापन समारोह के मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष एमके कार्थिके, चेयरमैन भारथ एन. आचार्य, मुख्य वक्ता दीपक नहार, सह-वक्ता मनिष खाटुवाला व विशाल सेठ, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अंकुर झुनझुनवाला, जेसीआई जोन-25 के अध्यक्ष बिजय कुमार अग्रवाल, जोन-3 के अध्यक्ष अभिनव चौरसिया, पूर्व जोन अध्यक्ष हर्ष झुनझुनवाला, रश्मि खाटुवाला, कार्यक्रम संयोजक कृष्णा मिमानी, जेसीआई अचीवर्स के अध्यक्ष मृदुल डेका सहित जोन-25 व जोन-3 के 50 से अधिक शाखा अध्यक्ष मौजूद थे। राष्ट्रीय अध्यक्ष की उपस्थिति में वन डे नेशनल प्रेसिडेंट के चुनाव उपस्थित शाखा अध्यक्ष के बीच कराए गए, जिसमें जोन 25 से अरुण सरावगी व जोन 3 से सिद्धार्थ गुप्ता के बीच टाई रहा और अंत में लॉटरी के जरिए वन डे नेशनल प्रेसिडेंट का ताज अरुण सरावगी के सिर सजा। कार्यशाला को मनोरंजन बनाने के लिए कई तरह के रोमांच से जुड़ी प्रतियोगिता का भी आयोजित की गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष की उपस्थिति में विभिन्न शाखाओं ने नई परियोजनाओं का अनावरण किया, जिसमें सामूहिक विवाह, शिक्षा आदि शामिल हैं। जोन-25 में पहली बार आयोजित प्रेसिडेंशियल अकाडमी कार्यशाला को सफल बनाने के लिए कार्यकर्म संयोजक कृष्णा मिमानी ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। जेसीआई अचीवर्स के अध्यक्ष मृदुल डेका ने बताया की आयोजन को सफल बनाने में आतिथ्य शाखा की निवर्तमान अध्यक्ष सरोज तिवारी, सचिव डॉ. रेश्मा अग्रवाल, कोषाध्यक्ष शुभम हरलालका, तरुण मोर, जयकिशन अजितसरिया, सुमित पोद्दार, करण अग्रवाल, निधी शर्मा, रुबी सेन, विनय अग्रवाल, वैभव गोयल, आशिष जालान, निखिल अग्रवाल सहित जेसीआई की विभिन्न शाखाओं का भरपूर सहयोग रहा।

शिवदौल में तीसरे दिन भी भक्तों का लगा तांता

शिवसागर (हि.स.)। ऊपरी असम के शिवसागर में स्थित ऐतिहासिक शिवदौल में रविवार को तीसरे दिन भी श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। स्थानीय विधायक अखिल गोगोई ने भी रविवार सुबह शिवदौल पहुंचकर दीप जलाया और महादेव का आशीर्वाद लिया। उन्होंने अपने परिवार और सभी के लिए शांति की कामना की। यहां गोगोई ने कहा कि भगवान से वर्तमान समय में उन्हें (गोगोई को) जेल भेजने के लिए जो सरकार की ओर से तैयारी की जा रही है, उससे छुटकारा पाने के लिए प्रार्थना की है। विधायक गोगोई ने कहा कि असम में वर्तमान में बाल विवाह और बेदखली के नाम पर सरकार आम लोगों पर अत्याचार कर रही है और वह इससे मुक्ति पाने की इच्छा से महादेव के चरणों में पूजा करने आए हैं।

डेकाचांग में आमार प्रयास गोष्ठी का नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

नगरबेड़ा (निसं)। आमार प्रयास गोष्ठी के उद्योग और नॉर्थ ईस्ट डायबिटीज एंड ओबेसिटी रिसर्च सेंटर के सहयोग से आज समरिया विकास क्षेत्र के डेकाचांग आंचलिक हाई स्कूल में एक नि:शुल्क मधुमेह जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 112 मरीजों की जांच व उपचार किया गया डॉ. नासीमुर रियाज ने। शिविर में दंत चिकित्सक डॉ. दिल नसीन के साथ दिबाकर साहा और अभिषेक सोम ने भी सेवाएं प्रदान कीं। गुवाहाटी के डॉक्टरों की टीम का हमारे प्रयास समूह समन्वयक गीतारानी मंडल, अनवर हुसैन, हालीमा खानम और कांचन माला ने फुलाम गामोछा से स्वागत किया। शिविर में आमार प्रयास गोष्ठी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक अनवर हुसैन ने हमारा स्वास्थ्य हमारे हाथों में है शीर्षक पर एक जागरूकता व्याख्यान दिया और सभी से गैर-संचारी रोगों के बारे में सतर्क रहने का आग्रह किया। डेकाचांग आंचलिक हाई स्कूल के प्रिंसिपल आमीनुल इस्लाम ने शिविर का उद्घाटन किया।

श्री खेजड़ी वाले बालाजी सेवा समिति की बैठक

गुवाहाटी (नसं)। खेजड़ी वाले बालाजी सेवा समिति के सदस्यों द्वारा जालान भवन में बैठक हुई है जिसमें आगामी 27 28 फरवरी को दो दिवसीय विशाल भजन संध्या अखंड ज्योत विशाल भंडारा का आयोजन होने जा रहा है स्थान 3 नंबर गेट सांगनेरिया धर्मशाला 4 तल्ला। उस के संदर्भ में समिति के अध्यक्ष रामेश्वर लाल गहलोत की अध्यक्षता में जालान भवन में कार्यकारिणी के सदस्यों द्वारा विचार विमर्श किया गया बैठक में भजन संध्या की तैयारियों को लेकर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सोंपी गई अध्यक्ष रामेश्वर लाल गहलोत ने बताया की श्री बालाजी भजन संध्या मैं अलग-अलग जगह से राजस्थान के सुप्रसिद्ध कलाकारों को बुलाया गया जिसमें सोनू जोशी नोखा से बसंत आचार्य बीकानेर एवं नवरत्न पारीक सुजानगढ़ नृत्य कलाकार सोनू जोधपुर इनके द्वारा श्री बालाजी महाराज की सजीव झांकि की प्रस्तुति दी जाएगी दो दिवसीय कार्यक्रम में दूसरे दिन 28 तारीख मंगलवार को आईटी सेंटर माछकुआ मे होली मिलन समारोह का विशाल आयोजन होगा। जिसमें 5 बजे से 7 बजे तक बालाजी का कार्यक्रम भजन कीर्तन होगा और उसके बाद में होली धमाल रंगारंग कार्यक्रम 7 से 10 बजे तक चलेगा। मौजूद कार्यकर्ता मालचंद करनानी अशोक डागा सुभाष गोयंका पं. अरविंद पारीक महेश बजरंग हरिओम सुभाष विकास मुकेश नरेश ओमकार आकाश हर्ष गहलोत निपेन मनोज आदि मौजूद रहे थे।

एथर गुवाहाटी की ओर से इलेक्ट्रिक व्हीकल जागरूकता रैली

गुवाहाटी। भरलुमुख स्थित सोनाराम खेल मैदान से रविवार की सुबह एथर गुवाहाटी की ओर से इलेक्ट्रिक व्हीकल जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। यह रैली पूर्वी भारत की सबसे ब ी ईवी कम्युनिटी राइड रही, जिसमें 100 से अधिक ईवी व्हीकल राइडर्स ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर एसएआर एंट्रेड प्रा.लि. के प्रमुख नितेश गोयल ने कहा कि एथर गुवाहाटी ने पूर्वी भारत में अपनी तरह का यह अनूठा आयोजन किया है। एथर कम्युनिटी राइड प्रोग्राम में एथर ग्राहकों को जोड़ने और उनके बीच मजबूत संबंध बनाने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस दौरान ग्रीन प्लांटेशन, पेंट माय एथर, एआईएम द प्राइज, ड्रोन फोटोग्राफी और ऑटो हिल-होल्ड का प्रदर्शन सहित कार्यक्रम में कई अन्य आकर्षणों मौजूद थे। उन्होंने कहा कि सोनाराम फील्ड से सुबह 8.30 बजे एथर जागरूकता रैली शुरू हुई जो एमजी रोड, दिघलीपुखरी, उलुबाड़ी, जीएस रोड, गणेशगुड़ी होते हुए पुन: उसी रास्ते सोनाराम खेल मैदान पहुंची। समापन समारोह में प्रतिभागियों के बीच लकी ड्रा का आयोजन किया गया एवं कइयों ने अपने अनुभव को साझा किया। उन्होंने आगे कहा कि एथर एनर्जी ने हाल ही में अपने एथर 450 रेंज के इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए कई अपडेट मॉडल पेश किए हैं जिन्हें आज के एथर कम्युनिटी राइड के दौरान प्रदर्शित किया गया था। एथर ने सभी नए और मौजूदा एथर ग्राहकों के लिए 5 साल/60,000 किलोमीटर का एक्सटेंडेड वारंटी प्रोग्राम पेश किया है। एथर का नवीनतम सॉफ्टवेयर एथरस्टैक 5.0 एक इमर्सिव यूआई (यूजर इंटरफेस) के साथ जिसे विंग्स ऑफ पावर कहा जाता है, जो आकर्षण का केंद्र था। एथर 450 दुनिया का पहला और एकमात्र स्कूटर है जो गूगल के ऑनबोर्ड नेविगेशन सिस्टम का उपयोग करता है। एथर को ऑटोहोल्ड नामक एक नया हिल-होल्ड फीचर मिलता है जो वाहन को ढलान और पहाड़ियों पर रोके रखता है। पिछले कुछ महीनों में, केंद्र और असम राज्य सरकार ने कई नीतियों और उपायों की घोषणा की है, जिससे इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने के बारे में बड़े पैमाने पर जनता के बीच बहुत सकारात्मक भावना आई है। इस आयोजन ने स्वच्छ और हरित ऊर्जा से चलने वाले इलेक्ट्रिक वाहनों के बारे में जागरूकता को और बढ़ाया है।

वायु सेना को सौंपा गया पिथौरागढ़ हवाई अड्डा, नागरिक उड़ानें भी होंगी संचालित

- हवाई पट्टी का विस्तार होने के बाद बड़े विमान भी उड़ान भर सकेंगे
- नागरिक उड़ानें नियमित होने का लाभ सीमांत जिले के भी मिलेगा

नई दिल्ली, (हि.स.)। उत्तराखंड में चीन और नेपाल सीमा के करीब रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण पिथौरागढ़ का नैनी सैनी हवाई अड्डा भारतीय वायुसेना अपने कब्जे में लेकर विकसित करेगी। वायुसेना के नियंत्रण में आने के बाद इस हवाई अड्डे से नागरिक और सैन्य दोनों उड़ानें संचालित होंगी। राज्य सरकार से हरी झंडी मिलने के बाद वायुसेना के आला अधिकारियों ने एयरपोर्ट का निरीक्षण कर इसे अपने कब्जे में लेने की कवायद शुरू कर दी है। नेपाल की सीमा से लगे पिथौरागढ़ जिले में मौजूद नैनी सैनी हवाई अड्डा रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। चीन सीमा से भी सटे होने के कारण भारतीय वायुसेना के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण नैनी सैनी एयरपोर्ट की अहमियत बढ़ गई है। इस हवाई अड्डे का उपयोग फिलहाल वायु सेना यात्री उड़ानों के साथ करती है। अपने कब्जे में लेने के बाद हवाई अड्डे के संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी भारतीय वायु सेना की होगी। उड़ानें नियमित होने का लाभ सीमांत जिले के लोगों को भी मिलेगा। सामरिक महत्व का हवाई अड्डा होने के कारण भविष्य में यहां हवाई पट्टी का भी विस्तार किया जाएगा। इसके बाद बड़े विमान भी यहां से उड़ान भर सकेंगे। नैनी सैनी में हवाई

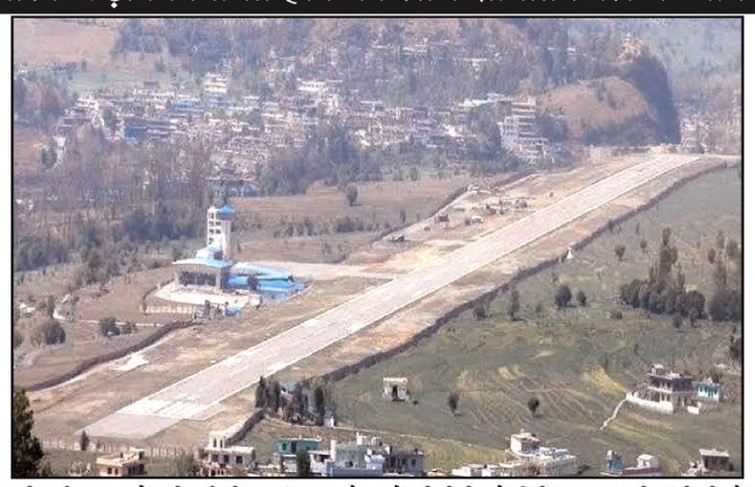

पट्टी वर्ष 1991 में पूरी हुई थी। यहां का रनवे सिर्फ वाणिज्यिक उड़ानों के लिए था। इस पर 65 करोड़ से 1600 मीटर लंबा और 60 मीटर चौड़ा रनवे बनाया गया था। नौ सीटों वाले विमान की ट्रायल लैंडिंग नवंबर, 2015 में की गई थी। 26 जनवरी, 2016 से नियमित उड़ान शुरू करने की कोशिश की गई, लेकिन कई कमियों के कारण उड़ान शुरू नहीं हो सकी। वर्ष 2018 में डीजीसीए ने निरीक्षण कर हरी झंडी दी तो हवाई यातायात नियंत्रण, दमकल सहित सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत कर टर्मिनल भवन में टिकट बुकिंग काउंटर स्थापित किया गया। इसके बाद पहली व्यावसायिक उड़ान 17 जनवरी, 2019 को शुरू हुई थी। नैनी सैनी हवाई अड्डे से देहरादून और पंतनगर के लिए नियमित उड़ानों के बाद 11 अक्टूबर, 2019 को गाजियाबाद के हिंडन के लिए सीधी उड़ानें शुरू हुईं। मार्च, 2020 में विमान के रनवे से फिसल जाने के बाद इस रनवे में कोई भी विमान आम जनता के लिए नहीं उतरा है। हवाई अड्डे को अपने कब्जे में लेने के लिए वायु सेना के अधिकारियों ने उत्तराखंड सरकार को प्रस्ताव भेजा। कुछ दिन पहले भारतीय वायुसेना के आला अधिकारियों ने एयरपोर्ट का निरीक्षण कर इसे अपने कब्जे में लेने की कवायद शुरू कर दी है। उत्तराखंड के मुख्य सचिव एसएस संधू ने कहा कि वायुसेना ने इस एयरपोर्ट को अपने नियंत्रण में संचालित करने का प्रस्ताव राज्य सरकार के समक्ष रखा था, जिसे मंजूरी दे दी गई है। अभी तक इसका संचालन राज्य नागरिक उड्डयन विभाग करता था। चीन सीमा से सटे होने के कारण भारतीय वायुसेना के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण नैनी सैनी एयरपोर्ट की अहमियत बढ़ गई है। वायुसेना पहले से ही चंडीगढ़ और प्रयागराज समेत कई अन्य हवाईअड्डों का संचालन कर रही है। अब वायु सेना पिथौरागढ़ सीमावर्ती जिले में नैनी सैनी स्थित हवाई अड्डे का संचालन करेगी। वायुसेना हवाई अड्डे को अपने कब्जे में लेने के बाद यहां से सैन्य और नागरिक उड़ानें एक साथ संचालित करेगी।

कृतज्ञ राष्ट्र ने छत्रपति शिवाजी को किया नमन, प्रधानमंत्री और अन्य नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, (हि.स.)। कृतज्ञ राष्ट्र मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी की जयंती पर उन्हें याद कर नमन कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत कई नेताओं ने छत्रपति शिवाजी को श्रद्धांजलि अर्पित की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनका साहस और सुशासन पर जोर हमें प्रेरित करता है। उल्लेखनीय है कि 1630 में जन्मे शिवाजी को उनकी वीरता, सैन्य प्रतिभा और नेतृत्व के लिए जाना जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया- 'मैं छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देता हूं। उनका साहस और सुशासन पर जोर हमें प्रेरित करता है।' उन्होंने मराठी में भी ट्वीट किया- 'छत्रपती शिवाजी

महाराज यांच्या जयंतीनिमित्त मी त्यांना अभिवादन करतो। त्यांचे शौर्य आणि सुशासनावरील भर आपल्यासाठी प्रेरणादायी आहे।' छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने भी ट्वीट कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने लिखा- 'छत्रपति शिवाजी महाराज शौर्य, साहस एवं पराक्रम की प्रतिमूर्ति होने के साथ-साथ एक ऐसे प्रजापालक शासक थे, जो लोक कल्याण और सुशासन के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध थे। आज उनकी जयंती के अवसर पर मैं उन्हें स्मरण करते हुए नमन करता हूं।' उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने ट्वीट किया-'बर्बर मुगल आक्रांताओं को भयाक्रांत करने वाले महान योद्धा, धर्मध्वज के रक्षक, 'हिन्दवी स्वराज' के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि।'

मनीष सिसोदिया ने पूछताछ के लिए सीबीआई से मोहलत मांगी

अजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली के उप मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी नेता मनीष सिसोदिया ने आज (रविवार) सुबह केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से अपील की। उन्होंने कहा है कि आबकारी नीति मामले में उनसे आज होने वाली पूछताछ को फरवरी के आखिरी सप्ताह तक टाल देनी चाहिए। उन्होंने इसकी वजह भी बताई है। सिसोदिया का कहना है कि वह इस समय दिल्ली के बजट को अंतिम रूप देने में व्यस्त हैं। सिसोदिया ने पत्रकारों से कहा-'मैंने सीबीआई को पत्र लिखा है और फरवरी के आखिरी हफ्ते तक के लिए समय मांगा है। मैं दिल्ली के बजट को अंतिम रूप दे रहा हूं और यह एक अहम वक्त है। मैंने कहा है कि फरवरी के आखिरी हफ्ते के बाद मैं आऊंगा।' उन्होंने कहा कि बतौर वित्त मंत्री बजट समय

से पेश करना मेरा कर्तव्य है और मैं उसके लिए दिन-रात काम कर रहा हूं। मैंने सीबीआई से फरवरी के आखिरी सप्ताह के बाद प्रश्नों का उत्तर देने की अनुमति देने का अनुरोध किया है। उल्लेखनीय है कि सिसोदिया से इससे पहले पिछले साल 17 अक्टूबर को पूछताछ की गई थी। साथ ही उनके आवास एवं बैंक लॉकर की तलाशी ली गई थी। सीबीआई दिल्ली आबकारी नीति मामले में लगभग तीन माह पहले आरोपपत्र दायर कर चुकी है। सीबीआई ने शनिवार को कहा था कि सिसोदिया से रविवार को पूछताछ की जाएगी। उन्हें इसके लिए बुलाया गया है। अधिकारियों ने साफ किया था कि दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 को बनाने और इसे लागू करने में बड़ी साजिश तथा मामले में धन कहां से आया और कहां गया, इस संबंध में आगे की जांच जारी है है।

मेट्रो यात्रियों के लिए देश का पहला वर्चुअल शॉपिंग ऐप शुरू करेगा दिल्ली मेट्रो

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो जल्द ही मेट्रो यात्रियों के लिए भारत का पहला वर्चुअल शॉपिंग ऐप शुरू करने जा रही है, जो यात्रियों को मेट्रो में यात्रा करते समय कई प्रकार के उत्पाद खरीदने और सेवाओं को बुक करने और गंतव्य स्टेशनों पर अपने ऑर्डर सुविधा प्रदान करेगी। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) के मुख्य प्रवक्ता अनुज दयाल ने रविवार को बताया कि 'मोमेंटम 2.0, एक विशेष रूप से डिजाइन किया गया एप्लिकेशन अपने उपयोगकताओं को कस्टम मेड सेवाओं जैसे लास्ट माइल कनेक्टिविटी विकल्प, ई-शॉपिंग विकल्पों की एक विस्तृत श्रृंखला और त्वरित तथा सुरक्षित डिलीवरी के लिए डिजिटल लॉकर तक तात्कालिक और सीधी पहुंच प्रदान करेगा। इसके साथ ही ऐप में दिल्ली मेट्रो के स्मार्ट कार्ड का तत्काल रिचार्ज और अन्य उपयोगिता सेवाओं के लिए स्मार्ट भुगतान विकल्प जैसी सुविधाएं भी मिलेंगी। इसके साथ ही अनेक समाधानों के साथ, यह ऐप दिल्ली मेट्रो की विशिष्टताओं में तीन प्रमुख सेवाओं यथा लास्ट माइल तक कनेक्टिविटी विकल्प, खरीदारी के लिए वर्चुअल स्टोर और मेट्रो स्टेशनों पर डिजिटल लॉकर तक बेहतर पहुंच प्रदान करेगा।

लास्ट-माइल कनेक्टिविटी - इस ऐप का उपयोग करने वाले यात्रियों को दिल्ली मेट्रो के स्टेशनों से बाइक, ई-रिक्शा, कैब और फीडर बसों की समय सारिणी, डीटीसी बसों और क्लस्टर बस रुट की बुकिंग जैसी

तत्काल सुविधाओं तक पहुंच प्राप्त हो सकेगी।

वर्चुअल स्टोर्स पर खरीदारी - इस ऐप में सामानों की एक विस्तृत श्रृंखला चुनने के साथ ई-शॉपिंग विकल्प की विशेषताएं शामिल हैं। यह अनोखा ब्रिक एंड क्लिक स्टोर अनुभवी उपयोगकताओं को मेट्रो स्टेशनों पर किराने का सामान और अन्य आवश्यक वस्तुओं की खरीदारी की सुविधा प्रदान करेगा। चयनित ब्रांड विस्तृत एक्सटेंडेड रीयलिटी टूल्स से अपने उत्पादों और सेवाओं को ऐप में प्रदर्शित करेंगे और यात्री अपनी पसंद के सामान की खरीदारी के लिए क्यूआर कोड मैकेनिज्म का उपयोग कर सकेंगे जैसे वे अपनी ट्रेन के आने का इंतजार करते हैं। इन वर्चुअल स्टोरों पर इमर्सिव और ऑफर किए जाने वाले सामान डिजिटल और फिजिकल शॉपिंग के अंतर को पाट देंगे।

स्मार्ट शॉपर्स के लिए डिजिटल लॉकर - डीएमआरसी चुनिंदा स्टेशनों पर 'स्मार्ट बॉक्स' नाम के डिजिटल लॉकर बनाने की प्रक्रिया में है, जहां इस ऐप पर ई-शॉपिंग के माध्यम से ऑर्डर किए गए सामान को सुरक्षित रूप से जमा किया जा सकता है और संबंधित खरीदारों द्वारा उनके गंतव्य स्टेशन पर पहुंचने के बाद उन्हें प्राप्त किया जा सकता है। ये स्मार्ट बॉक्स पार्सल, वस्तुओं और उत्पादों के सुरक्षित, तकनीक-सक्षम प्रबंधन प्रदान करेंगे। ये उपयोगकर्ता के अनुकूल लॉकर ई-कॉमर्स प्लेयर्स के साथ मिलकर सबसे तेज वितरण और पुनःप्राप्त चक्र के रुप में काम करेंगे। इसके अलावा, यात्री भुगतान के आधार पर स्मार्ट बॉक्स का भी उपयोग कर सकते हैं। इसके साथ ही यह ऐप यात्रियों को अपने स्मार्ट कार्ड को कहीं से भी तुरंत रिचार्ज करने की सुविधा प्रदान करेगा। ऐप में इनबिल्ट स्मार्ट कार्ड के लिए ऑटो-टॉप-अप सुविधा है। ऐप स्मार्ट भुगतान की सुविधा भी प्रदान करेगा। ऑटोमेटिक मोड में निर्देश को सेट करके बीमा, बिजली, गैस भुगतान या फास्टटैग रिचार्ज जैसे भुगतान आसानी से किए जा सकते हैं। ऐप मेट्रो स्टेशनों पर उपलब्ध सुविधाओं यथा गेट्स, लिफ्ट, एस्केलेटर, प्लेटफॉर्म, ट्रेन का समय, कोचों में जगह और स्थान की उपलब्धता की स्थिति जैसी विस्तृत जानकारी भी प्रदान करेगा। उपयोगकर्ता प्लेटफॉर्मों के स्थान और निकास द्वार के साथ ट्रेनों के आगमन समय पर रीयल टाइम की जानकारी (बशर्ते परिचालन की दृष्टि से व्यवहारिक हो) प्राप्त कर सकते हैं। इससे यात्रियों को मेट्रो से बाहर निकलने से पहले बाइक/कैब बुक करने में मदद मिलेगी और गंतव्य स्टेशन पर पहुंचने पर वाहन तैयार रहेगा। स्टेशनों पर उपलब्ध दुकानों, आउटलेट्स, कियोस्क और एटीएम के बारे में भी जानकारी इस ऐप के माध्यम से प्राप्त हो सकेगी।

एनपीपी, यूडीपी ने पिछले पांच साल में राज्य की जनता को मूर्ख बनाया: बनर्जी

- तृणमूल कांग्रेस राज्य में 60 विधानसभा सीट में से 58 पर लड़ रही है चुनाव

कोलकाता (ईएमएस)। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा कि मेघालय में सत्तारूढ़ नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) और उसकी सहयोगी यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी (यूडीपी) ने पिछले पांच साल में राज्य की जनता को मूर्ख बनाया है। शिलांग के पास मीलियम में एक चुनावी सभा को में बनर्जी ने लोगों से अपील की कि 27 फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस को वोट करें, क्योंकि यदि लोग ऐसा करेंगे तो पूर्वोत्तर के इस राज्य को नयी ऊंचाइयों पर पहुंचाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि एनपीपी और यूडीपी ने पांच साल तक काम किया और जनता को मूर्ख बनाया। बनर्जी ने लोगों से अपील की कि इस 27 तारीख को आपको उन्हें मूर्ख बनाना चाहिए। तृणमूल कांग्रेस राज्य में 60 विधानसभा सीट में से 58 पर चुनाव लड़ रही है। बनर्जी ने मुख्यमंत्री कोनराड के संगमा के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्तारूढ़ एनपीपी के

लिए प्रत्येक वोट भाजपा का वोट है। यूडीपी के लिए हर वोट भाजपा का वोट है। यह बात दिमाग में रखिए। उन्होंने पिछले साल नवंबर में मुकरोह में हुई गोलीबारी की घटना का भी जिक्र किया और कहा कि कोनराड संगमा सरकार ने पीड़ितों के लिए कुछ नहीं किया। बनर्जी ने कहा कि मेघालय सरकार ने असम पुलिस को नोटिस भी जारी नहीं किया। यदि पश्चिम बंगाल की अंतरराज्यीय सीमा पर ऐसी हिंसा होती, तो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसे अंजाम देने वालों को उनकी में ही जवाब दिया होता। मुकरोह में मेघालय के पांच आदिवासी ग्रामीणों की 22 नवंबर, 2022 को असम पुलिस की गोली लगने से मृत्यु हो गई थी। असम के वन सुरक्षा कर्मियों ने अवैध लकड़ी ले जाने के शक में मेघालय के एक वाहन को रोक लिया था, जिसके बाद विवाद बढ़ गया था।

पश्चिम बंगाल में शिवरात्रि पर भीड़भाड़ वाले मंदिर के पास धमाका, 5 घायल

हुगली, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के डानकुनी थाना अन्तर्गत हिमनगर इलाके में एक भीड़भाड़ वाले मंदिर के पास शनिवार शाम हुए विस्फोट में एक महिला और एक बच्चे सहित कम से कम पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार शिवरात्रि के मौके पर हिमनगर के एक मंदिर में समारोह चल रहा था। कई दुकानदार भी अपना सामान लेकर वहां बैठे थे। उनमें से एक गुब्बारे में गैस भरकर बेच रहा था। सब कुछ ठीक चल रहा था। लेकिन अचानक तेज धमाके के साथ गुब्बारे में गैस भरने वाला सिलेंडर फट गया। तेज आवाज से इलाका कांप उठा। पास के एक घर के निवासी ने बताया कि विस्फोट इतना तीव्र था कि उसके घर की

खिड़की का शीशा टूट गया। घायलों को तुरंत रेस्क्यू कर स्थानीय अस्पताल में उपचार के लिए ले जाया गया। पुलिस गैस गुब्बारा कारोबारी की तलाश कर रही है। इस घटना से कार्यक्रम में आए आम लोगों के मन में दहशत फैल गई। पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले दक्षिण 24 परगना जिले में ऐसी ही एक घटना में चार लोगों की जान चली गई थी.

अगले लोकसभा चुनाव में मिल सकता है बिहार व महाराष्ट्र में कांग्रेस को लाभ

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में वर्ष 2024 में लोकसभा चुनाव होने वाला है। इसलिए सभी राजनीतिक दलों ने अपनी-अपनी चुनावी तैयारियां शुरू कर दी हैं। लोकसभा से पहले करीब 9 राज्यों में विधानसभा चुनाव भी होने वाले हैं। त्रिपुरा में वोटिंग संपन्न हो चुकी है। वहीं, कर्नाटक मध्य प्रदेश, कर्नाटक, राजस्थान, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ में भी इस साल चुनाव होंगे। लोकसभा चुनाव से पहले ये नौ राज्य इसलिए भी अहम हैं, क्योंकि यहां लोकसभा की कुल 116 सीटें हैं। सत्तारूढ़ बीजेपी के लिए लगतार तीसरी बार सरकार बनाने की चुनौती है। वहीं, राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से गदगद कांग्रेस पार्टी पर भी अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने का दबाव है। आज के सियासी हालातों पर लगातार सर्वे हो रहे हैं। अधिकांश सर्वे में बीजेपी की बढ़त का अनुमान लगाया जा रहा है। हालांकि, कांग्रेस को भी कई राज्यों में लाभ होता दिख रहा है। बीते महीने मीडिया के एक सर्वे के अनुसार बीजेपी की लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी का अनुमान लगाया गया है। हालांकि, कांग्रेस के लिए भी राहत की खबर है। जनवरी 2023 में हुए सर्वे के मुताबिक बिहार में कांग्रेस, आरजेडी और जेडीयू गठबंधन को पांच प्रतिशत वोट का लाभ मिलता हुआ दिख रहा है। वहीं, कर्नाटक और महाराष्ट्र में भी कांग्रेस पार्टी फायदे में दिख रही है। इन राज्यों में हाल के कुछ वर्षों में हुए सर्वे में लगातार कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए गठबंधन की स्थिति में सुधार हुआ है। सर्वे में कहा गया है कि अगर आज लोकसभा चुनाव हुए तो 29 फीसदी वोट शेयर के साथ यूपीए के खाते में 153 सीटें जा सकती हैं। वहीं, अन्य को भी 92 सीटें मिलने की संभावना है। हालांकि, कर्नाटक और महाराष्ट्र जैसे राज्य बीजेपी की चिंता बढ़ा रही है। वहीं, 40 सीटों वाले बिहार में भी बीजेपी की नैय्या डगमगा सकती है। इन तीनों राज्यों ने भगवा खेमे की चिंता बढ़ा दी है। बिहार में कांग्रेस पार्टी आरजेडी और जेडीयू के साथ मिलकर सरकार में है। वहीं, महाराष्ट्र में भले ही सत्ता से बेदखल हो चुकी है, लेकिन एनसीपी, उद्धव की शिवसेना और कांग्रेस का गठबंधन आज भी जारी है। अगर इन दोनों राज्यों में गठबंधन जारी रहता है तो बीजेपी की राह मुश्किल हो सकती है। कर्नाटक में बीजेपी पहले से ही सत्ता विरोधी लहर का सामना कर रही है। मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस को लेकर भी लोगों से सवाल किया गया। जब पूछा गया कि कांग्रेस में कौन सुधार ला सकता है तो 26 फीसदी ने राहुल गांधी का नाम लिया, जबकि दूसरे नंबर पर सचिन पायलट रहे। उन्हें 16 फीसदी वोट मिले। तीसरे नंबर पर पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह 12 फीसदी और चौथे नंबर पर प्रियंका गांधी आठ फीसदी के साथ रहीं। वर्तमान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को तीन फीसदी लोगों का साथ मिला।

मुंबई हाईकोर्ट में लगी ईडी को फटकार

मुंबई (ईएमएस)। मुंबई हाई कोर्ट ने शनिवार को प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। हाईकोर्ट ने अधिकारियों से पूछा कि उन्होंने अभी तक पात्रा चाल केस के मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार क्यों नहीं किया। प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी शिवसेना सांसद संजय राउत को दी गई जमानत निरस्त कराने की मांग को लेकर हाईकोर्ट गए थे। विशेष अदालत से धन शोधन के मामलों में 9 नवंबर 2022 को संजय राउत

और से आरोपी प्रवीण राऊत को जमानत मिल गई थी। वह लगभग 100 दिन गिरफ्तार रहे। उसके बाद उन्हें जमानत मिली थी। विशेष अदालत की जमानत आदेश के विरोध में ईडी के अधिकारियों ने हाईकोर्ट में अपील की थी। दोनों की जमानत निरस्त करने की मांग की थी। इस पर हाईकोर्ट ने अधिकारियों को लताड़ते हुए कहा, कि अभी तक मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया। जो 100 दिन बंद रहे है, उनकी जमानत निरस्त कराने के लिए आप आए हैं। यह कहते हुए हाईकोर्ट ने अंतरिम आदेश जारी करने से इंकार कर दिया।

गोवा में बंधक बनाए गए हैदराबाद के दो लोगों को पुलिस ने छुड़ाया

पणजी, (हि.स.)। गोवा पुलिस ने हैदराबाद के दो लोगों को मुक्त कराकर 11 आरोपितों को हिरासत में लिया है। आरोपितों ने पीड़ितों के नियोक्ता के साथ विवाद के बाद उन्हें कथित रूप से बंधक बना लिया था। पुलिस अधीक्षक (उत्तर) निधिन वलसन ने शनिवार शाम पत्रकारों को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस मामले में प्राथमिकी हैदराबाद में दर्ज की गई थी। उन्होंने बताया कि यह पूरा मामला खनन विवाद से जुड़ा है। शिकायतकर्ता जयराम कुमार से उनके दो कर्मचारियों को छोड़ने के एवज में चार करोड़ रुपये की फिरौती मांगी गई थी। पुलिस अधिकारी वलसन ने बताया कि हैदराबाद पुलिस से सूचना मिलने के बाद गोवा पुलिस ने टीम गठित की और आरोपितों को

राजधानी पणजी के पास बम्बोलिम इलाके में ढूंढ निकाला। मुख्य आरोपित के प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) से कथित तौर पर जुड़े होने की भी जांच की जा रही है। विस्तृत जांच के लिए सभी आरोपितों को हैदराबाद पुलिस को सौंप दिया जाएगा।

कुतुब मीनार से हौज खास तक निकाली गई साइकिल रैली

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस अपने 76वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 16 फरवरी से 22 फरवरी तक देश की राजधानी दिल्ली में अलग-अलग जिलों के थाने की पुलिस "दिल्ली पुलिस सप्ताह" के रूप में मना रही है। इसी क्रम में आज दिल्ली के कुतुब मीनार से हौज खास दक्षिण डीसीपी ऑफिस तक एक बाइक और साइकिल रैली निकाली गई है। पुलिस के अनुसार, इन रैली का मकसद पब्लिक और पुलिस के बीच आपसी समन्वय स्थापित करने के लिए और लोगों को जागरूक करने के लिए किस तरह से लोगों में पुलिस को लेकर एक अलग धारणा बनी रहती है, उसको खत्म करना है। वहीं इस रैली में सैकड़ों की संख्या में स्कूल की छात्राएं, महिलाएं शामिल हुईं। करीब

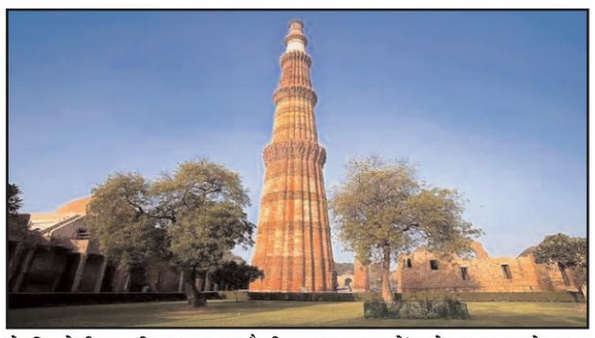

दो किलोमीटर की यह बाइक रैली निकाली गई, जिसमें डीसीपी चंदन चौधरी, एडिशनल डीसीपी अंकित चौहान ने भी साइकिल चलाई। वहीं, इस साइकिल को हरी झंडी भारत की एथलीट रहीं सुनीता गोदारा ने दिखाई। डीसीपी चंदन चौधरी ने बताया कि दिल्ली पुलिस स्थापना दिवस 16 फरवरी से 22 फरवरी तक मनाया जा रहा है। इसी के उपलक्ष्य में पूरे एक हफ्ते तक दिल्ली पुलिस (सप्ताह वीक) हम लोग मना रहे हैं। अलग-अलग तरह की एक्टिविटीज अलग-अलग जिलों और थानों में की जा रही है। पब्लिक अवेयरनेस पब्लिक से कैसे कनेक्ट करना है कैसे आम जनता की सुनी जाए तमाम तरह की अलग-अलग एक्टिविटीज दिल्ली पुलिस कर रही है।

सेना ने खरीदे 5 स्वदेशी क्विक रिएक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल वेपन सिस्टम

- रक्षा मंत्रालय से हरी झंडी मिलने के बाद भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड को दिया गया ऑर्डर
- दुनिया में सबसे उन्नत क्यूआरएसएएम हथियार प्रणालियों में से एक है यह स्वदेशी हथियार

नई दिल्ली, (हि.स.)। रक्षा मंत्रालय से हरी झंडी मिलने के बाद भारतीय सेना ने 5 स्वदेशी क्विक रिएक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल वेपन सिस्टम (क्यूआरएसएएम) खरीदने का ऑर्डर दे दिया है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) 2024 तक भारतीय सेना को सभी पांचों हथियार प्रणालियों की आपूर्ति कर देगी। एक क्यूआरएसएएम हथियार प्रणाली में एक रेजिमेंट कमांड पोस्ट व्हीकल (आरसीपीवी) शामिल गया है, जो सिस्टम के दिमाग के रूप में कार्य करेगा। बीईएल के मुताबिक एक आरसीपीवी तीन बैटरी इकाइयों से जुड़ा है। एक बैटरी यूनिट में एक बैटरी कमांड पोस्ट व्हीकल और एक बैटरी सर्विलांस रडार व्हीकल होता है। इसके अलावा एक बैटरी इकाई चार लड़ाकू समूहों (सीजी) से जुड़ी है। एक सीजी में एक मल्टीफंक्शनल रडार यूनिट होती है, जो 10 लक्ष्यों को निशाना बना सकती है। एक मल्टी लॉन्च रॉकेट व्हीकल छह क्यूआरएसएएम रॉकेट से लैस होता है। एक क्यूआरएसएएम हथियार प्रणाली में 72 क्यूआरएसएएम रॉकेट होते हैं। सिस्टम में रॉकेट ले जाने के लिए एक लॉजिस्टिक व्हीकल भी होता है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने क्यूआरएसएएम रॉकेट के पहले चरण का उपयोगकर्ता परीक्षण सितंबर, 2022 में किया था। सेना और वायु सेना को मिलने वाली इस मिसाइल प्रणाली से मध्यम ऊंचाई पर पायलट रहित विमान को मार गिराकर आखिरी यूजर ट्रायल इस साल की शुरूआत में 09 जनवरी को किया गया था।

डीआरडीओ और भारतीय सेना ने सभी मौसम में रोटेटेबल ट्रक-आधारित लॉन्च प्लेटफॉर्म पर लगे कनस्तर से स्वदेशी रूप से विकसित हथियार प्रणाली के छह राउंड उड़ान परीक्षण किये हैं। डीआरडीओ ने 3 से 7 जनवरी तक नागपुर में 108 वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस में भी इस प्रणाली का एक मॉडल प्रदर्शित किया था। यह दुनिया में सबसे उन्नत क्यूआरएसएएम हथियार प्रणालियों में से एक है। सेना और वायुसेना ने यूजर ट्रायल के दौरान इस हथियार प्रणाली का दिन और रात में भी परीक्षण करके मूल्यांकन किया है। इस दौरान मिशन के सभी उद्देश्यों को पूरा किया गया, अत्याधुनिक मार्गदर्शन और नियंत्रण एल्गोरिदम के साथ हथियार प्रणाली की पिन-पॉइंट सटीकता स्थापित की गई, जिसमें वारहेड श्रृंखला भी शामिल है। मिसाइल प्रणाली में पूरी तरह से स्वचालित कमांड और नियंत्रण प्रणाली, सक्रिय सरणी बैटरी निगरानी राडार, सक्रिय सरणी बैटरी मल्टी-फंक्शन रडार और लॉन्चर शामिल हैं। दोनों राडार में 360-डिग्री कवरेज के साथ सर्च-ऑन-मूव और ट्रैक-ऑन-मूव क्षमता है। इसे सभी मौसम में इस्तेमाल किया जा सकता है, जिसकी 30 किलोमीटर की रेंज है। इस मिसाइल को विकसित करने के लिए डीआरडीओ की परियोजना को जुलाई, 2014 में 476.43 करोड़ रुपये के बजट के साथ मंजूरी दी गई थी। मिसाइल प्रणाली को भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) और भारत डायनेमिक्स लिमिटेड के सहयोग से विकसित किया गया है। डीआरडीओ के अनुसार रक्षा से संबंधित सार्वजनिक उपक्रम बीईएल, बीडीएल और निजी उद्योग एलएंडटी के माध्यम से इस हथियार प्रणाली के तत्वों की आपूर्ति हुई है। संपूर्ण हथियार प्रणाली अत्यधिक मोबाइल प्लेटफार्मों पर कॉन्फिगर की गई है, जो वायु रक्षा प्रदान करने में सक्षम है।

सबकी समस्या का हल सरकार की प्राथमिकता : योगी

- जनता दर्शन में सीएम ने सुनीं 300 लोगों की समस्याएं
- धन के अभाव में किसी का इलाज बाधित न होने का दिया आश्वासन

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में 300 लोगों से मुलाकात की। समस्याएं सुनीं और सबकी समस्या निस्तारण का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि सबके साथ न्याय होगा। गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार के बाहर आयोजित जनता दर्शन में आये फरियादियों को सीएम ने इत्मीनान से सुना। प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को थमाते रहे और समयबद्ध तरीके से निस्तारण का आदेश देते रहे। इस दौरान उन्होंने कहा कि चिंता करने या परेशान होने की जरूरत नहीं है। इधर, जनता दर्शन में कई लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने इलाज में इस्टीमेट की प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण कर शासन को भेजने का अधिकारियों को निर्देश दिया। साथ ही, आश्वस्त किया कि धन के अभाव में किसी का इलाज बाधित नहीं होगा।

समाजिक समरसता, सौहार्द के साथ राष्ट्र गौरव के जागरण का काम करता है संघ : मनोज

- शाखा संगम में पढ़ाया सामाजिक समरसता का पाठ
-एक स्थान पर लगीं नगर की सभी शाखाएं, स्वयंसेवकों ने किया शारीरिक कार्यक्रम

लखनऊ, (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयसेवक संघ(आरएसएस) गोमती नगर की ओर से रविवार को शाखा संगम का आयोजन किया गया। इस अद्भुत कार्यक्रम में नगर की बीस शाखाएं एक ही स्थल पर लगाई गयीं। स्वयंसेवकों ने शारीरिक कार्यक्रम के तहत योग, सूर्य नमस्कार व समता का अभ्यास किया। शाखा संगम में अवध प्रान्त के सह प्रान्त प्रचारक मनोज ने स्वयंसेवकों को सामाजिक समरसता के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि संघ प्रारंभ से ही समाजिक समरसता व सौहार्द के साथ ही राष्ट्रीय गौरव के जागरण का काम करता आया है। इसी विचार के अनुरूप संघ में छह उत्सवों का आयोजन किया जाता है। संघ ने सभी पर्वों के प्रति आदर सम्मान रखा। स्वयंसेवक इन सभी उत्सवों में परम्परागत रूप से सहभागी होते हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति के प्रति हम सभी को गर्व होना चाहिए। ब्रिटिश काल में लार्ड मैकाले ने भारतीय संस्कृति के प्रति आत्मग्लानि लाने वाली शिक्षा पद्धति लागू की थी। इसमें राष्ट्र गौरव को आत्मग्लानि में बदलने की साजिश छुपी हुई थी। इस तथ्य को समझना चाहिए। अपनी महान विरासत का बोध कराने के लिए ही विजय दशमी के दिन डॉ हेडगेवार ने संघ की स्थापना की थी। सह प्रान्त प्रचारक ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने मुगल सत्ता को धूल चटाकर हिन्दू साम्राज्य की स्थापना की थी। यह दिन भी हमारा उत्सव है। हमारे यहां गुरु की बहुत महिमा बताई गई। संघ ने गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाने का निश्चय किया। परम पवित्र भगवा को गुरु माना। वहीं रक्षाबंधन का पर्व भी संघ के स्वयंसेवक मनाते हैं। यह पर्व हमें समाज के प्रति दायित्व की प्रेरणा देता है। इसमें समरसता के साथ ही सामाजिक सुरक्षा का भाव समाहित है। वहीं मकर संक्रांति सामाजिक समरसता का संदेश देता है। इस अवसर पर सह विभाग संघचालक अरविंद, नगर संघचालक महेश शर्मा, भाग कार्यवाह ज्योति प्रकाश, नगर कार्यवाह राजीव, सह नगर कार्यवाह सुधाकर व गौरव सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर आपस में टकराए 36 वाहन, 25 यात्री घायल

गाजियाबाद, (हि.स.)। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर रविवार सुबह कोहरे की वजह से 36 वाहन आपस में टकरा गए। हादसे में 25 से ज्यादा यात्री घायल हुए हैं। पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया है। हादसा दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे स्थित नाहल गांव के पास हुआ है। घटना की जानकारी होते ही गांव के लोग घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू कर दिया। इसी बीच सूचना पर पहुंची पुलिस ने रेस्कयू कर सभी घायलों को इलाज के लिए नजदीक के अस्पताल में पहुंचाया। पुलिस उपायुक्त ग्रामीण रवि कुमार ने बताया कि हादसा कोहरे के कारण हुआ है। घटना की सूचना पाकर पुलिस और बचाव टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियों को हटाकर यातायात को सुचारू किया है। वहीं बचाव टीम ने घायलों को नजदीक के अस्पताल में पहुंचाया। जिन्हें हल्की चोटें लगी थीं, वे खुद ही इलाज के लिए अस्पताल चले गये।

बेगूसराय में स्वर्ण व्यवसायी के यहां लूट की योजना बनाते अपराधी बम और हथियार सहित गिरफ्तार

बेगूसराय, (हि.स.)। बेगूसराय पुलिस ने शहर में एक स्वर्णकार की दुकान में लूटपाट की योजना बनाते दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों के पास से देसी बम, पिस्तौल एवं गोली बरामद किए गए हैं। एसपी योगेन्द्र कुमार ने बताया कि रविवार को गुप्त सूचना मिली कि अपराधियों का गिरोह मुफस्सिल थाना क्षेत्र के एघु गांव में बैठकर शहर के एक स्वर्ण व्यवसायी से यहां लूटपाट की योजना बना रहे हैं। सूचना मिलते ही सदर डीएसपी अमित कुमार के नेतृत्व में नगर थानाध्यक्ष, मुफस्सिल थानाध्यक्ष एवं मटिहानी थानाध्यक्ष की एक टीम बनाई गई। टीम ने कार्रवाई करते हुए छापेमारी कर दिया। जिसमें किराए के मकान में रह रहे मटिहानी निवासी कौशल ठाकुर एवं बाघी निवासी अशोक शर्मा को गिरफ्तार किया गया। इन लोगों के पास से तीन देसी बम, एक देसी पिस्तौल, 11 गोली एवं बम बनाने का कुछ सामान बरामद किया गया है।

इनके पास से बरामद मोबाइल की जांच में भी बड़ा खुलासा हुआ है। इसके आधार पर पुलिस की टीम अग्रेत्तर कार्रवाई कर रही है। एसपी ने बताया कि कौशल ठाकुर टॉप टेन अपराधी शशि ठाकुर का सगा भाई है। यह पांच महीना पहले समस्तीपुर जिले के रोसड़ा जेल से छूटा है। जेल में उसकी मुलाकात हथियार और बम बनाने वाले बाघी निवासी अशोक शर्मा से हुई। इन लोगों ने एक गैंग बनाया तथा मुजफ्फरपुर एवं वैशाली के अपराधियों से बातचीत चल रही थी। बाहर से अपराधियों को बुलाकर इन लोगों का गिरोह शहर मुख्यालय के एक बड़े स्वर्ण व्यवसायी के यहां लूटपाट की योजना बना रहे थे। लेकिन पुलिस की कार्रवाई महा खुलासा हो गया। छापेमारी में शामिल पूरी टीम को पुरस्कृत किया जाएगा। एसपी ने बताया कि जनवरी से अब तक 36 अवैध हथियार एवं 144 जिंदा गोली बरामद किए गए हैं। अपराध के खिलाफ पुलिस अभियान लगातार जारी रहेगा।

पलामू में पांकी घटना को लेकर शांति समिति की बैठक

मेदिनीनगर, (हि.स.)। जिले के पांकी थाना परिसर में रविवार को शांति समिति की बैठक हुई। बैठक को संबोधित करते हुए एसपी चंदन सिन्हा ने कहा कि पांकी में जिस तरह से पिछले दिनों घटना घटी वह निंदनीय है। उन्होंने कहा कि वे स्पष्ट करना चाहते हैं कि समाज में उपद्रव फैलाने वालों पर सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। एसपी ने कहा कि कहा कि जिस तरीके से घटना घटित हुई है और जो बातें उनके सामने आयी हैं उसके अनुसार उन्हें लगता है कि कहीं ना कहीं लोगों के मन में कोई और बात है जिसे लोगों को खुलकर रखनी चाहिए ताकि प्रशासन को पता चल सके। उन्होंने कहा कि घटना के बाद जिस तरीके से एसपी और डीसी की बातों को नजरअंदाज किया गया उससे भी लगता है कि कोई न कोई बात है। आज इस शांति बैठक में खुल कर रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार लोगों को भी खुलकर सामने आना चाहिए। उपस्थित लोगों ने कहा कि शांति समिति में जिम्मेदार व्यक्तियों को शामिल करना चाहिए और गंभीर विषय पर तत्काल जिम्मेदार लोगों से मशविरा करनी चाहिए। एसपी ने सभी बातों को सुनने के बाद आवश्यक दिशा निर्देश जारी किया। इस मौके पर विधायक शशिभूषण मेहता, पूर्व विधायक बिट्टू सिंह, पलामू जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष रामदेव यादव, राजद नेता चंद्रवंशी समेत कई, जेडीयू नेता राज नारायण पटेल, संतोष तिवारी समेत पांच विधानसभा के सभी गणमान्य लोग शामिल थे।

महाशिवरात्रि पर बाबा विश्वनाथ दरबार में लगभग सात लाख श्रद्धालुओं ने लगाई हाजिरी

-नव्य-भव्य श्री काशी विश्वनाथ धाम नित्य नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा

वाराणसी, (हि.स.)। नव्य-दिव्य भव्य श्री काशी विश्वनाथ धाम नित्य नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। इस वर्ष महाशिवरात्रि पर रिकॉर्ड स्तर पर श्रद्धालुओं ने बाबा के स्वर्णिम दरबार में हाजिरी लगाई है। साल 2023 की शुरूआत हो या बीते साल का सावन का महीना या अन्य पर्व, शिव भक्त श्री विश्वेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन के लिए काशी की ओर रुख कर रहे हैं। इससे वाराणसी के पर्यटन उद्योग को भी नई ऊंचाई मिल रही है। वाराणसी परिक्षेत्र के कमिश्नर कौशलराज शर्मा ने बताया कि महाशिवरात्रि पर छह लाख 88 हजार 567 श्रद्धालुओं ने बाबा विश्वनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई। वहीं, पिछले वर्ष पांच लाख 50 हजार 712 श्रद्धालुओं ने दर्शन पूजन किया था। मंदिर प्रशासन के अनुसार महापर्व पर शाम पांच बजे तक पांच लाख से अधिक शिवभक्त दर्शन-पूजन कर चुके थे। महाशिवरात्रि पर्व पर बाबा दरबार में पावन ज्योर्तिलिंग की एक झलक पाने के लिए दर्शनार्थी शुक्रवार की शाम से ही सभी प्रवेश द्वारों पर कतारबद्ध होकर इंतजार करने लगे। मंगला आरती के पश्चात जैसे ही भोर में चार बजे बाबा का पट आम दर्शनार्थियों के लिए खुला। कतारबद्ध श्रद्धालु हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारे लगाते हुए बाबा के दरबार में पहुंचे और जलाभिषेक कर जीवन मंगल कामना की। भोर के चार बजे से लेकर मध्य रात्रि तक श्रद्धालुओं ने बाबा के दरबार में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुनील कुमार वर्मा ने बताया कि दर्शनार्थियों की सुविधा के लिए परिसर में चारों ओर बैरिकेडिंग की गई थी। पेयजल चिकित्सा की टीमें और पीए सिस्टम लगाकर लोगों को दर्शन कराने में सहयोग किया गया। सफाई की टीमें गर्भ गृह से लेकर पूरे धाम की सफाई व्यवस्था में निरंतर लगी रहीं। उन्होंने बताया कि स्वयं व्यवस्था की देखरेख के लिए मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा समय-समय पर अपडेट लेते रहे। वह स्वयं मंदिर पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर रहे थे। दर्शनार्थियों को सुगम आवागमन के लिए 15 से ज्यादा ई रिक्शा चलाए गए थे। यह रिक्शा गोदौलिया और मैदागिन से दिव्यांग जनों और वृद्ध जनों को लाने में सहयोग किये। दर्शन व्यवस्था के लिए जगह-जगह एलईडी वॉल लगाकर भी दर्शनार्थियों को बाबा का दर्शन कराया गया।

काशी का कायाकल्प कर मोदी-योगी ने बनारस के विकास मॉडल की नई तस्वीर पेश की - काशी का कायाकल्प कर प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी ने बनारस के विकास मॉडल की नई तस्वीर दुनिया के सामने पेश की है। देश दुनिया से वाराणसी की अच्छी कनेक्टिविटी ने श्री काशी विश्वनाथ धाम की राह आसान कर दी है। 13 दिसम्बर 2021 को प्रधानमंत्री के लोकार्पित करने के बाद धाम में श्रद्धालुओं की रिकॉर्ड आमद हो रही है। लोकार्पण के बाद 2022 में पड़ने वाली पहली महाशिवरात्रि में पांच लाख 50 हजार श्रद्धालुओं ने दर्शन किया था। साल 2023 के पहले दिन करीब सात लाख से अधिक और सावन के महीने में लगभग सवा करोड़ भक्तों ने बाबा के दरबार में हाजिरी लगाई थी। मन्दिर के आय में भी लगभग 500 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

विवादों में फिर आए भाजपा के पूर्व सांसद अनिल शुक्ला वारसी

कानपुर, (हि.स.)। विवादों में आए भाजपा नेता पूर्व सांसद अनिल शुक्ला वारसी की बयानबाजी थमने का नाम नहीं ले रही है। रविवार को अपने फेसबुक के माध्यम से फिर एक बार विवादित बयान देकर पार्टी को सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया है। उनका आरोप है कि पार्टी के ही कुछ लोग उनके खिलाफ बदनाम करने की साजिश कर रहे हैं। फेसबुक में लाइव आकर आरोप लगाया है कि मेरे ही पार्टी के एक सांसद के इशारे पर जाति व समाज से जोड़कर संपूर्ण ब्राह्मण समाज का अपमान किया जा रहा है। ब्राह्मण समाज को भ्रमित करने के लिए मेरे खिलाफ माहौल बनाने के लिए साजिश रची जा रही है। कानपुर देहात की घटना को लेकर सांसद के लोग मेरे खिलाफ भ्रम फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण समाज बड़ौली कानपुर देहात कांड को लेकर उल्टी सीधी पोस्ट फेसबुक पर डाल रहे हैं। मेरी पत्नी प्रतिभा शुक्ला जो इस वक्त सरकार में राज्य मंत्री और क्षेत्र में तीन बार से विधायक हैं। एक लाख वोट पाकर चुनाव जीतती हैं। उनसे कहता है कि समाज के नाम पर कलंक हैं। मैं और मेरी पत्नी रात-दिन घर छोड़कर जनता की सेवा में जुटे हुये हैं। कभी ऐसा काम नहीं किया कि जिससे समाज की बदनामी हो। स्वयंभू नेता से पोस्टमॉर्टम हाउस में झगड़े की बात है उसने तथा उसके साथियों ने मुझे और मेरी पत्नी को अपमानित करने का प्रयास किया और मेरे गिरेहबान में हाथ डाला। इसका विरोध वहां पर मौजूद कृष्णा गौतम समेत अन्य कार्यकताओं ने किया। इस पर उन लोगों ने कृष्णा गौतम को जमीन पर गिरा दिया और बाल पकड़कर बाहर खींचने लगे। महिला किसी भी जाति की हो उसका अपमान नहीं होना चाहिए। फिर उसमें ब्राह्मण समाज कहां से आ गया। ये लोग जब ब्राह्मणों को भ्रमित नहीं कर पाए तो इसे सारे वकीलों का अपमान बता दिया। जबकि ये उनकी व्यक्तिगत लड़ाई है कृष्णा गौतम से।

बेतिया मे 24 फरवरी को डीआरसीसी में लगेगा जॉब कैम्प

बेतिया,(हि.स.)। श्रम संसाधन विभाग जिला नियोजनालय के तत्वाधान में 24 फरवरी को बेतिया डीआरसीसी (जिला निबंधन एवं परामर्श केन्द्र) के प्रांगण में जॉब कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। इस दिन पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 04.00 बजे तक इच्छुक अभ्यर्थी जॉब कैम्प में नियोजक से जॉब के विषय में जानकारी प्राप्त कर अपना आवेदन/बायोडाटा जमा कर सकते हैं। जिला नियोजन पदाधिकारी अंकित राज द्वारा बताया गया कि लगातार जिले में जॉब कैम्प का आयोजन कर बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार मुहैया कराने का कार्य किया जा रहा है। विगत 31 जनवरी, 07 फरवरी एवं 14 फरवरी को महिला-पुरूष अभ्यर्थियों का चयन किया गया था। इसी कड़ी में 24 फरवरी को भी जॉब कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आरएस टेली सर्विस कंपनी द्वारा हैदराबाद में ब्राडबैंड टेक्नीशियन, नेटवर्क इंजीनियर, ऑप्टिकल फाईबर टेक्नीशियन पद पर कार्य करने के इच्छुक 800 अभ्यर्थियों का चयन किया जायेगा। उन्होंने बताया कि निजी नियोजक, पद, योग्यता, उम्र, मानदेय, रिक्ति, कार्यस्थल आदि की विस्तृत जानकारी का प्रचार-प्रसार कराया जा रहा है ताकि लक्ष्य के अनुरूप बेरोजगार युवक-युवतियों को नौकरी दिलायी जा सके।

फिल्म अभिनेत्री भाग्यश्री ने देवघर बाबा मंदिर में की पूजा-अर्चना

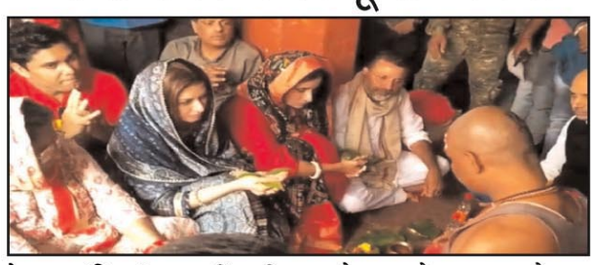

देवघर (हि.स.)। महाशिवरात्रि महोत्सव में भाग लेने देवघर आई फिल्म अभिनेत्री भाग्यश्री ने रविवार सुबह सांसद निशिकांत दुबे और उनकी पत्नी अनामिका गौतम के साथ बाबा मंदिर में पूजा-अर्चना की। पूजा समाप्त कर पत्रकारों से भाग्यश्री ने कहा कि महाशिवरात्रि के अवसर पर बाबा मंदिर में दर्शन करना सौभाग्य की बात है। देवघर आमंत्रित करने के लिए उन्होंने सांसद निशिकांत दुबे के प्रति आभार व्यक्त किया। मौके पर सांसद ने कहा कि सांसद के रूप में गोड्डा संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए मुझे 15 साल हो गए। लगातार जीत बाबा भोलेनाथ के कृपा से मिलती रही है। महाशिवरात्रि के अवसर पर बाबा मंदिर में पूजा करना मेरे जीवन का अपूर्व आनंद का क्षण रहा है। महाशिवरात्रि महोत्सव बिना किसी विघ्न बाधा के समाप्त होना भोले बाबा की कृपा से ही संभव हुआ है। बाबा के चरण में शीश नतमस्तक है। उल्लेखनीय है कि भाग्यश्री मशहूर भोजपुरी गायक मनोज तिवारी के साथ 18 फरवरी को महाशिवरात्रि महोत्सव में भाग लेने देवघर पहुंची थी।

ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष पर दर्ज हुआ एससी-एसटी का मुदकमा

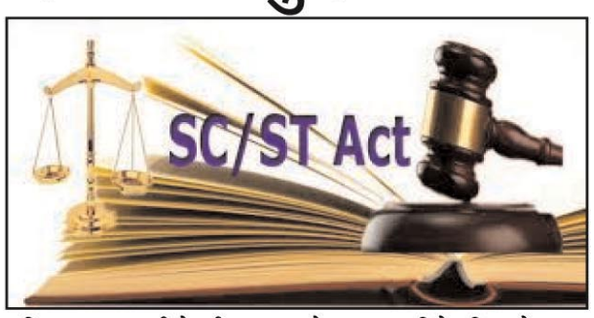

कानपुर देहात,(हि.स.)। जिले में बीते दिनों आग लगने से जलकर हुई मां-बेटी की मौत के मामले में पोस्टमार्टम हाउस के बाहर "मै ब्राम्हण हूँ महासभा" के अध्यक्ष और जिला पंचायत सदस्य के बीच हुआ विवाद लगातार बढ़ता ही जा रहा है। इसी क्रम में जिला पंचायत सदस्य ने अध्यक्ष दुर्गेश मनी त्रिपाठी व उनके कई साथियों के खिलाफ एससीएसटी जैसी गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है। कानपुर देहात जनपद में मड़ौली गांव में मां और बेटी की जलकर मौत हो गई थी। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के समझाने के पर चौबीस घंटे बाद शवों का पोस्टमार्टम हुआ था। इस दौरान राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला अपने पति पूर्व सांसद अनिल शुक्ला वारसी के साथ सीधे लखनऊ से पोस्टमार्टम हाउस पहुंची थीं। उन्होंने बताया था कि वो पीड़ित परिवार के लिए मुख्यमंत्री से मिलने गई थीं, जिस पर मुख्यमंत्री ने सख्त कार्यवाही का आश्वासन उनको दिया था। इसी दौरान वहां पर "मै ब्राम्हण हूँ महासभा" के अध्यक्ष दुर्गेश मनी त्रिपाठी पहुंचे थे। पोस्टमार्टम होने के दौरान उनके और अनिल शुक्ला वारसी के बीच कुछ कहासुनी हो गई थी और विवाद में जिला पंचायत सदस्य कृष्णा गौतम भी आ गई थीं। उस वक़्त का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ और इस मामले ने तूल पकड़ लिया। इस पर राजनीति भी शुरू हो गई है।सोशल मीडिया पर लगातार इस मामले को लेकर पोस्ट डाली जाने लगीं। इसी बीच पूर्व सांसद अनिल शुक्ला वारसी का सोशल मीडिया पर एक वीडियो आया, जिसमे उन्होंने बताया कि उस दिन आखिर क्या घटना हुई थी। उन्होंने दुर्गेश मनि त्रिपाठी को स्वयंभू ब्राह्मण बताते हुए कहा कि उस दिन इन्होंने उनकी पत्नी राज्य मंत्री को गाली दी थी, जिसके बाद जिला पंचायत सदस्य ने जब इसका विरोध किया तो ब्राह्मण महा सभा के अध्यक्ष और उनके गुर्गों ने जिला पंचायत सदस्य कृष्णा गौतम को बाल पकड़ कर गिरा दिया था। इसी दौरान दोनों में आपस मे विवाद गया था। इस घटना को और उनकी छवि खराब करने में उनके पार्टी के सांसद का भी हाथ है, जिसका जिक्र भी उनके द्वारा किया गया है। इसके बाद जिला पंचायत सदस्य कृष्णा गौतम ने पुलिस को तहरीर दी और पुलिस ने दुर्गेश मनि त्रिपाठी और उनके साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। दुर्गेश लगातार सोशल मीडिया पर कुछ न कुछ पोस्ट डाला करते हैं। ऐसे कई पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल भी हुए हैं।

भाजपा के खिलाफ 25 फरवरी को पूर्णिया में महागठबंधन की रैली से होगा शंखनादः जयप्रकाश यादव

भागलपुर, (हि.स.)। राष्ट्रीय जनता दल की ओर से भागलपुर के स्थानीय होटल में रविवार को एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया।

मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री जयप्रकाश नारायण यादव ने कहा कि इस देश की लोकतांत्रिक और संवैधानिक व्यवस्था को भाजपा ने पूरी तरह से बर्बाद कर दिया है। भाजपा इस देश को तोड़ने का प्रयास कर रही है। इसके खिलाफ महागठबंधन की सातों पार्टियां मिलकर पूरे सूबे में रैली निकालकर भारतीय जनता पार्टी और केंद्र सरकार को मुंहतोड़ जवाब देगी। उन्होंने कहा कि सीमांचल के पूर्णिया रंगभूमि मैदान में 25 फरवरी को आयोजित रैली के माध्यम से भाजपा के खिलाफ शंखनाद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस रैली में महागठबंधन के सातों पार्टियां शामिल हो रही है। उन्होंने कहा कि रैली के माध्यम से महागठबंधन के नेता देश की चरमराई व्यवस्था, बेरोजगारी और महंगाई को लेकर भारतीय जनता पार्टी को चेतावनी देने का काम करेगी। भाजपा अभी भी हिंदू मुस्लिम और हिंदुस्तान पाकिस्तान में भेद बता कर लोगों को बांटने का काम कर रही है। शैलेश कुमार उर्फ बूलों मंडल ने कहा कि भारत के संविधान को और देश के संघीय ढांचे को तहस नहस करने का काम भारतीय जनता पार्टी कर रही है। उन्होंने कहा कि सभी सरकारी विभागों को निजीकरण करने का काम भारतीय जनता पार्टी कर रही है। यह कहीं से सही नहीं है। इसको लेकर महागठबंधन एकजुट हुई है और उनके विरोध में रैली निकाल रही है। यह रैली पूरे सूबे में किया जाएगा। मौके पर बाल श्रमिक आयोग के अध्यक्ष डॉ चक्रपाणि हिमांशु, पूर्व सांसद शैलेश कुमार और युवा राजद के प्रदेश प्रवक्ता अरूण यादव शामिल हुए।

छत्रपति शिवाजी जयंती धूमधाम से संपन्न

बेतिया, (हि.स)। शहर के घसियारपट्टी वार्ड नंबर 14 स्थित मधुकुंज भवन में रविवार को कुर्मी क्षत्रिय नवयुवक संघ द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती धूमधाम से मनाई गई। जिसमें कई वक्ताओं ने अपने -अपने विचारों को रखा ।इस क्रम में मुख्य अतिथि रिटायर्ड डीएसपी रामदास बौद्ध ने कहा कि शिवाजी सिर्फ एक जाति के नहीं थे बल्कि वे सबके थे। उनकी सेना में 35% मुस्लिम थे। यहां तक कि उनके सेनापति और अंगरक्षक भी मुस्लिम ही थे।उनकी लड़ाई किसी जाति संप्रदाय से नहीं थी। बल्कि राष्ट्रभक्ति की थी। विशिष्ट अतिथि डॉक्टर गोरख प्रसाद मस्ताना ने कहा कि हमें शिवाजी के आदर्शों को अपनाना होगा। उनके जीवन को अपने पाठ्य पुस्तकों में शामिल कर अपने बच्चों को पढ़ाने एवं बढ़ाने का काम करना होगा । उनके विचारों को हम लोग अपने जीवन में धारण करें । तभी हमारी पीढी जान पाएगी। समाजसेवी जेपी सेनानी नंदलाल ने कहा कि शिवाजी जाति के नहीं थे बल्कि वे सबके थे ।जो लोग उनका विरोध करते थे उनकी भी वह रक्षा करने का काम करते थे। शंकर प्रसाद ने कहा कि हम लोग शिवाजी के आदर्शों का पालन करें। वही अशोक कुमार ने कहा कि शिवाजी ने एक नई दिशा प्रदान करने का काम किया । जेपी सेनानी ठाकुर प्रसाद त्यागी ने कहा कि हम लोग सरकार से यह मांग करे कि शिवाजी के जीवन को पाठ्य पुस्तकों में शामिल करें। जबकि ओबीसी - दलित एकता मंच के संयोजक एस.के.राव ने कहा कि हमें शिवाजी की जयंती सिर्फ मनाने से कुछ नहीं होगा बल्कि उनके जीवन को अपने जीवन में उतारना होगा ।उनके आदर्शों को अपनाना होगा तथा उनके अधूरे सपनों को हमें पूरा करना होगा। शिक्षक हरे कृष्ण ने कहा कि हम शिवाजी के किए गए कामों को नहीं भूल सकते हैं ।उन्होंने जो राष्ट्र के लिए अपनी भक्ति दिखाई उसे याद कर हमें राष्ट्र के प्रति समर्पित होना होगा ।मंच संचालन शंभू प्रसाद ने किया । जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता ठ-ाकुर प्रसाद त्यागी ने की । अन्य वक्ताओं में हरेंद्र राव, भोले पटेल ,संतोष आनंद, सुभाष कुमार ,प्रभु पंडित सहित कई शामिल रहें।

संपादकीय

भारत के लोकतंत्र में दखल देने की कोशिशें न करें विदेशी

जब से भारत अपनी मूल पहचान के साथ जुड़ने लगा है, आत्मनिर्भरता के साथ वैश्विक पटल पर एक सशक्त राष्ट्र के रूप में उभर रहा है और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उसी भूमिका प्रभावशाली हुई है, तब से दुनियाभर की कई ताकतें भारत को रोकने के लिए सक्रिय हो गई हैं। उसका सीधा कारण है कि भारत बढ़ेगा, तो उनकी सब प्रकार की दुकानदारी बंद हो जाएंगी। अमेरिकी कारोबारी जॉर्ज सोरोस तो मात्र एक उदाहरण हैं, ऐसे कई सोरोस हैं, जो पर्दे के पीछे भारत को गिराने की साजिशें रच रहे हैं। अभी हाल ही में ब्रिटेन के प्रतिष्ठित समाचारपत्र द संडे गार्जियन ने अपनी एक रिपोर्ट में इस बात की आशंका जताई थी कि भारत के सर्वाधिक लोकप्रिय और विकासवादी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार सत्ता में आने से रोकने के लिए दिल्ली से लेकर लंदन तक कई ताकतें सक्रिय हो चुकी हैं। जॉर्ज सोरोस का प्रकरण बताता है कि द संडे गार्जियन की रिपोर्ट गंभीर है। भारत के सुप्रसिद्ध कारोबारी गौतम अडानी के मुद्दे पर बोलते हुए अमेरिकी धन्नासेठ ने न केवल भारत के प्रधानमंत्री मोदी को लक्षित किया अपितु भारत के लोकतंत्र में भी हस्तक्षेप करने की अपनी मंशा को प्रकट किया। सोरोस ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मुद्दे पर शांत हैं। लेकिन उन्हें संसद में सवालों के जवाब के साथ विदेशी निवेशकों के भी जवाब देने होंगे। यह भारत की संघीय सरकार पर मोदी की पकड़ को काफी कमजोर कर देगा और बहुत जरूरी संस्थागत सुधारों को आगे बढ़ाने के दरवाजा खोल देगा। मुझे उम्मीद है कि भारत में एक लोकतांत्रिक परिवर्तन होगा। पहली बात तो अडानी मुद्दे पर प्रधानमंत्री को जोड़कर अनावश्यक टिप्पणी करने का कोई अधिकार विदेशी कारोबारी को नहीं है। यह सोरोस तय नहीं कर सकते कि भारत के प्रधानमंत्री किस मुद्दे पर बोलें और किस पर नहीं, उन्हें किसे जवाब देना होगा और किसे नहीं। सोरोस को अपनी मर्यादा समझनी होगी। उनके बयान को देखें तो वे भी प्रधानमंत्री मोदी को हटाने का सपना देख रहे हैं। सोचने वाली बात है कि प्रधानमंत्री मोदी को हटाकर आखिर अमेरिकी कारोबारी जॉर्ज सोरोस को कौन-सा लाभ मिल जाएगा? सोरोस तो भारत के विपक्षी पार्टी के नेता नहीं है कि भाजपा और मोदी को हटाकर, वे और उनकी पार्टी सत्ता में बैठ जाएगी? दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों के कारण भारत आर्थिक प्रगति कर रहा है, दुनिया की सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है, आत्मनिर्भरता बढ़ रही है, ऐसे में इस प्रकार के विदेशी कारोबारियों के आर्थिक हितों पर कुठाराघात हो रहा है। इसके साथ ही जॉर्ज सोरोस जैसे धन्नासेठ एक खास विचारधारा को भी प्रोत्साहित करते हैं, यह विचारधारा भारत में राष्ट्रीय विचार का विरोध करती है। जॉर्ज सोरोस की मानसिकता से इस आशंका को बल मिलता है कि आनेवाले समय में प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार की छवि को बिगाड़ने, चुनावों में भाजपा और मोदी की जीत को प्रभावित करने के लिए बड़े पैमाने पर विदेशी ताकतें अपना जोर लगाएंगी। भारत के लोगों को सावधान रहना होगा कि ये ताकतें हमारे देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में दखल न दे पांए और भारत को झुकाने की उनकी एक भी कोशिश सफल न हो। भारत के विकास एवं उसकी संप्रभुता के लिए हमें विदेशी ताकतों के विरुद्ध एकजुट रहना ही होगा।

> अमेरिकी कारोबारी जॉर्ज सोरोस तो मात्र एक उदाहरण हैं, ऐसे कई सोरोस हैं, जो पर्दे के पीछे भारत को गिराने की साजिशें रच रहे हैं। अभी हाल ही में ब्रिटेन के प्रतिष्ठित समाचारपत्र द संडे गार्जियन ने अपनी एक रिपोर्ट में इस बात की आशंका जताई थी कि भारत के सर्वाधिक लोकप्रिय और विकासवादी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार सत्ता में आने से रोकने के लिए दिल्ली से लेकर लंदन तक कई ताकतें सक्रिय हो चुकी हैं। जॉर्ज सोरोस का प्रकरण बताता है कि द संडे गार्जियन की रिपोर्ट गंभीर है। भारत के सुप्रसिद्ध कारोबारी गौतम अडानी के मुद्दे पर बोलते हुए अमेरिकी धन्नासेठ ने न केवल भारत के प्रधानमंत्री मोदी को लक्षित किया अपितु भारत के लोकतंत्र में भी हस्तक्षेप करने की अपनी मंशा को प्रकट किया। सोरोस ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मुद्दे पर शांत हैं। लेकिन उन्हें संसद में सवालों के जवाब के साथ विदेशी निवेशकों के भी जवाब देने होंगे। यह भारत की संघीय सरकार पर मोदी की पकड़ को काफी कमजोर कर देगा और बहुत जरूरी संस्थागत सुधारों को आगे बढ़ाने के दरवाजा खोल देगा। मुझे उम्मीद है कि भारत में एक लोकतांत्रिक परिवर्तन होगा। पहली बात तो अडानी मुद्दे पर प्रधानमंत्री को जोड़कर अनावश्यक टिप्पणी करने का कोई अधिकार विदेशी कारोबारी को नहीं है।

बोध कथा

व्यष्टि का समष्टि से महासंभोग है अनंत आनंद

सर्व की भलाई का भाव ही प्रेम है। प्रेम दिव्यता, पवित्रता, विस्तार और समर्पण है। प्रेम त्याग और परम आनंद की अनुभूति है। प्रेम एक प्रवाह है, कृत्य नहीं। प्रेम किसी विशेष से नहीं, बल्कि सबसे एक समान होता है। प्रेम अद्वैत है, जैसे प्रकृति भेदभाव रहित होकर सबके लिए समान रूप से उपलब्ध है, वैसे ही प्रेम से भरे व्यक्ति का शुभ भाव भी सभी के लिए होता है। प्रेम के दिव्य भाव में आने के लिए हमें अपने आप से जुड़ना होता है। जैसे-जैसे हम अंतरतम से एक होते जाते हैं, वैसे-वैसे हमारे भीतर 'सर्वे भवंतु सुखिनः' का भाव प्रबल होता जाता है, क्योंकि चेतना के स्तर पर हम सब एक ही हैं। प्रेम भाव के द्वारा हमारा विस्तार अनंत ब्रह्मांड तक होने लगता है, उस पल व्यष्टि का समष्टि से महासंभोग हो जाता है। अब हम गिने-चुने लोगों तक ही प्रेम में सीमित नहीं रहते, क्योंकि प्रेम में सीमा नहीं होती। सूंघ-सूंघकर जब अपने वालों के लिए प्रेम किया जाता है, तब वह मोह होता है। मोह एक विकार है, लेकिन प्रेम तो निराकार है। लोग कहते हैं हम प्यार में गिरते हैं, लेकिन वास्तव प्रेम में तो उड़ते और चढ़ते हैं। प्रेम हमें अनंत आकाश से जोड़ता है। प्रेम अपरिवर्तनशील और सार्वभौमिक है। प्रेम हमें अविचलित और संतुलित रखता हुआ जीवन को आनंद से भर देता है। प्रेम एक अनंत स्रोत है, जो कभी खत्म नहीं होता। प्रेम हमारा अस्तित्व है। प्रेम को हम वैसे ही महसूस नहीं कर सकते जैसे बर्फ अपनी ठंडक और आग अपनी गर्मी को महसूस नहीं कर सकती। क्योंकि प्रेम हमारा सच्चा स्वभाव है, जो मैं हूं उसको महसूस कैसे करूं? वास्तविक प्रेम तो ऐसा हो जैसा कृष्ण के लिए गोपियों का और शिव के लिए शक्ति का। यह दिव्य प्रेम निरंतर अभ्यास से प्राप्त किया जा सकता है। अपनी आध्यात्मिक यात्रा में मैंने प्रेम और शुक्राना, इन दो अभ्यासों पर विशेष बल दिया है। शुक्राना जो हर पल भीतर से परमात्मा के लिए होता रहे और दूसरा है नित्य प्रेम। वैसे तो प्रेम के सभी रूपों को भावनाएं कहा जाता है, लेकिन भावनाओं का प्रवाह जब नकारात्मक होने लगे, तब वह प्रेम नहीं रह जाता। जब आप किसी को चाहते हैं, तो उसके लिए भीतर से उभरने वाली भावनाएं शरीर के हार्मोंस के आधार पर होती हैं, जो आज नहीं तो कल बदल जाएंगी। आज जिनके लिए मरने-मिटने की कसम खाते हैं, कल उनसे लड़ने लगेंगे। जिन संबंध में प्रेम आज सुख दे रहा था, कल पीड़ा देने लगेगा।

> अब हम गिने-चुने लोगों तक ही प्रेम में सीमित नहीं रहते, क्योंकि प्रेम में सीमा नहीं होती। सूंघ-सूंघकर जब अपने वालों के लिए प्रेम किया जाता है, तब वह मोह होता है। मोह एक विकार है, लेकिन प्रेम तो निराकार है। लोग कहते हैं हम प्यार में गिरते हैं, लेकिन वास्तव प्रेम में तो उड़ते और चढ़ते हैं। प्रेम हमें अनंत आकाश से जोड़ता है। प्रेम अपरिवर्तनशील और सार्वभौमिक है। प्रेम हमें अविचलित और संतुलित रखता हुआ जीवन को आनंद से भर देता है।

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मुकाबले खुद को एक युवा और नये विकल्प के रूप में पेश किया

अमेरिका में अगला राष्ट्रपति चुनाव क्या कमला हैरिस बनाम निक्की हेली होगा?

नीरज कुमार दुबे

> वर्तमान में कमला हैरिस अमेरिका की उपराष्ट्रपति हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने अभी यह साफ नहीं किया है कि वह दोबारा राष्ट्रपति चुनाव लड़ेंगे या नहीं इसलिए माना जा सकता है कि कमला हैरिस भी राष्ट्रपति चुनाव में उतर सकती हैं। ऐसे में यदि कमला हैरिस और निक्की हेली के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए मुकाबला होता है तो वह बड़ा रोचक होगा क्योंकि दोनों ही भारतीय मूल की अमेरिकी हैं। जहां तक निक्की हेली की बात है तो आपको बता दें कि 51 वर्षीय यह अमेरिकी राजनीतिज्ञ दक्षिण कैरोलिना की दो बार गवर्नर रही हैं और संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की राजदूत रह चुकी हैं। उन्होंने इस सप्ताह दक्षिण कैरोलिना में एक कार्यक्रम के दौरान अपने उत्साहित समर्थकों को संबोधित करते हुए घोषणा की कि एक मजबूत अमेरिका के लिए, एक गौरवशाली अमेरिका के लिए, मैं संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल हो गई हूं।

अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी की भारतवंशी नेता निक्की हेली ने 2024 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में अपनी दावेदारी के लिए औपचारिक रूप से अभियान की शुरुआत कर दी है। इसके साथ ही, उन्होंने एक समय अपने नेता रहे और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मुकाबले खुद को एक युवा और नये विकल्प के रूप में पेश किया है। वर्तमान में कमला हैरिस अमेरिका की उपराष्ट्रपति हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने अभी यह साफ नहीं किया है कि वह दोबारा राष्ट्रपति चुनाव लड़ेंगे या नहीं इसलिए माना जा सकता है कि कमला हैरिस भी राष्ट्रपति चुनाव में उतर सकती हैं। ऐसे में यदि कमला हैरिस और निक्की हेली के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए मुकाबला होता है तो वह बड़ा रोचक होगा क्योंकि दोनों ही भारतीय मूल की अमेरिकी हैं। जहां तक निक्की हेली की बात है तो आपको बता दें कि 51 वर्षीय यह अमेरिकी राजनीतिज्ञ दक्षिण कैरोलिना की दो बार गवर्नर रही हैं और संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की राजदूत रह चुकी हैं। उन्होंने इस सप्ताह दक्षिण कैरोलिना में एक कार्यक्रम के दौरान अपने उत्साहित समर्थकों को संबोधित करते हुए घोषणा की कि एक मजबूत अमेरिका के लिए, एक गौरवशाली अमेरिका के लिए, मैं संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल हो गई हूं। उन्होंने कहा, जब अमेरिका उतार-चढ़ाव से गुजरता है, तो दुनिया कम सुरक्षित हो जाती है और आज, हमारे दुश्मन सोचते हैं कि अमेरिका का युग बीत चुका है। लेकिन वे गलत हैं। निक्की हेली ने कहा, अगर हम 20वीं सदी के राजनेताओं पर भरोसा करते रहे तो हम 21वीं सदी की लड़ाई नहीं जीत पाएंगे। उन्होंने कहा कि मैं अप्रवासियों की बेटी के रूप में, एक लड़ाकू योद्धा की गौरवमयी पत्नी के रूप में और दो अद्भुत बच्चों की मां के रूप में आपके सामने खड़ी हूं। निक्की हेली ने कहा है कि अमेरिकियों को देश में नयी पीढ़ी के नेता की जरूरत है। हेली ने अमेरिका में युवा नेतृत्व की वकालत करते हुए कहा, ''हमने कई नेताओं को देखा है जिन्होंने पूर्व में हमारा नेतृत्व किया है। हमें कांग्रेस में कार्यकाल की सीमाएं रखनी होंगी। हमें 75 वर्ष से अधिक

आयु के किसी भी निर्वाचित अधिकारी के लिए योग्यता परीक्षण कराने की आवश्यकता है।'' हम आपको बता दें कि उनकी इस औपचारिक घोषणा का यह मतलब है कि वह उम्मीदवारी हासिल करने के लिए 76 वर्षीय डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ प्रतिस्पर्धा में शामिल होने वाली पहली दावेदार होंगी। उल्लेखनीय है कि हेली और ट्रंप, दोनों रिपब्लिकन पार्टी से हैं। राष्ट्रपति चुनाव की प्रक्रिया में शामिल होने से पहले निक्की हेली को रिपब्लिकन पार्टी की 'प्रेसीडेंशियल प्राइमरी' में जीत हासिल करनी होगी, जो अगले साल जनवरी में होने का कार्यक्रम है। हम आपको यह भी बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव पांच नवंबर, 2024 को होना है। जहां तक निक्की हेली के परिचय की बात है तो आपको बता दें कि निक्की उर्फ निमरत निक्की रंधावा का जन्म प्रवासी पंजाबी सिख परिवार में हुआ था। निक्की हेली का जन्म सिख माता-पिता अजीत सिंह रंधावा और राज कौर रंधावा के यहां हुआ था, जो 1960 के दशक में पंजाब से कनाडा गए और फिर अमेरिका आकर बस गए थे। निक्की हेली एक सिख महिला के तौर पर बड़ी हुईं, लेकिन 1996 में माइकल हेली से शादी के बाद उन्होंने ईसाई धर्म अपना लिया। अमेरिका में अपने जीवन के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, मेरे माता-पिता ने बेहतर जीवन की तलाश में भारत छोड़ा। वे यहां बामबर्ग, साउथ कैरोलिना में बसे, जिसकी आबादी 2,500 थी। हमारा छोटा शहर हमसे प्यार करने लगा, लेकिन यह हमेशा आसान नहीं था। हमारा परिवार एकमात्र भारतीय परिवार था। कोई नहीं जानता था कि हम कौन थे, हम क्या थे, या हम यहां क्यों आए थे। उन्होंने कहा, लेकिन मेरे माता-पिता जानते थे। और हर दिन, उन्होंने मुझे, मेरे भाइयों और मेरी बहन को याद दिलाया कि हमारे सबसे बुरे दिन में भी, हम अमेरिका में रहने के लिए धन्य हैं। वे तब सही थे- और वे अब भी सही हैं। मेरे माता-पिता एक ऐसे देश में आए थे जो ताकतवर बन रहा था और जिसका आत्मविश्वास बढ़ रहा था। निक्की हेली एक समझदार राजनीतिज्ञ भी हैं क्योंकि उन्होंने अपने अभियान की शुरुआत चीन पर निशाना साधते हुए की है। उन्होंने कहा है कि तत्कालीन सोवियत संघ की तरह साम्यवादी चीन भी इतिहास के राख के ढेर में मिल जाएगा। उन्होंने 2024 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए अपनी उम्मीदवारी की औपचारिक घोषणा करने के बाद पहले सार्वजनिक भाषण में चीन को कड़ी चेतावनी दी। निक्की हेली ने कहा, आज संयुक्त राज्य अमेरिका की सशस्त्र सेना पहले से कहीं अधिक मजबूत और सक्षम है। एक मजबूत सेना युद्ध शुरू नहीं करती। एक मजबूत सेना युद्ध को रोकती है! उन्होंने कहा, हम अपने सहयोगियों इजराइल से यूक्रेन तक के साथ और ईरान और रूस में अपने दुश्मनों के खिलाफ खड़े रहेंगे। सोवियत संघ की तरह, साम्यवादी चीन इतिहास के राख के ढेर में मिल जाएगा। निक्की हेली ने कहा, चीन के तानाशाह दुनिया को कम्युनिस्ट अत्याचार में झोंकना चाहते हैं। और हम ही उन्हें रोक सकते हैं। मैं साफतौर पर कहना चाहूंगी। अगर हम 20वीं सदी के नेताओं पर भरोसा करते रहेंगे तो हम 21वीं सदी की लड़ाई नहीं जीत पाएंगे।'' उन्होंने कहा, ''अमेरिका असमंजस, विभाजन और आत्म-विनाश के रास्ते पर है। निक्की हेली के राजनीतिक कॅरियर की बात करें तो आपको बता दें कि जनवरी 2011 में 39 साल की उम्र में जब उन्होंने गवर्नर का पदभार ग्रहण किया, तब वह इस पद पर आसीन होने वाली अमेरिका की सबसे कम उम्र की गवर्नर थीं। उन्होंने दक्षिण कैरोलिना की पहली महिला गवर्नर बनकर इतिहास रचा था। यही नहीं, वह दक्षिण कैरोलिना राज्य की पहली भारतीय-अमेरिकी गवर्नर भी थीं। जनवरी 2017 से दिसंबर 2018 तक, उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत के रूप में कार्य किया था।

मेहनत की सिसकियाँ, नक़ल माफिया और राजनीतिक बैसाखियाँ

> कानून परीक्षाओं की शुचिता में बाधा डालने, अनुचित साधनों के प्रयोग, प्रश्न पत्रों के लीक होने और अन्य अनियमितताओं से संबंधित अपराधों को रोकने के लिए है। 'एंटी-कॉपीइंग लॉ' के तहत, धोखाधड़ी में शामिल उम्मीदवारों को तीन साल की कैद और न्यूनतम 5 लाख रुपये के जुर्माने से दंडित किया जाएगा। जुर्माना नहीं देने पर प्रत्याशी को नौ माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। दूसरी बार के अपराधी को न्यूनतम 10 साल की जेल और 10 लाख रुपये के जुर्माने से दंडित किया जाएगा। 10 करोड़ रुपए जुर्माना लगाने का प्रावधान है। नकल माफिया के लिए आजीवन कारावास या 10 साल की जेल। इसके अलावा नकल माफिया की संपत्ति कुर्क करने का भी प्रावधान है। उत्तराखंड में नकल विरोधी कानून बना है और उसके तहत पहला केस एक छात्र तथा एक न्यूज पोर्टल पर दर्ज हुआ है क्योंकि उन्होंने यह कहा कि बीते कल जो पटवारी की परीक्षा हुई थी, उसमें पेपर सीलबंद नहीं था। हालांकि आयोग ने स्पष्टीकरण में कहा कि ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि पहाड़ों में गड्ढे बहुत हैं और झटके लगने से ऐसा हुआ होगा। पुलिस ने उस स्पष्टीकरण को जमकर आगे बढ़ाया।

उत्तराखंड में देश का सबसे सख्त नकल विरोधी कानून लागू हो गया है। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने उत्तराखंड प्रतियोगी परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम और रोकथाम के उपाय) अध्यादेश 2023 को मंजूरी दे दी है।'नकल विरोधी कानून' के तहत नकल करने वाले उम्मीदवारों को दंडित किया जाएगा और उन पर 10 साल का प्रतिबंध लगाया जाएगा। नकल माफिया को उम्रकैद या 10 साल की जेल के साथ 10 करोड़ का जुर्माना लगाने का प्रावधान है। इसके अलावा नकल माफिया की संपत्ति कुर्क करने का भी प्रावधान है। यह यूकेपीएससी पेपर लीक के बाद आया है, जिसके कारण लगभग 1.4 लाख सरकारी नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों की परीक्षा रद्द कर दी गई थी। टी-कॉपीइंग एक्ट, 1992 भारतीय जनता पार्टी के कल्याण सिंह की अध्यक्षता वाली उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 1992 में अधिनियमित एक भारतीय कानून था। राजनाथ सिंह, हालांकि उस समय की सिंह सरकार में शिक्षा मंत्री थे, इस विचार का श्रेय स्वयं मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को दिया गया था। कानून का उद्देश्य राज्य में स्कूल और विश्वविद्यालय परीक्षाओं में बड़े पैमाने पर नकल की प्रथा को रोकना है। इस अधिनियम ने परीक्षाओं में अनुचित साधनों के उपयोग को एक संज्ञेय अपराध बना दिया और यह गैर-जमानती था और कथित तौर पर पुलिस को जांच करने के लिए परीक्षा परिसर में प्रवेश करने की अनुमति दी। हालांकि, मुलायम सिंह यादव के नेतृत्व वाली समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी की सरकार, जो 1993 में सत्ता में आई थी, ने अगले वर्ष इसे निरस्त कर दिया। निष्पक्ष और नकलविहीन भर्ती परीक्षा कराने के लिए उत्तराखंड में देश का सबसे कड़ा नकल विरोधी कानून लागू हो गया है. यह यूकेपीएससी पेपर लीक के बाद आया है, जिसके कारण लगभग 1.4 लाख सरकारी नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों की परीक्षा रद्द कर दी गई थी। कानून परीक्षाओं की शुचिता में बाधा डालने, अनुचित साधनों के प्रयोग, प्रश्न पत्रों के लीक होने और अन्य अनियमितताओं से संबंधित अपराधों को रोकने के लिए है। 'एंटी-कॉपीइंग लॉ' के तहत, धोखाधड़ी में शामिल उम्मीदवारों को तीन साल की कैद और न्यूनतम 5 लाख रुपये के जुर्माने से दंडित किया जाएगा। जुर्माना नहीं देने पर प्रत्याशी को नौ माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। दूसरी बार के अपराधी को न्यूनतम 10 साल की जेल और 10 लाख रुपये के जुर्माने से दंडित किया जाएगा। 10 करोड़ रुपए जुर्माना लगाने का प्रावधान है। नकल माफिया के लिए आजीवन कारावास या 10 साल की जेल। इसके अलावा नकल माफिया की संपत्ति कुर्क करने का भी प्रावधान है। उत्तराखंड में नकल विरोधी कानून बना है और उसके तहत पहला केस एक छात्र तथा एक न्यूज पोर्टल पर दर्ज हुआ है क्योंकि उन्होंने यह कहा कि बीते कल जो पटवारी की परीक्षा हुई थी, उसमें पेपर सीलबंद नहीं था। हालांकि आयोग ने स्पष्टीकरण में कहा कि ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि पहाड़ों में गड्ढे बहुत हैं और झटके लगने से ऐसा हुआ होगा। पुलिस ने उस स्पष्टीकरण को जमकर आगे बढ़ाया।

किसी ने पल भर भी यह नहीं सोचा कि जहां हर पेपर लीक, हर पद पर धांधली और हर परीक्षा पर सवाल उठे हैं, सैकड़ों पहले से ही जेलों में है, वहां छात्रों की शंका को दूर करना जरूरी है। शासन-प्रशासन ने आनन-फानन में छात्र पर ही केस दर्ज कर दिया। उनके स्पष्टीकरण को पढ़कर मुझे अपना सिलेंडर डिलीवरी वाला याद आ गया। सिलेंडर सील भले ही टूटी हो, मैं खाना खाने, बनाने वाला भी भले हूँ लेकिन अकेला होकर भी सिलेंडर महीना भर न चला हो मगर उसने कभी नहीं माना कि इसमें कुछ गड़बड़ी हुई है। हर बार अपनी मजबूरी पापी पेट और बाजारीकरण रहा है। उत्तराखंड सरकार के लिए अगला कदम कानून का कार्यान्वयन है। कड़े दिशा-निर्देशों और एसओपी को अपनाना होगा जिसके जरिए कानून को लागू किया जा सके। इन दिशा-निर्देशों का पालन परीक्षा कराने में शामिल पुलिस सहित विभिन्न एजेंसियों को करना है। बिना भौतिक प्रश्न पत्र के कंप्यूटर पर ऑनलाइन परीक्षा आयोजित की जाती है। ऑनलाइन परीक्षाएं कई विश्वविद्यालयों, संस्थानों और प्रतियोगी परीक्षा निकायों के पेन और पेपर-आधारित परीक्षणों से स्विच करने के साथ लोकप्रियता प्राप्त कर रही हैं। ऑनलाइन परीक्षा, जिसे सीबीटी (कंप्यूटर आधारित टेस्ट) भी कहा जाता है, सुरक्षित और विश्वसनीय मानी जाती है और इसमें सुरक्षा और धोखाधड़ी के मोर्चे पर न्यूनतम जोखिम होते हैं। ये परीक्षाएं कंप्यूटर, स्थिर इंटरनेट कनेक्टिविटी आदि जैसे पर्याप्त बुनियादी ढांचे वाले केंद्रों में आयोजित की जाती हैं। ऑनलाइन परीक्षा में किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी या धोखाधड़ी की संभावना नगण्य होती है, और यदि किसी प्रकार का हस्तक्षेप होता है तो इसका आसानी से पता लगाया जा सकता है और दोषी को दंडित किया जा सकता है। ऑनलाइन परीक्षाएं उत्तर पुस्तिकाओं की जांच करने और परिणाम तैयार करने के समय को भी कम कर देती हैं। कई राज्य सरकारें इसके लाभों के कारण परीक्षाओं के ऑफलाइन से ऑनलाइन मोड में तेजी से स्विच कर रही हैं, उदाहरण के लिए, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राज्य राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी आदि, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश के लिए परीक्षा आयोजित करने के लिए मानव संसाधन विभाग द्वारा स्थापित एक स्वायत्त और आत्मनिर्भर परीक्षण एजेंसी है। इसका उद्देश्य प्रवेश और भर्ती उद्देश्यों के लिए उम्मीदवारों की योग्यता का आकलन करने के लिए कुशल, पारदर्शी और अंतरराष्ट्रीय मानक परीक्षण आयोजित करना है। कई महत्वपूर्ण परीक्षाओं को ऑनलाइन मोड जैसे आईआईटी, जेइ परीक्षा, (केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा) आदि के माध्यम से आयोजित करता है। बार-बार पेपर लीक होने से देश में परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता खत्म हो जाती है। मेहनती नौजवानों के अधिकारों की रक्षा के लिए, जो रात-रात भर मेहनत करते हैं, उत्तराखंड सरकार द्वारा प्रति-नकल अधिनियम एक बहुप्रतीक्षित कदम है। अन्य राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को जो इसी तरह के खतरे का सामना कर रहे हैं, उन्हें इसका पालन करना चाहिए। साथ ही, कानून को अक्षरशः लागू करने के लिए कड़े दिशा-निर्देशों और एसओपी की आवश्यकता है।

देश दुनीया से

राजस्थान में गहलोत की बजट बाजीगिरी?

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एक सधे हुए 'पॉलिटिकल मैजिक मैन' हैं। राजस्थान के आम बजट में उन्होंने राज्य के सभी वर्गों को साधने का काम किया है। बजट में उन्होंने आम आदमी की जेब का विशेष ख्याल रखा है। वैसे तो यह राज्य का वित्त बजट है, लेकिन इसका सीधा सरोकार होने वाली विधानसभा चुनाव से है। राजस्थान की सत्ता में दोबारा वापसी के लिए उन्होंने ब्लू प्रिंट तैयार कर लिया है। गहलोत के जादुवी बजट से यह साबित होता है कि राजस्थान का आम चुनाव मोदी बनाम अशोक गहलोत होगा। क्योंकि चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, अन्नपूर्णा योजना, किसानों को मुफ्त बिजली, उज्जवला योजना में सस्ती गैस जैसी सुविधाएं भाजपा के फ्री राशन, प्रधानमंत्री आवास योजना और सुशासन की काट हैं। निश्चित रूप से राजस्थान की जनता पर इसका सीधा असर पड़ेगा। क्योंकि राज्य के आम बजट में आम आदमी का खासा ख्याल रखा गया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के लिए राज्य का आम चुनाव किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं होगा। क्योंकि एक तरफ सत्ता में दोबारा वापसी के लिए जहाँ सारे प्रयोग करने पड़ेंगे। दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी से उन्हें लड़ना पड़ेगा। लेकिन इन सब के बावजूद स्वयं उन्हें कांग्रेस से लड़ना पड़ेगा। क्योंकि पार्टी में ही सचिन पायलट उनके धुर राजनीतिक विरोधी रहे हैं। उनकी नाराज़गी और बगावती तेवर कई बार सड़क पर आ चुके हैं। भाजपा कांग्रेस की इस अंदरूनी फूट का लाभ उठाना चाहेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य का दौरा भी कर चुके हैं और वहां उन्होंने जनसभाओं के जरिए राज्य की नब्ज टटोलने की कोशिश की है। कांग्रेस आलाकमान सोनिया गांधी, अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच कैसे तालमेल बिठाएंगी यह भी एक बड़ा सवाल है। लेकिन फिर भी राज्य में गहलोत की अपनी साख है। सियासी और करिश्माई व्यक्ति हैं। हालांकि राजस्थान में वह गांधी परिवार का भरोसा खोने के बावजूद भी सबसे अधिक भरोसेमंद दिखते हैं। केंद्र की मोदी सरकार निश्चित रूप से महंगाई नियंत्रण करने में विफल रही है। रसोई गैस और बिजली जैसी सुविधा को फ्री कर मुख्यमंत्री ने आम आदमी को साधने की पूरी कोशिश की है। रसोई गैस की बढ़ती कीमतों से लोग बेहद परेशान हैं। राजस्थान से सटे राज्य पंजाब और दिल्ली में केजरीवाल की फ्री बिजली योजना काफी कारगर रहीं है। जिसका असर गहलोत की राजनीति पर भी पड़ता दिखता है। आम आदमी के लिए राज्य सरकार ने जहाँ 100 यूनिट बिजली फ्री देने की घोषणा की है। वहीं किसानों एकदम मुफ्त बिजली मिलेगी। सरकार की सबसे बड़ी घोषणाओं में यह ख़ास है कि कोरोना में अनाथ हुए बच्चों को सरकारी नौकरी मिलेगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आम आदमी और किसानों के लिए विशेष रियायत दी है। किसानों को मुफ्त बिजली देने का भी उन्होंने ऐलान किया है। इसके तहत राज्य के 11 लाख से अधिक किसान लाभान्वित होंगे। इसके साथ किसानों को तीन हजार करोड़ का कर्ज भी दिया जाएगा जो ब्याज मुक्त होगा। राजस्थान में लंपी बीमारी की वजह से लाखों गायों की मौत हुई है। जिसकी वजह से किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। जिन पशुपालकों की दो गायों की मौत हुई है उन्हें प्रति गाय 40-40 हजार रुपए का अनुदान दिया जाएगा। अपने आप में यह बड़ी घोषणा है। कृषि कल्याण कोष के वित्त को भी बढ़ा दिया गया है। इसमें 50 फीसदी का इजाफा कर 7500 करोड़ कर दिया गया है। संरक्षित खेती को बढ़ावा देने के लिए एक हजार करोड़ रुपए की व्यवस्था की गई है। निश्चित रूप से यह घोषणाएं किसानों के लिए वरदान साबित होंगी। राज्य में अंतरजातीय विवाह को प्रोत्साहन देने के लिए वर्तमान वित्त बजट को दोगुना कर दिया गया है। अभी तक लाभार्थियों को जहां ₹50 हजार मिलते थे अब सीधे एक लाख की मदद मिलेगी।

> मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आम आदमी और किसानों के लिए विशेष रियायत दी है। किसानों को मुफ्त बिजली देने का भी उन्होंने ऐलान किया है। इसके तहत राज्य के 11 लाख से अधिक किसान लाभान्वित होंगे। इसके साथ किसानों को तीन हजार करोड़ का कर्ज भी दिया जाएगा जो ब्याज मुक्त होगा। राजस्थान में लंपी बीमारी की वजह से लाखों गायों की मौत हुई है। जिसकी वजह से किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। जिन पशुपालकों की दो गायों की मौत हुई है उन्हें प्रति गाय 40-40 हजार रुपए का अनुदान दिया जाएगा। अपने आप में यह बड़ी घोषणा है। कृषि कल्याण कोष के वित्त को भी बढ़ा दिया गया है। इसमें 50 फीसदी का इजाफा कर 7500 करोड़ कर दिया गया है। संरक्षित खेती को बढ़ावा देने के लिए एक हजार करोड़ रुपए की व्यवस्था की गई है। निश्चित रूप से यह घोषणाएं किसानों के लिए वरदान साबित होंगी।

नागरिक बोध

एस. अब्दुल नजीर को राज्यपाल पद दिये जाने से कुछ गंभीर सवाल तो उठे हैं?

सर्वोच्च न्यायालय के एक सेवा-निवृत्त जज एस. अब्दुल नज़ीर को सरकार ने आंध्र प्रदेश का राज्यपाल नियुक्त कर दिया है। इस नियुक्ति पर विपक्ष हंगामा कर रहा है। उसका कहना है कि जजों को फुसलाने का यह सबसे अच्छा तरीका है। पहले उनसे अपने पक्ष में फैसला करवाओ और फिर पुरस्कार स्वरूप उन्हें राज्यपाल, राजदूत या राज्यसभा का सदस्य बनवा दो। जो विपक्ष मोदी पर यह आरोप लगा रहा है, क्या उसने अपने पिछले कारनामों पर नज़र डाली है? इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के ज़माने के कई राज्यपालों, राजदूतों और सांसदों से मेरा परिचय रहा है, जो पहले या तो जज या नौकरशाह या संपादक रहे हैं। उन्होंने जज या संपादक या नौकरशाह के तौर पर सरकार को उपकृत किया है तो सरकार ने उन्हें उक्त पद देकर पुरस्कृत किया है। वे लोग समझते रहे हैं कि वह पुरस्कार पाकर वे सम्मानित हुए हैं लेकिन उनके अपमान का इससे बड़ा प्रमाण-पत्र क्या हो सकता है? यदि उन्होंने अदालत में बिल्कुल ठीक-ठाक फैसला दिया है, यदि उन्होंने निष्पक्ष और निर्भीक संपादकीय लिखे हैं और यदि किसी नौकरशाह ने निष्ठापूर्वक अपना कर्तव्य--कर्म किया है तो भी ये सरकारी पुरस्कार पाने वालों की ईमानदारी पर लोगों को शक होने लगता है। यह शक तब और भी तगड़ा हो जाता है, यदि वह पुरस्कार तुरंत मिला हो। ऐसे पुरस्कारों और सम्मानों से संसदीय लोकतंत्र की मर्यादा भंग होती है, क्योंकि, न्यायपालिका और कार्यपालिका को अपनी लक्ष्मण-रेखाओं में ही रहना चाहिए और खबरपालिका को तो अपने प्रति और भी ज्यादा सख्ती बरतना चाहिए। यदि संपादक और पत्रकार इन पदों और सम्मानों के लिए लार टपकाते रहे तो वे पत्रकारिता क्या खाक करेंगे? मेरे कई पत्रकार मित्र विभिन्न सरकारों में मंत्री, राजदूत, और प्रधानमंत्रियों के सरकारी सलाहकार भी बने। उनमें से कइयों ने सराहनीय कार्य भी किए लेकिन इस तरह के कई सरकारी पद विभिन्न प्रधानमंत्रियों द्वारा पिछले 60-65 साल में मुझे कई बार प्रस्तावित किए गए लेकिन मेरा दिल कभी नहीं माना कि मैं हाँ कर दूं।

उ. कोरिया ने जापान के ऊपर मिसाइल दागने की पुष्टि, कहा- यह हमारी जवाबी परमाणु हमलों की क्षमता का सबूत

प्योंगयांग ।

उत्तर कोरिया ने रविवार को पिछले दिन किए गए ह्वासोंग-15 अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) के परीक्षण की पुष्टि कर दी है। उत्तर कोरिया के मुताबिक उसने यह परीक्षण अचानक लॉन्चिंग ड्रिल में किया था। इस परीक्षण का मकसद शत्रुतापूर्ण ताकतों के बीच देश की क्षमता का प्रदर्शन करना था। दक्षिण कोरिया और संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा आगामी सैन्य अभ्यासों की कड़ी प्रतिक्रिया की चेतावनी के बाद उत्तर कोरिया ने शनिवार दोपहर जापान के पश्चिमी तट से दूर समुद्र में एक लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च की थी। रविवार को एक अलग बयान में, उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने मिसाइल परीक्षण की पुष्टि करते हुए अमेरिका को संभल जाने की चेतावनी दी। तानाशाह की बहन ने कहा कि अमेरिका संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को उत्तर कोरिया के बारे में गलत जानकारी देने की कोशिश कर रहा है जो कि किसी शत्रुतापूर्ण नीति से कम नहीं है।

तानाशाह की बहन ने कहा कि मैं चेतावनी देती हूं कि हम दुश्मन की हर हरकत पर नजर रखेंगे और उसके हर शत्रुतापूर्ण कदम के खिलाफ उसके अनुरूप और बहुत शक्तिशाली और भारी जवाबी कार्रवाई करेंगे। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ (जेसीएस) ने शनिवार को बताया था कि उत्तर कोरिया ने अपने पूर्वी तट से समुद्र की ओर एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी। उत्तर कोरिया का यह कदम अगले सप्ताह वाशिंगटन में होने वाले अमेरिका-दक्षिण कोरिया के संयुक्त अभ्यास से पहले आया है। ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने कहा कि उत्तर कोरिया ने पूर्वी सागर में एक अज्ञात बैलिस्टिक मिसाइल दागी। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, जापान के तटरक्षक बल ने भी यह कहा कि उत्तर कोरिया ने बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया है।

इस पूर्वी सागर को जापान सागर के नाम से जाना जाता है। इस प्रक्षेपण से एक दिन पहले उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय ने दक्षिण कोरिया के खिलाफ अभूतपूर्व कार्रवाई करने की धमकी दी थी। दक्षिण कोरियाई सेना के हवाले से कहा है कि उत्तर कोरिया ने दिसंबर में पूर्वी सागर में मध्यम दूरी की दो बैलिस्टिक मिसाइलों का प्रक्षेपण किया था।

न्यूज ब्रीफ

क्या इमरान के प्रवक्ता बन गए हैं पाकिस्तान के राष्ट्रपति मंत्री ने क्यों याद दिलाई मर्यादा

इस्लामाबाद । पाकिस्तान इन दिनों आर्थिक संकट के साथ सियासी चुनौतियों से भी जूझ रहा है। एक तरफ पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में चुनाव की तारीखों की घोषणा के लिए सरकार पर दबाव बना रहे हैं तो दूसरी तरफ कई ऐसे मामले आए हैं, जहां लोकतंत्र की सरेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। इस बीच इमरान खान ने 22 फरवरी से जेल भरो तहरीक की घोषणा कर दी है। दूसरी तरफ राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने भी चुनाव की तारीखों की घोषणा के लिए मुख्य चुनाव आयुक्त सिकंदर सुल्तान राजा को 20 फरवरी को बैठक के लिए बुला लिया है। इसको लेकर शहबाज शरीफ सरकार ने राष्ट्रपति की आलोचना शुरू कर दी है और उन पर इमरान खान के लिए काम करने का आरोप लगया है। दरअसल, पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी, इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी से हैं। ऐसे में शहबाज शरीफ सरकार के मंत्रियों का आरोप है कि वह चुनाव की तारीखों की घोषणा के लिए आयोग पर लगातार दबाव बना रहे हैं। बता दें, बीते आठ फरवरी को भी उन्होंने चुनाव आयोग को पत्र लिखा था, लेकिन कोई जवाब न मिलने पर उन्होंने सीईसी को तलब किया है। पाकिस्तान के आंतरिक मंत्री राणा सनाउल्लाह ने कहा है कि आरिफ अल्वी को पाकिस्तान के राष्ट्रपति के रूप में काम करना चाहिए। उन्हें इमरान खान के प्रवक्ता के रूप में काम नहीं करना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि राष्ट्रपति का चुनाव की तारीख की घोषणा से कोई लेना-देना नहीं है। वहीं, रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी चुनाव आयोग के मामलों में हस्तक्षेप करने के लिए राष्ट्रपति की आलोचना की।

मदद के नाम पर तुर्किये से भद्दा मजाक! बाढ़ में मिली जो राहत सामग्री, उसे ही वापस भेज दिया

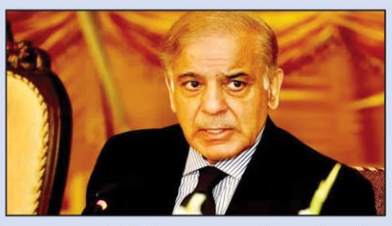

इस्लामाबाद । हिंदी में एक कहावत है- घर में नहीं दाने अम्मा चलीं भुनाने। यह कहावत इन दिनों पड़ोसी पाकिस्तान पर सटीक बैठती है, जो खुद तो गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा है। दाने-दाने को मोहताज है, लेकिन अपनी झूठी शान दिखाने में वह कोई कसर नहीं छोड़ना चाहता। दरअसल, विदेशी कर्ज और फंड की कमी से जूझ रहे पाकिस्तान ने अन्य देशों की देखादेखी भूकंप प्रभावित तुर्किये को राहत सामग्री तो भेज दी, लेकिन अब उस राहत सामग्री को लेकर जो खुलासा हुआ है, उसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान को एक बार फिर से शर्मसार कर दिया है। भूकंप की तबाही से जूझ रहे तुर्किये को पाकिस्तान ने राहत सामग्री भेजी है। इसमें 21 कंटेनर भेजे गए हैं, जिसमें विंटराज्ड टेंट, कंबल व अन्य आवश्यक सामान शामिल है। जब इस राहत सामग्री को खोल कर भेजा गया तो पता चला यह सामान पाकिस्तान को तुर्किये की तरफ से ही भेजा गया था। दरअसल, बीते दिनों पाकिस्तान में आई बाढ़ के बाद तुर्किये ने उसे राहत सामग्री भेजी थी, जिसे दोबारा से पैक करके पाकिस्तान ने तुर्किये को भेज दिया।

हॉस्पाइस केयर में पूर्व राष्ट्रपति जिमी कार्टर,क्या है जीवन के अंतिम समय में ली जाने वाली सुविधा

वाशिंगटन । जिमी कार्टर, 98 वर्षीय पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति अपने जीवन के अंतिम समय को हॉस्पाइस केयर में बिताने का फैसला किया है। यहां वह अपना शेष समय व्यतित करेंगे। उनके गैर-लाभकारी फाउंडेशन ने शनिवार को इस बात की जानकारी दी। बता दें कि कार्टर ने 1977 से 1981 तक देश का नेतृत्व किया था। उनकी गिनती प्रभावशाली राष्ट्रपतियों में होती है। कार्टर सबसे अधिक उम्र के जीवित नोबेल शांति पुरस्कार विजेता पूर्व राष्ट्रपति हैं और जॉर्जिया में अपनी पत्नी रोजलिन के साथ रहते हैं। अस्पताल में कुछ समय बिताने के बाद अब पूर्व राष्ट्रपति कार्टर अब शेष समय हॉस्पाइस केयर में बिताएंगे। आइए जानते हैं आखिर यह हॉस्पाइस केयर क्या है। हॉस्पाइस देखभाल में लाइलाज रोगी या जीवन के अंतिम चरणों में पहुंच चुके लोगों को(सहायक) को सम्मिलित किया जाता है और उन्हें देखभाल प्रदान की जाती है। जिसमें उपचार से अधिक फोकस आराम और जीवन की गुणवत्ता पर ध्यान कें द्रित किया जाता है। हॉस्पिस सेवाएं दर्द और अन्य लक्षणों के प्रबंधन के साथ-साथ रोगियों, उनके परिवारों/ रिश्तेदारों और देखभालकर्ताओं को भावनात्मक तथा आध्यात्मिक सहायता देने पर कें द्रित होती हैं। अलग-अलग हॉस्पाइस में उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाएं अलग-अलग हो सकती हैं। 98 वर्षीय पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति भी अब अपने अंतिम समय को परिवार के साथ बिताएंगे।

जासूसी गुब्बारे की घटना के बाद पहली बार मिले अमेरिका-चीन के विदेश मंत्री, ब्लिंकन ने दी ये चेतावनी

म्यूनिख (जर्मनी)।

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने शनिवार को चीन के शीर्ष राजनयिक वांग यी के साथ मुलाकात की। इस महीने की शुरुआत में अमेरिकी सेना द्वारा एक संदिग्ध चीनी निगरानी गुब्बारे को मार गिराए जाने के बाद से वरिष्ठ अमेरिकी और चीनी अधिकारियों के बीच यह पहला आमना-सामना था। दोनों शीर्ष अमेरिकी और चीनी राजनयिकों के बीच वार्षिक म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन से इतर एक बैठक हुई। बताया कि मुलाकात के दौरान एंटनी ब्लिंकन ने वांग यी को अमेरिकी हवाई क्षेत्र में जासूसी गुब्बारे भेजने के अपने गैर जिम्मेदाराना कृत्य को नहीं दोहराने की चेतावनी दी।

ब्लिंकन ने चीन को दी यह चेतावनी

विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा कि विदेश मंत्री ने स्पष्ट किया कि अमेरिका अपनी संप्रभुता का उल्लंघन होने पर किसी तरह का समझौता नहीं करेगा। नेड प्राइस ने ब्लिंकन की बात को रेखांकित करते हुए कहा कि विदेश मंत्री ने चीन को उसके जासूसी गुब्बारे के लिए चेतावनी दी है और इसे गैर-जिम्मेदाराना हरकत बताया। साथ ही कहा कि ऐसा फिर कभी नहीं होना चाहिए।ब्लिंकन ने चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ मुलाकात के दौरान रूस-यूक्रेन युद्ध का मुद्दा भी उठाया। यूक्रेन के खिलाफ रूस के क्रूर युद्ध पर ब्लिंकन ने निहितार्थ और परिणामों के बारे में चेतावनी दी। ब्लिंकन ने कहा कि यूक्रेन युद्ध के दौरान मॉस्को को बीजिंग की ओर से सहायता सामग्री प्रदान करने पर चीन के खिलाफ प्रतिबंध लगाए जाएंगे।

दोनों देशों के बीच संचार की खुली व्यवस्था के महत्व पर जोर

मुलाकात के बाद ब्लिंकन ने ट्विटर पर कहा, अभी पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) के शीर्ष राजनयिक वांग यी से मुलाकात की। मैंने पीआरसी के निगरानी गुब्बारे की घुसपैठ की निंदा की और जोर देकर कहा कि ऐसा फिर कभी नहीं होना चाहिए। मैंने रूस को सहायता सामग्री प्रदान करने के खिलाफ भी चीन को चेतावनी दी। मैंने दोनों देशों के बीच संचार की खुली व्यवस्था रखने के महत्व पर भी जोर दिया।

उत्तर कोरिया द्वारा किए गए आईसीबीएम परीक्षण का मुद्दा भी उठाया

ब्लिंकन ने कहा कि चीनी उच्च ऊंचाई वाले निगरानी गुब्बारे ने दुनिया के पांच महाद्वीपों के 40 से अधिक देशों के हवाई क्षेत्र में घुसपैठ की है। ब्लिंकन ने वांग यी के साथ मुलाकात के दौरान उत्तर कोरिया द्वारा किए गए आईसीबीएम परीक्षण की प्योंगयांग द्वारा किए गए नवीनतम अस्थिर करने वाले कृत्य के रूप में निंदा की और इस तरह की महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों का जवाब देने के लिए जिम्मेदार शक्तियों की आवश्यकता पर जोर दिया। नेड प्राइस ने कहा कि बैठक के दौरान ब्लिंकन ने इस बात की भी पुष्टि की कि अमेरिका की लंबे समय से चली आ रही वन चाइना नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। उन्होंने ताइवान जलडमरूमध्य में शांति और स्थिरता बनाए रखने के महत्व को भी रेखांकित किया। प्राइस ने कहा कि ब्लिंकन ने राष्ट्रपति बाइडन के बयानों को दोहराया कि अमेरिका प्रतिस्पर्धा करेगा और हमारे मूल्यों और हितों के लिए बिना किसी खेद के खड़ा रहेगा, लेकिन हम पीआरसी (पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना) के साथ संघर्ष नहीं चाहते हैं और एक नए शीत युद्ध की तलाश नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ब्लिंकन ने हर समय राजनयिक संवाद और संचार की खुली व्यवस्था बनाए रखने के महत्व को भी रेखांकित किया।

इस्राइल ने सीरिया के दमिश्क में किया हवाई हमला, नागरिकों समेत 15 की मौत

दमिश्क । इस्राइल की सेना ने शनिवार की रात विनाशकारी भूकंप से प्रभावित सीरिया की राजधानी दमिश्क में हवाई हमला किया। मानवाधिकार संस्थान सीरियन ऑब्जर्वेटरी के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में कहा गया कि इस हमले में आम नागरिकों सहित कम से कम 15 लोग मारे गए। बताया गया कि एयर स्ट्राइक में एक रिहायशी इमारत को निशाना बनाया गया। सीरिया की सरकारी समाचार एजेंसी के मुताबिक, दमिश्क में स्थानीय समयानुसार रात लगभग 12: 30 बजे जोरदार धमाकों की आवाज सुनी गई। इस हमले में कई आवासीय भवन नष्ट हो गए हैं। मरने वालों में सैनिक भी शामिल हैं, जबिक 15 नागरिक घायल हुए हैं। ब्रिटेन स्थित सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने बताया कि दमिश्क के ग्रामीण इलाकों में ईरानी मिलिशिया और लेबनानी आतंकवादी समूह हिजबुल्ला से जुड़े स्थलों और ईरान के एक स्कूल को निशाना बनाकर किए गए हमलों में एक महिला सहित 15 लोग मारे गए। हालांकि, इस्राइल की ओर से हवाई हमले पर अभी कोई बयान नहीं आया है। इजराइल हवाई हमले के जरिए दमिश्क के आसपास के क्षेत्रों को अक्सर निशाना बनाता रहा है।

सप्लाई चेन में विविधता लाने में अमेरिका का स्वाभाविक भागीदार बना भारत, बोले अमेरिकी सांसद अमी बेरा

वाशिंगटन ।

भारतीय- अमेरिकी सांसद अमी बेरा ने भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते की जमकर तारीफ की है। अमेरिकी सांसद ने कहा है कि जैसे ही अमेरिकी कंपनियां अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं(सप्लाई चेन) में विविधता लाती हैं, भारत एक स्वाभाविक भागीदार बन जाता है। उन्होंने कहा कि एयर इंडिया-बोइंग सौदे की हालिया घोषणा भारत द्वारा अपने नागरिक उड्डयन क्षेत्र का आधुनिकीकरण करने का एक प्रदर्शन है। अमेरिकी सांसद ने कहा कि हमने महामारी के माध्यम से महसूस किया है; हमारी आपूर्ति श्रृंखला चीन पर कितनी निर्भर है और जब हम अमेरिकी कंपनियों से अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने का आग्रह कर रहे हैं, तो भारत वहां एक स्वाभाविक भागीदार बन गया है। वे निश्चित रूप से दवा क्षेत्र में हैं, उनके पास एक परिपक्व फार्मास्युटिकल क्षेत्र, लेकिन रक्षा उत्पादन, प्रौद्योगिकी के अन्य क्षेत्रों में भी, भारत के पास एक बहुत ही जीवंत तकनीकी क्षेत्र है।

बता दें कि मंगलवार को, एयर इंडिया ने 190 बोइंग 737 मैक्स, 20 बोइंग 787, और 10 बोइंग खरीदने के लिए अपने समझौते की घोषणा की, जिसमें कुल 220 फर्म ऑर्डर हैं जो 44 राज्यों में दस लाख से अधिक अमेरिकी नौकरियों का समर्थन करेगा। जिनमें से कई को चार साल की कॉलेज डिग्री की आवश्यकता नहीं होगी। अमेरिकी सांसद ने कहा कि भारत ऐतिहासिक रूप से एक गुटनिरपेक्ष देश रहा है, लेकिन तेजी से एक बड़ी आर्थिक शक्ति, एक महत्वपूर्ण सहयोगी, समुद्री सुरक्षा पर अमेरिका के साथ काम कर रहा है और इसका व्यापारिक भागीदार बन रहा है। इंडियन एयरलाइंस-बोइंग सौदे की हालिया घोषणा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह न केवल अमेरिका के लिए अच्छा है बल्कि यह एक प्रदर्शन भी है कि भारत अपने हवाईअड्डों का आधुनिकीकरण कर रहा है। बेरा ने कहा कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने 10 साल पहले कई लोगों की उम्मीद की तुलना में चीन को बहुत अलग दिशा में ले लिया है, कि देश एक अधिक खुला और लोकतांत्रिक बाजार बन जाएगा। बेरा को हाल ही में 118वीं कांग्रेस के लिए इंडो-पैसिफिक पर सदन की विदेश मामलों की उपसमिति के रैंकिंग सदस्य के रूप में चुना गया था।

पुलिस मुख्यालय पर हुए हमले की जांच के लिए पांच सदस्यीय समिति का गठन, चार की हुई थी मौत

कराची ।

कराची पुलिस प्रमुख के कार्यालय पर हुए हमले की जांच के लिए पांच सदस्यीय समिति का गठन किया और मामले की प्रगति की निगरानी भी करेगी। पुलिस महानिरीक्षक गुलाम नबी मेमन के कार्यालय से जारी आदेश के अनुसार, समिति में सिंध काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट (सीटीडी) के पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजीपी) जुल्फिकार अली लारिक को समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। कराची दक्षिण क्षेत्र के डीआईजीपी इरफान अली बलूच, अपराध जांच एजेंसी के डीआईजीपी मुहम्मद करीम खान, कराची सीटीडी संचालन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तारिक नवाज और कराची सीटीडी जांच प्रभारी राजा उमर खताब को समिति का सदस्य बनाया गया है। कराची पुलिस कार्यालय पर शुक्रवार को हमला किया गया। पाकिस्तान सेना के विशेष सेवा समूह (एसएसजी), पाकिस्तान रेंजर्स सिंध, सिंध पुलिस सहित आतंकवादियों और कानून-प्रवर्तन एजेंसियों के बीच शुक्रवार को शरिया फैसल स्थित कराची पुलिस कार्यालय में घंटों चली मुठभेड़ में चार लोग मारे गए और 19 घायल हो गए थे। इसके विपरीत, प्रतिबंधित आतंकवादी समूह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के तीन आतंकवादी भी मारे गए थे।

इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के एक बयान के अनुसार, सेना प्रमुख ने सिंध के मुख्यमंत्री मुराद अली शाह को कोर मुख्यालय में हमले के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने हमले की जगह के साथ-साथ अस्पताल में घायलों से भी मुलाकात की। सेना के मीडिया विंग ने सेना प्रमुख के हवाले से कहा, आतंकवादियों का कोई धार्मिक या वैचारिक बंधन नहीं होता है, बल्कि केवल जबरदस्ती या प्रलोभन के जरिए गुमराह की गई अवधारणा होती है। डॉन ने सीओएएस के हवाले से कहा, पाकिस्तानियों ने आतंकवाद और उग्रवाद को उसके सभी रूपों में हमेशा खारिज और पराजित किया है। हम एक साथ मिलकर इस खतरे पर जीत हासिल करेंगे।

चीन में महामारी ने खोली हेल्थ केयर की पोल सामने आ रही हैं चौंकाने वाली जानकारियां

बीजिंग ।

बीते दिसंबर-जनवरी में चीन में आई कोरोना महामारी की लहर ने देश के ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य देखभाल व्यवस्था की कमियों को बुरी तरह उगाजर कर दिया है। इस दौरान यह बात खुल कर सामने आई कि चीन के देहाती इलाकों में ना तो पर्याप्त संख्या में अस्पताल हैं और ना अस्पतालों में पर्याप्त संख्या में स्वास्थ्यकर्मी मौजूद हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस बात की तस्दीक खुद ग्रामीण इलाकों में तैनात स्वास्थ्यकर्मियों ने की है। मसलन ग्वांगदोंग प्रांत के एक गांव में तैनात डॉक्टर मो हाइकुम ने कहा कि महामारी दस दिन तक अपने पीक (चरम) पर रही। उस दौरान हमारे पास सोने तक वक्त नहीं था। दिसंबर में चीन सरकार ने जीरो कोविड नीति से हटने का एलान किया था। उसके तुरंत बाद देश में कोरोना वायरस के ओमिक्रोन वैरिएंट के कारण संक्रमण बेहद तेजी से फैले। अब महामारी के उन दिनों के बारे में अधिक जानकारियां सामने आ रही हैं। इनके मुताबिक महामारी शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में तेजी से फैली। बीते 27 दिसंबर को चीन के नेशनल स्वास्थ्य कमीशन ने

मरीजों का शुरुआती इलाज ग्रामीण इलाकों में मौजूद हेल्थ सिस्टम के तहत करने का आदेश दिया। इस बहुस्तरीय सिस्टम के तहत जिन मरीजों के इमरजेंसी इलाज की जरूरत नहीं है, उनकी देखभाल स्थानीय क्लीनिक में की जाती है। जिन मरीजों की स्थिति गंभीर हो, उनकी जरूरत के मुताबिक डॉक्टर दूसरे अस्पताल में भेजते हैं। कोविड के दौरान ज्यादातर मरीजों को कहा गया कि वे अपने गांव में ही रह कर ही इलाज कराएं। इससे ग्रामीण व्यवस्था पर दबाव बढ़ गया। लेकिन संवाददाताओं ने ग्रामीण इलाकों का दौरा करने पर पाया कि वहां के अस्पताल और क्लीनिक इलाज संबंधी मांग को पूरा करने में सक्षम नहीं थे। ना तो वहां अनुभवी स्वास्थ्य कर्मी हैं और ना ही दवाओं की पर्याप्त आपूर्ति करने में स्थानीय व्यवस्था सक्षम है। ग्वांगदोंग प्रांत की लियानान काउंटी में स्थित सेनपई कस्बे में कार्यरत डॉक्टर जेंग हाइफेन ने बताया कि हमारे पास बायोकेमिकल टेस्ट और इमेजिंग टेस्ट करने के उपकरण भी नहीं हैं। इन उपकरणों से पता चलता है कि मरीज की स्थिति कितनी गंभीर है। साथ ही रोग किस तरह बढ़ या घट रहा है, इसका पता भी इससे चलता है। अब चीन में महामारी की लहर थम चुकी है। लेकिन ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य कर्मचारियों ने जनवरी में जिन हालात का सामना किया, उसे वे भूल नहीं पा रहे हैं। उन्होंने कहा है कि महामारी ने स्वास्थ्य व्यवस्था की खामियां उजागर कर दी हैं। अब जरूरत इन्हें तुरंत दूर करने की है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक, नवंबर में इस बात के संकेत मिल गए थे कि चीन को महामारी की एक बड़ी लहर का सामना करना पड़ेगा। अगर तभी तैयारी की जाती, तो दवाओं और उपकरणों की जैसी कमी का सामना करना पड़ा, उससे बचा जा सकता था।

अफगानिस्तान से डरा पाकिस्तान ! देने लगा आतंकवाद रोकने की सलाह, बिलावल ने जताया यह डर

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तानी विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने शनिवार को कहा कि यदि अंतरिम अफगान सरकार ने अपने क्षेत्र से संचालित आतंकवादी समूहों से निपटने के लिए इच्छाशक्ति और क्षमता का प्रदर्शन नहीं किया तो आतंकवाद को पाकिस्तान से बाहर अन्य स्थानों पर जाने में अधिक समय नहीं लगेगा। जर्मनी में म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन को संबोधित करते हुए, पीपीपी के अध्यक्ष ने कहा कि क्षेत्र में अफगानिस्तान के बारे में सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा देश की सुरक्षा और आतंकवादी खतरा था। बिलावल ने अफसोस जताया कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय या अफगान सरकार द्वारा इस मुद्दे पर पर्याप्त गंभीरता नहीं दिखाई गई।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान को बताए आतंकवाद से निपटने के उपाय

उन्होंने कहा अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार को अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की सहमति से, उनकी सीमाओं के भीतर आतंकवाद से निपटने के लिए कदम उठाने के लिए कहा। उन्होंने आगे दुनिया के नेताओं से अंतरिम अफगान सरकार के लिए एक स्थायी सेना बनाने में मदद करने के लिए

क्षमता निर्माण का रास्ता खोजने के लिए कहा।

उन्होंने कहा कि उनके पास स्थायी सेना नहीं है, न ही आतंकवाद विरोधी बल या यहां तक कि उचित सीमा सुरक्षा भी है। उस स्थिति में, भले ही उनके पास इच्छाशक्ति हो, उनके पास आतंकवादी खतरे से निपटने की क्षमता नहीं है जो एक समस्या है। यह पड़ोसियों और फिर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के लिए खतरा है।

कार्रवाई नहीं हुई तो पाकिस्तान के बाहर भी पहुंच जाएगा आतंकवाद: बिलावल

बिलावल ने कहा कि चिंता का विषय यह है कि अगर हम और अंतरिम सरकार इन समूहों को गंभीरता से नहीं लेते हैं और वे आतंकवादी समूहों पर कार्रवाई करने की इच्छा और क्षमता का प्रदर्शन नहीं करते हैं तो वे पहले इस क्षेत्र में आतंकवादी गतिविधियों का संचालन करेंगे फिर धीरे-धीरे पाकिस्तान के बाहर पहुंच जाएगा। उन्होंने कहा कि काबुल में अमेरिकी सेना के जाने के बाद आतंकी गतिविधि और बढ़ गई है। लेकिन अब इसके कहीं और पहुंचने में देर नहीं लगेगी।

पाकिस्तान, अफगानिस्तान पर आक्रमण नहीं करना चाहता: बिलावल

बिलावल ने कहा कि आतंकवादियों से निपटने और मेरी सुरक्षा चुनौतियों का समाधान करने के लिए अफगान अधिकारियों को समझाने में मेरा काफी समय लगता है। विदेश मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान, अफगानिस्तान पर आक्रमण नहीं करना चाहता है और उनके पीछे जाकर अतीत की गलतियों को नहीं दोहराना चाहता है इसलिए सबसे अच्छा परिदृश्य अफगानिस्तान में संबंधित कानून लागू करने वाली संस्थाओं के कार्यात्मक होने का था।

रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ बोले- पहले ही दिवालिया हो चुका पाक नौकरशाह, सेना-नेता इसके लिए जिम्मेदार

इस्लामाबाद । कंगाल देश कहने पर बौखलाने वाला पाकिस्तान अब खुद मान लिया है कि वह दिवालिया हो चुका है। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा कि देश पहले ही दिवालिया हो चुका है। उन्होंने मौजूदा आर्थिक संकट के लिए सेना, नौकरशाही और राजनीतिक नेताओं को जिम्मेदार ठहराया। अपने गृह नगर सियालकोट में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को खुद को स्थिर करने के लिए अपने पैरों पर खड़ा होना जरूरी है। उनके हवाले से कहा कि आपने सुना होगा कि पाकिस्तान दिवालिया हो रहा है। यह पहले ही हो चुका है। हम एक दिवालिया देश में रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी समस्याओं का समाधान देश के भीतर है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास पाकिस्तान की समस्याओं का समाधान नहीं है। उन्होंने कहा कि सेना, नौकरशाही और राजनीतिक नेताओं समेत हर कोई मौजूदा आर्थिक बदहाली के लिए जिम्मेदार है क्योंकि पाकिस्तान में कानून और संविधान का पालन नहीं किया जाता। पूर्ववर्ती सरकार पर हमलावर रुख अपनाते हुए आसिफ ने कहा कि ढाई साल पहले पाकिस्तान में आतंकवादी लाए गए थे, जिसके परिणामस्वरूप आतंकवाद की मौजूदा लहर चली। शुक्रवार को कराची में पुलिस कार्यालय पर हुए हमले के बारे में उन्होंने कहा कि सुरक्षा एजेंसियों ने हमलावरों का बहादुरी से मुकाबला किया।

यूक्रेन युद्ध के बाद अफगानिस्तान पर बहुत कम ध्यान दिया गया: बिलावल

विदेश मंत्री बिलावल ने उल्लेख किया कि कैसे काबुल के पतन और चल रहे यूक्रेन युद्ध के बाद अफगानिस्तान पर बहुत कम ध्यान दिया गया था। बिलावल ने एक उदाहरण दिया कि कैसे तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान, बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी और अल कायदा जैसे प्रतिबंधित आतंकवादी समूह अफगानिस्तान से काम कर रहे थे, जबकि अंतरराष्ट्रीय समुदाय खतरे को रोकने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं कर रहा था।

सेवा के पथ का अनुसरण करें राजनीतिक कार्यकर्ता - कटारिया

उदयपुर, (हि.स.)। असम के राज्यपाल मनोनीत होने के बाद उदयपुर में अपने अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए गुलाबचंद कटारिया ने कहा है कि राजनीतिक कार्यकर्ताओं को सेवा के पथ का अनुसरण करना चाहिए। जनता ने आपको जनप्रतिनिधि जन और राष्ट्र की सेवा के लिए बनाया है, न कि पैसा कमाने के लिए, राजनीति कोई धंधा नहीं, सेवा का मार्ग है। यदि आप पैसे वाले भी हैं तब भी आपका जीवन सादा और आपके कर्म आने वाली पीढ़ी के लिए आदर्श होने चाहिए। रविवार को उनके राज्यपाल बनने के सम्मान में नगर निगम परिसर स्थित स-,खाड़िया रंगमंच पर अभिनंदन समारोह रखा गया जिसमें भाजपा और विभिन्न संगठनों सहित सर्व समाज की उपस्थिति रही। बड़ी संख्या में उपस्थित शहरवासियों और कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कटारिया ने कहा कि आज हम जो मालाएं पहन रहे हैं उसके वास्तविक हकदार वे तपस्वी हैं जिन्होंने संगठन को इस स्तर तक पहुंचाने के लिए अपना जीवन खपा दिया। उन्होंने सुंदर सिंह भण्डारी, भानु कुमार शास्त्री सहित संघ के वरिष्ठ प्रचारकों किशन भैया, जयदेव पाठक आदि का स्मरण करते हुए कहा कि किसी ने एक समय भोजन का व्रत धारण किया तो किसी ने फटी चादर पर 100 टांके लगा-लगा कर लम्बे समय तक उपयोग में लिया। उन्होंने पूर्व उपराष्ट्रपति भैरोंसिंह शेखावत को भी स्मरण करते हुए कहा कि वे भी जाजम बिछाने वाले कार्यकर्ता थे। उन्होंने भानुकुमार शास्त्री, मदनलाल धुप्पड़ जैसी विभूतियों से चरित्र की शुचिता की सीख लेने की बात कही। पं. दीनदयाल उपाध्याय का स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि संसद चुनाव के दौरान उनके यह उद्गार थे कि उनका मन ठीक नहीं है, पंडित जीत जाएगा पर जनसंघ हार जाएगा।

यह बात उन्होंने जातिवाद के आधार पर होने वाली वोटिंग के लिए कही थी जिसे उन्होंने कभी उचित नहीं माना। संबोधन के दौरान कई बार भावुक हुए कटारिया ने उदयपुर की जनता का आभार प्रकट किया। उन्होंने कार्यकताओं को इस बात की भी सीख दी कि वे संगठन के प्रति समर्पित रहें, आगे कौन क्या बनेगा यह संगठन तय कर लेगा, किसी का नाम नहीं भी आए तो क्या हो जाएगा, जब वे काम करते थे उस समय उनसे भी ज्यादा समर्पित कार्यकर्ता संगठन के लिए तपस्या करते थे, लेकिन उनके भाग्य में एमएलए बनना लिखा था, वे बने। जीवन पुष्प चढ़ा चरणों पर, मागे मातृभूमि से यह वर, तेरा वैभव अमर रहे मां, हम दिन चार रहें न रहें पंक्तियां सुनाते हुए उन्होंने कार्यकर्ताओ को आह्वान किया कि हम महान उद्देश्य को लेकर चले हैं, राजनीतिक लाभ लेने के लिए नहीं। भारत को विश्व गुरु के स्थान पर सुशोभित करना हमारा उद्देश्य है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी का उदाहरण देते हुए कहा कि एक अकेला आदमी अपनी साधना से देश को इतना आगे ले गया तो क्या हम सभी अपना-अपना परिश्रम कर अपने राष्ट्रदेवता को विश्व में सर्वोच्च स्थान पर नहीं ले जा सकते। उन्होंने कोरोना वैक्सीन को भारत की सबसे बड़ी उपलब्धि बताया। कार्यकर्ता कह रहे हैं कि हमें दुख है, इसका क्या मतलब है, अगर इस बात को सोचते हैं तो क्या पद प्राप्त करना ही सुख है, मैं राजस्थान का मुख्यमंत्री बन जाता यही तुम्हारी तमन्ना है, यह छोड़ो, केवल और केवल यह सोचो कि मेरा देश कैसे आगे बढ़े, जिस रास्ते से संभव हो उस रास्ते से आगे बढ़े इस पर परिश्रम करो। संगठन जो जिम्मेदारी दे उसका पालन करने का विचार रखो। उन्होंने कार्यकर्ताओं को सीख दी कि एक-दूसरे को नीचा दिखाने का कार्य कभी मत करो। उन्होंने कहा कि वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप ने दर-दर की ठोकरें खाकर भी मातृभूमि की आजादी के लिए संघर्ष किया इसी कारण वे जन-जन के दिल में विराजमान हैं। धाय मां पन्ना के त्याग को भी उन्होंने आदर्श बताते हुए कहा कि समर्पण की ऐसी ही हुतात्माएं हमारी पथप्रदर्शक हैं। कटारिया ने अंत में लोकतंत्र को मजबूत बनाने का आह्वान किया। इस बीच, कार्यक्रम के दौरान संवैधानिक प्रोटोकॉल के मद्देनजर भाजपा का न तो झण्डा लगाया गया न ही भाजपा के नारे लगाए गए। एक वक्ता के मुंह से अचानक भाजपा का नारा निकला ही कि कटारिया ने ही रुकवा दिया, लेकिन इस दौरान सभी यह बोल उठे कि अभी गुलाबजी भाईसाब को महामहिम राज्यपाल के रूप में बोलने और प्रोटोकॉल का ध्यान रखने की आदत में समय लगेगा।

दिव्या मदेरणा ने कानून व्यवस्था पर उठाए सवाल, डीसीपी को सस्पेंड करने की मांग

जयपुर, (हि.स.)। ओसियां विधायक दिव्या मदेरणा ने लंबे अंतराल के बाद एक बार फिर जोधपुर की कानून व्यवस्था को लेकर सोशल मीडिया पर आवाज उठाई है। जोधपुर में शनिवार शाम को अधिवक्ता जुगराज चौहान की सरेआम चाकू से गोदकर की गई हत्या के मामले में कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि सीएम जनता के लिए जोधपुर के दौरे पर हैं और जिले की कानून-व्यवस्था पूरी तरह से विफल है। विधायक ने इसके लिए डीसीपी ईस्ट डॉक्टर अमृता दुहन को तुरंत प्रभाव से निलंबित करने की मांग की है। दिव्या ने ट्विटर पर इसको लेकर एक के बाद एक कई ट्वीट किए। दिव्या ने लिखा है कि पुलिस का कोई इकबाल नहीं रहा है। उन्होंने इस घटनाक्रम को उदयपुर में हुई कन्हैयालाल दर्जी की हत्या से जोड़ा है। मदेरणा ने ट्वीट कर लिखा कि जिस तरह उदयपुर में कन्हैयालाल दर्जी ने थाने में लोगों से खतरा होने की रिपोर्ट दी थी, उसी तरह से जुगराज चौहान के परिवार ने हमें बताया कि इन लोगों के खिलाफ भी पुलिस में रिपोर्ट दे चुके थे, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। जिसके चलते सरेआम उनकी हत्या हो गई। इसके लिए दिव्या मदेरणा ने डीसीपी को निलंबित करने के साथ-साथ पूरे थाने को लाइन हाजिर करने की मांग की है। ओसियां विधायक ने पीड़ित परिवार के बच्चों को सरकारी नौकरी देने की भी मांग की है। इससे पहले दिव्या मदेरणा ने गत वर्ष जोधपुर के एक निजी अस्पताल श्री राम हॉस्पिटल में एक मरीज के उपचार को लेकर हुए विवाद में भी जिला प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोला था। मदेरणा ने उस समय मुख्यमंत्री के गृह नगर में चिरंजीवी योजना के तहत उपचार नहीं मिलने के लिए जिला कलेक्टर हिमांशु गुप्ता के खिलाफ मोर्चा खोला था, साथ ही स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को भी आड़े हाथ लिया था। गाहे-बगाहे दिव्या गहलोत सरकार के खिलाफ मुखर रहती है।

वृंदावन जा रही श्रद्धालुओं की कार को ट्रक ने मारी टक्कर, दो की मौत व तीन गंभीर

धौलपुर, (हि.स.)। सदर थाना इलाके के आगरा-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक ट्रक का स्टेयरिंग फेल होने के बाद एक कार को टकरा गया। दुर्घटना में कार से वृंदावन जा रही महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग घायल हुए हैं। घायलों को पुलिस ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। मध्यप्रदेश के मुरैना शहर निवासी चार महिला श्रद्धालु कार से वृंदावन धाम दर्शन करने जा रहा थे। इस दौरान आगरा-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग पर कामदगिरि होटल के सामने आगरा की तरफ से आ रहे एक ट्रक ने स्टेयरिंग फेल होने के बाद डिवाइडर को क्रॉस कर रॉन्ग साइड में मुरैना की तरफ से जा रही कार को टक्कर मार दी। रविवार को हुई इस दुर्घटना में कार सवार एक महिला एवं चालक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि तीन महिलाओं को गंभीर रूप से जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। दुर्घटना में 45 वर्षीय निकिता गुप्ता पत्नी रामसेवक गुप्ता निवासी मुरैना एवं कार चालक 30 वर्षीय मुकेश की मौत हो गई, जबकि 44 वर्षीय महादेवी पत्नी दिनेश चंद्र, 40 वर्षीय सरस्वती पत्नी विनोद गुप्ता एवं 42 वर्षीय हीरा देवी पत्नी भगवानदास घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर सदर थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने मृतक महिला एवं कार चालक का शव जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। पुलिस ने परिजनों को हादसे की जानकारी दी है। पुलिस ने बताया कि परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम कराया जाएगा। दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया गया है। ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

40 गोवंश और एक मेटाडोर मिनी ट्रक जब्त, तस्कर फरार

सवाईमाधोपुर, (हि.स.)। जिले के बाटोदा क्षेत्र में शनिवार रात पुलिस ने गोवंश की तस्करों के खिलाफ कार्रवाई की। इस दौरान 40 गोवंश और एक मेटाडोर मिनी ट्रक को जब्त किया गया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ गोवंश अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। बाटोदा थानाधिकारी रामकेश मीणा ने बताया कि उच्चाधिकारियों के आदेश अनुसार बीती रात 2 बजकर 41 मिनट पर पुलिस थाना बाटोदा के सामने नाकाबंदी की गई थी। नाकाबंदी की कार्रवाई के दौरान गंगापुर सिटी की तरफ से एक मेटाडोर एमपी13 जीए 8389 आई। मेटाडोर के ऊपर तिरपाल लगा हुआ था, जिसे रुकवाया गया। वाहन चालक ने मेटाडोर को नहीं रोका। उसके बाद पुलिस ने मेटाडोर वाहन का पीछा किया। पुलिस को पीछे आता देख मेटाडोर वाहन चालक और उसके साथी गोवंश से भरी मेटाडोर को मोरेल नदी के जंगली इलाके में ले गए और अंधेरे का फायदा उठाकर छोड़कर भाग गए। जांच के दौरान पता चला कि वाहन में गोवंश के पैर मुंह बांधकर ठूंस-ठूंस कर भरे गए थे। पुलिस ने जेसीबी की मदद से मेटाडोर को नदी से निकालकर मेटाडोर में भरे गोवंश को नीचे उतारा। उसमें कुल 40 गोवंश मिले, जिसमें से कुछ घायल थे। दो गोवंश वाहन में मृत पाए गए। बाटोदा थाना अधिकारी ने घायलों को पशु चिकित्सालय में इलाज के लिए भेजा और मृत गोवंश का पोस्टमार्टम करवाकर अंतिम संस्कार करवाया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना में प्रयुक्त वाहन को जब्त कर लिया गया है। साथ ही गौ तस्करों के खिलाफ गोवंश पशु अधिनियम 1995 में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। बाटोदा थाना अधिकारी ने बताया कि एसडीएम के आदेश के बाद इन सभी गोवंश को पास ही के गौशाला में भेजा जाएगा।

ऑल हरियाणा चौकीदार यूनियन ने गोबिंद कांडा को दिया ज्ञापन

सिरसा,(हि.स.)। ऑल हरियाणा चौकीदार यूनियन ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर सिरसा के विधायक, पूर्व गृह राज्य मंत्री गोपाल कांडा के नाम एक ज्ञापन उनके अनुज व वरिष्ठ भाजपा नेता गोबिंद कांडा को सौंपा। वहीं हरियाणा राज्य कृषि विपणन मंडल के एक प्रतिनिधिमंडल ने भी वेतन विसंगति दूर करने की मांग को लेकर उन्हें ज्ञापन सौंपा। गोबिंद कांडा ने उन्हें आश्वासन दिया कि उनकी मांगों को मजबूती से सरकार के समक्ष रखा जाएगा। ऑल हरियाणा चौकीदार यूनियन के प्रतिनिधिमंडल में प्रधान सवाई सिंह, शेरसिंह, जयपाल सिंह, रामचंद्र, सुखदेव सिंह, सुलतान सिंह, लाभ सिंह, वीरेंद्र कुमार, कमल कुमार, संदीप कुमार, ब्रहमदेव आदि शामिल थे। चौकीदार यूनियन ने अपने ज्ञापन में कहा कि प्रदेश के मौलिक शिक्षा विभाग में विभिन्न स्कूलों में एजूसेट चौकीदार-कर्मचारी वर्ष 2007 से अस्थायी तौर पर कार्यरत है। उन्होंने मांग की है कि एजूसेट चौकीदार-कर्मचारियों को हरियाणा कौशल रोजगार निगम के तहत न लाया जाए, एजूसेट चौकीदार-कर्मचारियों को दस साल कीनीति बनाकर पक्का किया जाए जब तक पक्का न किया जाए तब तक समान काम समान वेतन दिया जाए, उनका वेतन बढ़ाया जाए, मेडिकल सुविधा प्रदान की जाए और बीमा नीति विभाग की ओर से लागू किया जाए,चौकीदार की मृत्यु होने पर सम्मान राशि और परिवार के एक सदस्य को नौकरी दी जाए की मांगें पूरी की जाएं। हरियाणा राज्य कृषि विपणन मंडल के जिला प्रधान कुलदीप सिंह महला के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने भी अपनी वेतन विसंगति दूर करने की मांग को लेकर भाजपा नेता गोबिंद कांडा को अपना मांगपत्र सौंपा। जिला प्रधान महला ने कहा कि हरियाणा राज्य कृषि विपणन मंडल के नीलामी अभिलेखकों के पे स्केल 2016 में1900 है, जो बहुत कम है, विभाग में नीलामी अभिलेखक का पद काफी महत्वपूर्ण है। मंडी पर्यवेक्षक और नीलामी अभिलेखकों के पे स्केल में 15000 रुपये का अंतर है ऐसे में नीलाम अभिलेखकों के ग्रेड पे 3200 रुपये किया जाना जरूरी है।

बजरंग दल ने फूंका राजस्थान सीएम का पुतला

-भिवानी में दो शव मिलने के मामले में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को फंसाने का किया विरोध

सिरसा, (हि.स.)। भिवानी के लोहारू में एक बोलेरो गाड़ी में दो जले शव मिलने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। रविवार को शहर में बजरंग दल ने रोष मार्च निकाला और बाबा बंदा सिंह बहादुर चौक पर राजस्थान सरकार का पुतला फूंका। जले शव मिलने के मामले में बजरंग दल के कार्यकर्ताओ को आरोपी बनाने के विरोध में रविवार को बड़ी संख्या में बजरंग दल कार्यकर्ता नेहरु पार्क में एकत्रित हुए। यहां हवन करने के बाद कार्यकताओं ने जगदेव सिंह चौक, सुभाष चौक, सदर बाजार, पोस्ट ऑफिस रोड पर प्रदर्शन करमे होते बाबा बंदा सिंह बहादुर चौक पर पहुंचे। यहां बजरंग दर्ज के कार्यकताओं ने राजस्थान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का पुतला फूंका। इस मौके पर प्रदर्शनकारी सुरेंद्र पूनिया व डॉ.पंकज सेन ने कहा कि बिना जांच किए ही बजरंग दल के कार्यकताओं पर जान से मारने का आरोप लगाए जा रहे हैं। जब तक मामले की पूरी जांच नहीं हो जाती, तब तक किसी को आरोपी नहीं बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भिवानी के लोहारू में जली एक कार में दो शव मिले हैं। उन्हें राजस्थान की पुलिस जुनैद व नासिर बता रही हैं। दोनों को गौ तस्करी में लिप्त बताए जा रहे हैं। इन दोनों को मारने का आरोप बजरंग दल के कार्यकर्ताओं पर लगा है। उन्होंने कहा कि मृतक परिवारों से उनके संगठन की सहानुभूति है। बजरंग दल कार्यकर्ता इस बात का विरोध करते हैं कि बगैर जांच के इस मामले में उन्हें घसीटना राजस्थान की गहलोत सरकार के राजनीतिक मंशा है। मामले की सही तरीके से जांच होनी चाहिए।

आंखें ईश्वर का अमूल्य उपहार, रखें इनका ख्याल: मंत्री रणजीत सिंह

सिरसा, (हि.स.)। रानियां हलके के गांव पन्नीवाला मोटा के बाबा रामदेव मंदिर में हरियाणा के बिजली मंत्री रणजीत सिंह ने रविवार को निःशुल्क नेत्र जांच कैंप का शुभारंभ किया। इस कैंप का आयोजन बिहार पूर्व आईजी छोटू राम कस्वां द्वारा अपने भाई सुभाष कस्वां की याद में किया गया किया। कैंप में गांव के 350 से अधिक लोगों ने अपनी नेत्र जांच करवाई। कैंप में श्री बाबा तारा चैरिटेबल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दी। बिजली मंत्री रणजीत सिंह ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि आंखें हैं तो संसार है, आंख नहीं तो कुछ भी नहीं, यह ईश्वर का अमूल्य उपहार है। उन्होंने कैंप के आयोजकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह बहुत ही सराहनीय कार्य किया गया है। इस प्रकार के कैंपों का आयोजन समय-समय पर किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर गरीब व्यक्ति को नेत्र चिकित्सा मिले इसलिए सरकार द्वारा प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में निःशुल्क सेवाएं दी जा रही है। उन्होंने कहा कि हमारे शरीर का हर अंग बेहद कीमती है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी दिनचर्या में नियमित रूप से योगा व एक्सरसाइज को शामिल करना चाहिए। व्यायाम शरीर का स्वस्थ रखता है और रोगों से लडऩे की क्षमता प्रदान करता है। उन्होंने ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे युवाओं को खेलों की तरफ बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित करें, समय-समय पर ग्राम स्तरीय खेलों का आयोजन करें ताकि युवाओं का ध्यान नशे की गर्त से दूर होकर, अपने करियर व खेलों की तरफ केंद्रित हो। इस अवसर पर पूर्व सरपंच गिरधारी लाल कस्वां, प्रदीप बेनीवाल, शंकरलाल कामरेड, राजा कस्वां, डा. सुभाष चंद्र सहित भारी संख्या में आमजन मौजूद थे।

लद्दाख के उपराज्यपाल बीडी मिश्रा ने ली शपथ, गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया

लेह,(हि.स.)। ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) बीडी मिश्रा ने रविवार को लद्दाख के दूसरे उपराज्यपाल के रूप में शपथ ली। उन्होंने पूर्व आईएएस अधिकारी राधा कृष्ण माथुर की जगह उपराज्यपाल का पद संभाला है। माथुर ने लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद 27 महीने से अधिक समय तक राज्यपाल का पद संभाला था। अरुणाचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल मिश्रा को लेह के राज निवास में आयोजित एक समारोह में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह ने शपथ दिलाई। बाद में उपराज्यपाल बीडी मिश्रा को लद्दाख पुलिस ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इस कार्यक्रम में लद्दाख के सांसद जामयांग त्सेरिंग नामग्याल, लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषदों के मुख्य कार्यकारी पार्षद, ताशी ग्यालसन (लेह) और फिरोज खान (कारगिल), सभी प्रशासनिक सचिव और पुलिस, सेना के वरिष्ठ अधिकारियों और अर्धसैनिक बल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल थे। बीडी मिश्रा 31 जुलाई, 1995 को सेना से सेवानिवृत्त हुए और 3 अक्टूबर, 2017 को अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल के रूप में पदभार संभाला। वह एनएसजी काउंटर हाइजैक टास्क फोर्स के कमांडर थे। 24 अप्रैल, 1993 को अमृतसर के राजा सांसी एयरफील्ड में अपहताओं से सभी 124 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित बचाने के लिए प्रधानमंत्री ने उनकी सराहना की थी।

पुलिस-पब्लिक मेला पुलिस और जनता के बीच साझा विरासत का जश्न : मनोज सिन्हा

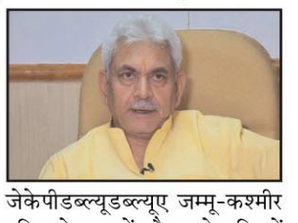

जम्मू, (हि.स.)। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को गुलशन ग्राउंड जम्मू में 33वें पुलिस-पब्लिक मेले का उद्घाटन किया। उपराज्यपाल ने शहीदों और सेवारत कर्मियों के परिवारों की चिंताओं को दूर करने के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन (जेकेपीडब्ल्यूडब्ल्यूए) की साल भर में कई पहल करने की सराहना की। उन्होंने कहा कि पुलिस-पब्लिक मेला पुलिस अधिकारियों और जनता के बीच बातचीत करने और साझा विरासत का जश्न मनाने के लिए एक शक्तिशाली मंच के रूप में उभरा है। जेकेपीडब्ल्यूडब्ल्यूए जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवानों और उनके परिवारों के लिए कल्याणकारी उपायों को बढ़ावा देने के लिए असाधारण कार्य कर रहा है। उपराज्यपाल ने जम्मू कश्मीर पुलिस के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने देश की सेवा और सुरक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उपराज्यपाल ने कहा कि हम अपने बहादुरों और उनके परिवारों के हमेशा आभारी रहेंगे जिन्होंने देश की संप्रभुता और अखंडता के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। उपराज्यपाल ने विभिन्न पुलिस प्रतिष्ठानों, जिलों, जेकेआरएलएम के स्टालों का दौरा किया और पुलिस परिवारों के साथ भी बातचीत की। डीजीपी दिलबाग सिंह और पीडब्ल्यूडब्ल्यूए अध्यक्ष रुबिंदर कौर ने उपराज्यपाल को पुलिस-पब्लिक मेले के लिए की गई व्यापक व्यवस्था और जम्मू-कश्मीर पुलिस कर्मियों के परिवारों के कल्याण के लिए की गई गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

राजा वड़िंग ने जालंधर लोकसभा के उपचुनाव को लेकर चुनावी मंथन किया

जालंधर(ईएमएस)। कांग्रेस में लोकसभा उपचुनाव की हलचल दिखाई दे रही है। पंजाब प्रदेश कांग्रेस के प्रधान राजा वड़िंग ने जालंधर लोकसभा सीट के उपचुनाव को लेकर जिले के 9 विधानसभा विधायकों व हलका इंचार्जों के साथ गुप्त बैठक कर चुनाव पर मंथन किया। इस दौरान नॉर्थ हलका के विधायक बावा हैनरी, सैंट्रल हलका के पूर्व विधायक व जिला शहरी प्रधान राजिंदर बेरी, वेस्ट हलका से पूर्व विधायक सुशील कुमार रिंकू, नकोदर हलका के इंचार्ज और प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. नवजोत सिंह दहिया, फिल्लौर हलका के विधायक विक्रमजीत चौधरी, शाहकोट हलका के विधायक व जिला देहाती के प्रधान लाडी शेरोवालिया, कैंट के विधायक परगट सिंह, आदमपुर हलका के विधायक सुखविंदर कोटली, करतारपुर हलका के पूर्व विधायक चौधरी सुरेन्द्र सिंह के साथ स्थानीय एक होटल में हुई इस गुप्त मीटिंग दौरान राजा वड़िंग ने संभावित उम्मीदवारों को लेकर चर्चा करने के अलावा विधायकों व हलका इंचार्जों से हलका स्तर पर कांग्रेस की मौजूदा स्थिति के अलावा 2022 के विधानसभा चुनावों में भीतरघात करने वाले कांग्रेसियों, विरोधी दलों के साथ सांठगांठ करने वाले नेताओं और दल बदलने को तैयार बैठे कांग्रेसियों के बारे में जानकारी ली। वड़िंग ने कहा कि जिला के सभी 9 विधानसभा हलकों में प्रदेश भर के विधायकों व वरिष्ठ नेताओं को को-ऑर्डिनेटर लगाया जाएगा। इसके अलावा उन्होंने कांग्रेस को संगठित रखते हुए कार्यकत्ताओं में उपचुनाव को लेकर जोश भर कर उन्हें गतिशील करने को लेकर विधायकों व हलका इंचार्जों से सुझाव भी लिए। उन्होंने कहा कि उपचुनाव का बिगुल किसी भी समय बज सकता है, जिस कारण कांग्रेस को अभी से चुनाव मैदान में जुटना होगा। उन्होंने कहा कि पंजाब विधानसभा के सैशन खत्म होने के बाद व अगले महीने की पहली तारीखों में जिला में विधानसभा स्तर पर मीटिंगों का दौर शुरू करेंगे। इस दौरान करीब सभी विधायकों व हलका इंचार्जों ने कहा कि हाईकमान जिस किसी सशक्त उम्मीदवार को टिकट देगी, वह सभी उनकी जीत को सुनिश्चित करने को दिन रात एक कर देंगे।

सीएम की कोठी के पास अध्यापकों ने रोष मार्च निकाला

संगरूर(ईएमएस)। यहां मास्टर कैडर के करीब साढ़े 4 हजार अध्यापकों ने सीएम भगवंत मान की कोठी के आगे प्रदर्शन किया। सीएम की कोठी के पास पंजाब भर के अध्यापकों ने स्टेशन अलॉट की मांग को लेकर सीएम मान की कोठी तक रोष मार्च निकाला। बेरोजगार अध्यापक जब बैरीकेड्स की तरफ बढ़ने लगे तो पुलिस ने उन पर लाठीचार्ज किया। इस कारण गुरमुख सिंह कोटभाई जिला मुक्तसर, संदीप गिल बरनाला तथा बलबीर सिंह आदि के चोटें लगीं तथा इन अध्यापकों की पगडिय़ां तक उतर गईं। पुलिस ने महिला अध्यापकों को भी नहीं बख्शा। लाठीचार्ज के बाद अध्यापकों द्वारा मुख्यमंत्री भगवंत मान की कोठी के आगे नैशनल हाईवे जाम करके वहीं धरना दिया। इन अध्यापकों को 5 जनवरी को लुधियाना में मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा नियुक्ति पत्र बांटे गए थे, लेकिन डेढ़ महीना बीत जाने के बाद स्कूलों में नहीं भेजा गया है। यूनियन के प्रदेश कमेटी मैंबर संदीप गिल तथा रछपाल सिंह ने बताया कि कई अध्यापक अपनी प्राइवेट नौकरी भी छोड़ चुके हैं, जिस कारण वे मानसिक परेशानी से गुजर रहे हैं।

फरवरी में लुधियाना का एक्यूआई लेवल खराब, लोगों को सांस लेने से हो सकती हैं कई बीमारियां

लुधियाना(ईएमएस)। फरवरी माह का एक्यूआई लेवल लुधियाना में काफी खराब दिख रहा है। इतनी खराब गुणवत्ता की हवा में सांस लेने से कई बीमारियां हो सकती हैं। लोगों को सांस लेने में दिक्कत जैसी परेशानियां हो सकती हैं। सूत्रों के अनुसार महानगर का एक्यूआई 250 को भी पार कर गया था। ऐसे हवा बहुत जहरीली होती है। इसके अलावा पता चला है कि 2018 के बाद से ही महानगर में फरवरी के महीने में हवा की गुणवत्ता काफी खराब आ रही है। वहीं स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि ऐसी हवा में खुद का ख्याल रखना चाहिए। नाक और मुंह को ढक कर रखना चाहिए।

एयरलाइन कंपनियां अपनी लागत कैसे करे कम पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश प्रभु ने सुझाया उपाय

नई दिल्ली।

भारतीय एयरलाइंस अपने बेड़े का विस्तार करना चाहती हैं और इसके लिए लागत में कमी पर भी जोर दे रही है। इसी क्रम में पूर्व केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री सुरेश प्रभु ने एयरलाइंस कंपनियों को लागत में कमी करने के लिए उपाय सुझाए हैं। उन्होंने कहा कि वाहक को रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल कार्यों के लिए देश के भीतर एक सामान्य सेवा सुविधा पर ध्यान देना चाहिए जिससे लागत कम करने में मदद मिलेगी।

एयर इंडिया द्वारा 17 से अधिक वर्षों के बाद नए विमानों के लिए ऑर्डर देने को लेकर उन्होंने कहा कि एयरलाइन को लाभदायक खाड़ी मार्गों पर अधिक उड़ान भरने के साथ-साथ विदेशी ऐतिहासिक कनेक्शन को बहाल करने पर ध्यान देना चाहिए, जो पहले संचालित किया जाता था।

उन्होंने कहा कि ज्यादा से ज्यादा भारतीय शहरों को हवाई संपर्क से जोड़ने से एयर इंडिया का मुनाफा बढ़ेगा। जेट एयरवेज ने वित्तीय संकट के चलते अप्रैल, 2019 में परिचालन बंद कर दिया था। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा विमानन बाजार है और बढ़ती हवाई यातायात की मांग को पूरा करने के लिए घरेलू एयरलाइन कंपनियां अपने बेड़े के साथ-साथ परिचालन का विस्तार कर रही हैं।

बात करते हुए कहा कि हमें भारत को अंतरराष्ट्रीय विमानन केंद्र बनाने के साथ एक साझा विमानन सुविधा पर भी काम करना चाहिए। इसका इस्तेमाल सभी एयरलाइन कंपनियां कर सकेंगी। भारत में ज्यादातर विमानों को एमआरओ सेवाओं के लिए विदेशों में ले जाना पड़ता है। देश में साझा एमआरओ सुविधा से एयरलाइन कंपनियों का काफी खर्च बचेगा। उन्होंने कहा कि विमानन क्षेत्र काफी चुनौतीपूर्ण है। ऐसे में एयर इंडिया को अपनी पूरी क्षमता पर काम करना चाहिए।

बता दें कि इस सप्ताह की शुरुआत में एयर इंडिया ने एयरबस और बोइंग से 470 विमानों की खरीद के ऑर्डर की घोषणा की है। इसके अलावा एयरलाइन के पास 370 और विमान खरीदने का भी विकल्प होगा।

पूर्व नागर विमानन मंत्री ने कहा कि विमान का ऑर्डर देना एयर इंडिया के लिए काफी जरूरी था। जेट एयरवेज के ठप होने के बाद एक 'खालीपन' आ गया था, जिसे विस्तार ने आंशिक रूप से कुछ भरा है। एयर इंडिया द्वारा बड़ी संख्या में विमानों की खरीद के साथ इस खाली जगह को काफी हद तक भरा जा सकेगा।

न्यूज ब्रीफ

तमिलनाडु में ओला करेगी 7,614 करोड़ रुपये का निवेश, इलेक्ट्रिक लाइट मोटर वाहनों का होगा निर्माण

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली कंपनी ओला इलेक्ट्रिक ने तमिलनाडु में इलेक्ट्रिक लाइट मोटर वाहनों को शुरू करने के लिए 7614 करोड़ रुपये निवेश करने की बात कही है। तमिलनाडु सरकार ने कहा कि निवेश में 20 गीगावॉट की क्षमता के साथ लिथियम-सेल विनिर्माण सुविधाओं की स्थापना शामिल है। जबकि ओला इलेक्ट्रिक द्वारा कुल निवेश से राज्य में 3111 नई नौकरियां पैदा होंगी। हाल ही में, तमिलनाडु सरकार ने अपनी इलेक्ट्रिक वाहन नीति 2023 का अनावरण किया है। इसका उद्देश्य ईवी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए 50 हजार करोड़ रुपये का निवेश जुटाना और 1.5 लाख नौकरियों का सृजन करना है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड ने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की उपस्थिति में तमिलनाडु सरकार के साथ 7,614 करोड़ रुपये के निवेश के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शनिवार को चेन्नई में रियल एस्टेट प्रदर्शनी फेयरप्रो 2023 में कहा कि तमिलनाडु की लगभग 49 प्रतिशत आबादी शहरी क्षेत्रों में रहती है और परिवारों के लिए आवास और व्यावसायिक स्थान की बढ़ती आवश्यकता को पूरा करने के लिए सरकार कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार परियोजनाओं के लिए तेजी से मंजूरी प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और नए उपग्रह शहर स्थापित करने की भी योजना बना रही है। तमिलनाडु रियल एस्टेट विजन 2030 का अनावरण करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे विश्वास है कि चेन्नई में बढ़ती आबादी और नए उद्योगों के आने से रियल एस्टेट क्षेत्र में बहुत बड़ा अवसर होगा।

भारतीय मूल की महिला चिकित्सक ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल्स की सीईओ नामित

नई दिल्ली। भारतीय मूल की अग्रणी चिकित्सक प्रोफेसर मेघना पंडित को ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल्स एनएचएस फाउंडेशन ट्रस्ट का मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया गया है, जो ब्रिटेन के सबसे बड़े शिक्षण अस्पतालों में से एक है। मेघना पंडित ट्रस्ट की पहली महिला प्रमुख बन गई हैं और वह शेलफोर्ड समूह में किसी भी राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) ट्रस्ट का सीईओ नियुक्त होने वाली भारतीय मूल की पहली व्यक्ति भी हैं। यह समूह देश के कुछ सबसे बड़े शिक्षण अस्पतालों का प्रतिनिधित्व करता है। जुलाई 2022 से ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल्स (ओयूएच) में अंतरिम सीईओ के रूप में सेवारत पंडित को कठोर और प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया के बाद स्थायी रूप से इस पद पर नियुक्त किया गया। चयन के बाद पंडिन ने कहा स्थायी आधार पर ओयूएच का नेतृत्व करने के लिए कहा जाना एक विशेषाधिकार है और मैं ओयूएच में सहयोगियों, ऑक्सफोर्डशायर में स्वास्थ्य और सामाजिक देखभाल प्रणाली में हमारे सहयोगियों और बीओबी इंटीग्रेटेड केयर सिस्टम, हमारे सहयोगी विश्वविद्यालयों और ऑक्सफोर्ड हॉस्पिटल्स चैरिटी में काम करना जारी रखने के लिए तत्पर हूं। हमारे रोगियों और आबादी के लिए अनुसंधान और नवाचार सक्षम देखभाल की उच्चतम गुणवत्ता सुनिश्चित करना हमारा लक्ष्य होगा।

तेल कंपनियों ने जारी किए पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली। तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के दाम जारी कर दिए हैं। कंपनियों ने तेल के दामों में कोई बदलाव नहीं किया है। दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर जबकि डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 106.31 रुपये व डीजल की कीमत 94.27 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल का दाम 106.03 रुपये जबकि डीजल का दाम 92.76 रुपये प्रति लीटर है। वहीं चेन्नई में भी पेट्रोल 102.63 रुपये प्रति लीटर तो डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर है।

केंद्रीय कर्मचारियों को जल्द मिल सकती है खुशखबरी

महंगाई भत्ते में हो सकती है 4प्रतिशत की बढ़ोतरी, एक मार्च को हो सकता है ऐलान

नई दिल्ली।

केंद्रीय कर्मचारियों को मिलने वाले महंगाई भत्ते में जल्द ही बढ़ोतरी हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार एक मार्च को होने वाली कैबिनेट की बैठक में सरकार डीए में बढ़ोतरी पर फैसला ले सकती है। सरकार 4प्रतिशत डीए बढ़ा सकती है। अगर ऐसा होता है तो उनका महंगाई भत्ता 38प्रतिशत से बढ़कर 42प्रतिशत हो जाएगा। इसका फायदा करीब 52 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 60 लाख पेंशनर्स को होगा।

क्या होता है महंगाई भत्ता

महंगाई भत्ता ऐसा पैसा है जो महंगाई बढ़ने के बावजूद सरकारी कर्मचारियों के जीवन स्तर को बनाये रखने के लिये दिया जाता है। यह पैसा सरकारी कर्मचारियों, पब्लिक सेक्टर के कर्मचारियों और पेंशनधारकों को दिया जाता है। इसका कैलकुलेशन देश की मौजूदा महंगाई के अनुसार हर 6 महीने पर किया जाता है। इसकी गणना संबंधित वेतनमान के आधार पर कर्मचारियों के मूल वेतन के अनुसार की जाती है। महंगाई भत्ता शहरी, अर्ध-शहरी या ग्रामीण क्षेत्र के कर्मचारियों का अलग-अलग हो सकता है।

महंगाई भत्ते का कैलकुलेशन कैसे होता है

महंगाई भत्ता निर्धारण के लिए एक फॉर्मूला दिया गया है। केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए ये फॉर्मूला है [(पिछले 12 महीने के ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स का औसत - 115.76)/115.76]म100। अब अगर (पब्लिक सेक्टर यूनिट्स) में काम करने वाले लोगों के महंगाई भत्ते की बात की जाए तो इसके कैलकुलेशन का तरीका यह है- महंगाई भत्ता प्रतिशत= (बीते 3 महीनों के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक का औसत (बेस ईयर 2001=100)-126.33))×100

ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स क्या है

भारत में दो तरह की महंगाई होती है। एक रिटेल यानी खुदरा और दूसरा थोक महंगाई होती है। रिटेल महंगाई दर आम ग्राहकों की तरफ से दी जाने वाली कीमतों पर आधारित होती है। इसको कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स भी कहते हैं।

डीए के बाद कितना फायदा होगा

इसके लिए नीचे लिखे फॉर्मूला में अपनी सैलरी भरें..(बेसिक पे + ग्रेड पे) म डीए प्रतिशत = डीए अमाउंट आसान भाषा में समझें तो बेसिक सैलरी में ग्रेड सैलरी को जोड़ने के बाद जो सैलरी बनती है, उसमे महंगाई भत्ते की दर का गुणा किया जाता है। जो नतीजा आता है, उसे ही महंगाई भत्ता यानी डेअरनेस अलाउंस कहा जाता है। अब इसे एक उदाहरण से समझते हैं, मान लीजिए आपकी बेसिक सैलरी 10 हजार रुपए और ग्रेड पे 1000 रुपए है।

बेटे आकाश के साथ सोमनाथ के दर्शन करने पहुंचे मुकेश अंबानी, मंदिर को दिया डेढ़ करोड़ का दान

मुंबई। महाशिवरात्रि के मौके पर रिलायंस इंडस्ट्रीज के एमडी मुकेश अंबानी और उनके पुत्र आकाश अंबानी गुजरात के सोमनाथ मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे। यहां भगवान सोमनाथ के दर्शन के साथ ही मुकेश अंबानी ने सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट को 1.51 करोड़ रुपये का दान भी दिया। भगवान के दर्शन के दौरान दिग्गज कारोबारी मुकेश अंबानी अपने बेटे आकाश अंबानी के साथ भगवान शिव का अभिषेक किया और प्रार्थना की। वहीं, मंदिर के पुजारी ने उन्हें सम्मान के तौर पर चंदन का लेप लगाकर, दुशाला ओढ़ाया। इससे पहले मंदिर पहुंचने पर मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष पी.के. लाहिड़ी और सचिव योगेंद्रभाई देसाई ने उनका स्वागत किया। गौरतलब है कि अंबानी परिवार भगवान शिव के प्रति अगाध श्रद्धा रखता है। इतना ही नहीं अंबानी परिवार अपनी परंपराओं से जुड़ा है और सभी हिंदू त्योहारों को उत्साह से मनाता है। आज भी जब पूरा देश महाशिवरात्री के रंग में रंगा था अंबानी परिवार ने भी पूजा अर्चना की और इस पवित्र मौके पर दान किया।

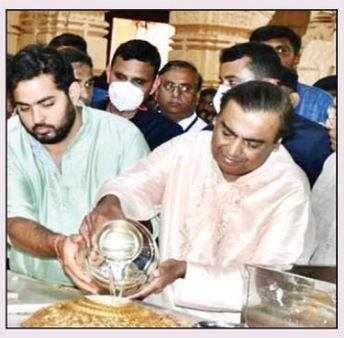

रूस से तेल आयात रेकॉर्ड स्तर पर

भारत का रूसी तेल आयात जनवरी में बढ़कर 14 लाख बैरल प्रति दिन

नई दिल्ली।

यूक्रेन-रूस युद्ध के बाद से भारत जमकर रूस से सस्ते में क्रूड ऑयल खरीद रहा है। भारत का रूसी तेल आयात जनवरी में बढ़कर रेकॉर्ड 14 लाख बैरल प्रति दिन पर पहुंच गया। इसमें दिसंबर से 9.2 फीसदी का इजाफा हुआ है। जनवरी में भारत के तेल आयात में रूसी क्रूड की हिस्सेदारी बढ़कर 28 फीसदी पर जा पहुंची। भारत पश्चिमी देशों के खिलाफ जाकर ऐसा कर रहा है। पश्चिमी शक्तियां ऑयल पर रोक लगाकर रूसी इकॉनोमी को गिराना चाहती हैं। हालांकि, भारत सरकार ने स्पष्ट रूप से कहा है कि वह अपनी जरूरत की चीजें वहीं से मंगाएगी, जहां कीमत फायदेमंद होगी। सरकार ने यह भी कहा कि उसकी तीन ऑयल मार्केटिंग कंपनियां रूस से कच्चा तेल नहीं खरीद रही हैं। लेकिन निजी कंपनियां ही हैं जो खरीद, रिफाइनिंग और शिपिंग कर रही हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत के पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात अप्रैल 2022 से जनवरी 2023 की अवधि में बढ़कर 78.58 अरब डॉलर हो गया। जो पिछले साल की इसी अवधि के दौरान 50.77 अरब डॉलर था।

अप्रैल 2022 से जनवरी 2023 के दौरान कच्चे तेल के आयात से भारत का रूस से आयात लगभग 384 फीसदी बढ़कर 37.31 अरब डॉलर हो गया। परिणामस्वरूप, रूस 2021-22 में 18वें स्थान से भारत का चौथा सबसे बड़ा आयात भागीदार बन गया। रूस से बढ़ते तेल आयात ने भारत को रुपए में खरीदी हुई वस्तुओं का भुगतान करने से रोक दिया है। भारतीय तेल क्षेत्र पर रूस-यूक्रेन युद्ध के प्रभाव के बारे में पूछे जाने पर मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस की एवीपी, विश्लेषक, स्वेता पटोदिया ने बताया, रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद कच्चे तेल और अंतर्राष्ट्रीय ईंधन की कीमतों में वृद्धि हुई है। हालांकि, भारत में ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के लिए शुद्ध प्राप्त कीमतों में उस गति से वृद्धि नहीं हुई है। जिसके परिणामस्वरूप उनके लिए महत्वपूर्ण मार्केटिंग लॉस हुआ है। जबकि वित्त वर्ष की पहली छमाही में मार्केटिंग घाटा बहुत अधिक था, तब से यह कम हो गया है। पटोदिया के अनुसार, रूसी कच्चे तेल की खरीद पर यूरोपीय संघ द्वारा लगाए गए प्राइस कैप का समग्र कच्चे तेल बाजार पर प्रभाव पड़ेगा।

पोस्ट ऑफिस नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट या फिक्स्ड डिपॉजिट : कहां निवेश करना रहेगा ज्यादा फायदेमंद

नई दिल्ली।

फाइनेंशियल ईयर 2022-23 के लिए इनकम टैक्स छूट पाने के लिए आपको 31 मार्च तक कुछ खास स्कीम्स में निवेश करना होगा। ऐसे में अगर आप टैक्स सेविंग्स के साथ अपने निवेश पर ज्यादा रिटर्न चाहते हैं तो पोस्ट ऑफिस की नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट स्कीम में पैसा लगा सकते हैं। इस स्कीम के तहत फिलहाल 7प्रतिशत सालाना ब्याज मिल रहा है। हम आपको पोस्ट ऑफिस की नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट के बारे में बता रहे हैं।

पोस्ट ऑफिस नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट - पोस्ट ऑफिस नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट में निवेश पर 7प्रतिशत सालाना ब्याज मिल रहा है। इसमें ब्याज की गणना सालाना आधार पर होती है, लेकिन ब्याज की राशि निवेश की अवधि होने पर ही दी जाती है। एनएससी अकाउंट खुलवाने के लिए आपको न्यूनतम 1000 रुपए निवेश करना होगा।

इस खाते को किसी नाबालिग के नाम पर और 3 वयस्कों के नाम पर संयुक्त खाता भी खोला जा सकता है। इसका मैच्योरिटी पीरियड 5 साल है। इससे पहले आप स्कीम से बाहर नहीं निकल सकते हैं। नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट में जमा राशि पर इनकम टैक्स के सेक्शन 80सी के तहत टैक्स छूट मिलती है। आप एनएससी में कितनी भी रकम निवेश कर सकते हैं। इसमें निवेश की कोई अधिकतम सीमा नहीं है।

5 साल की एफडी पर मिलता है टैक्स छूट का लाभ - इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80सी के तहत, आपकी कुल आय से 1.5 लाख रुपए की कटौती का दावा कर सकते हैं। आसान भाषा में इसे ऐसे समझें, आप धारा 80सी के माध्यम से अपनी कुल कर योग्य आय से 1.5 लाख तक कम कर सकते हैं।

एनएसई के सूचकांकों में अदाणी समूह की कंपनियां शामिल, अदाणी विल्मर, अदाणी पावर को मिलेगी जगह

नई दिल्ली।

देश के प्रमुख शेयर बाजार एनएसई ने अदाणी समूह की दो कंपनियों- अदाणी विल्मर और अदाणी पावर को अपने कुछ प्रमुख सूचकांकों के घटकों के रूप में शामिल करने का फैसला किया है। नई व्यवस्था 31 मार्च, 2023 से लागू होगी।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने शुक्रवार देर रात एक बयान में यह जानकारी दी। इसके मुताबिक, अदाणी विल्मर को निफ्टी नेक्स्ट 50 और निफ्टी 100 सूचकांकों में शामिल किया जाएगा जबकि अदाणी पावर निफ्टी 500, निफ्टी 200, निफ्टी मिडकैप 100, निफ्टी मिडकैप 150, निफ्टी लार्ज मिडकैप 250 और निफ्टी मिडस्मॉलकैप 400 सूचकांक का हिस्सा होगी।

एनएसई इंडेक्स लिमिटेड की सूचकांक रखरखाव उप-समिति ने अपनी समीक्षा के दौरान विभिन्न सूचकांकों में अदाणी समूह के शेयरों को जगह देने का निर्णय लिया है। हालांकि, एनएसई ने अपने निफ्टी 50 सूचकांक में कोई बदलाव नहीं किया है। इसमें पहले की ही तरह अदाणी समूह की दो कंपनियां- अदाणी एंटरप्राइजेज और अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड की मौजूदगी बनी हुई है।

निफ्टी के नेक्स्ट 50 सूचकांक में अदाणी विल्मर के अलावा एबीबी इंडिया, केनरा बैंक, पेज इंडस्ट्रीज और वरुण बेवरेजेज को भी शामिल किया जा रहा है। दूसरी तरफ, बंधन बैंक, बायोकॉन, ग्लैंड फार्मा, एम्फेसिस और पेटीएम (वन97 कम्युनिकेशंस) को निफ्टी नेक्स्ट 50 सूचकांक से हटाया जा रहा है।

अदाणी समूह के शेयरों में पिछले 25 दिनों में भारी गिरावट आई है। अमेरिका स्थित शॉर्ट-सेलर फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा अदाणी समूह के खिलाफ धोखाधड़ी वाले लेनदेन और शेयर-कीमत में हेराफेरी के आरोप लगाए जाने के बाद से इन कंपनियों के शेयरों में उठापटक देखी जा रही है। हालांकि अदाणी समूह ने इन आरोपों को झूठ बताते हुए खारिज कर दिया है। उसने कहा है कि वह सभी कानूनों और खुलासा जरूरतों का पालन करता है।

वंदे भारत एक्सप्रेस

किफायती दाम में मिडिल क्लास को वीआईपी सफर का मजा, सुरक्षा और सुविधाओं में बेजोड़

नई दिल्ली।

वंदे भारत एक्सप्रेस नए भारत की वो पहचान है, जिसे देखकर देश की आर्थिक तरक्की और क्षमता का अनुभव होता है। यह सेमी हाईस्पीड ट्रेन सही मायनों आत्मनिर्भर भारत का बेजोड़ नमूना है, क्योंकि पूरी तरह से देश में बनी है। पहली वंदे एक्सप्रेस को दिल्ली से वाराणसी के बीच चार साल पहले शुरू किया गया था। पिछले चार सालों में वंदे भारत ने मध्यमवर्गीय परिवारों के ट्रेन में सफर करने के अंदाज को बदल दिया है।

वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन में विश्वास जताते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने पिछले साल कहा था कि प्लेन से यात्रा करने वाले लोग एक बार जब वंदे भारत का अनुभव कर लेंगे, तो वे भविष्य में भी इसी ट्रेन से यात्रा करेंगे। उन्होंने वंदे भारत को रेलवे का भविष्य बताया था।

वंदे भारत ने यात्रा के समय को कम किया

वंदे भारत मौजूदा समय में भारत की सबसे तेज गति से चलने वाली ट्रेनों में से एक है। यह अधिकतम 180 की रफ्तार से दौड़ सकती है। यह 100 किलोमीटर की केवल 54.6 सेकेंड्स में पकड़ सकती है और अपनी अधिकतम रफ्तार तक केवल 145 सेकेंड्स में पहुंच सकती है।

आरामदायक सफर

वंदे भारत खासतौर पर यात्रियों को एक आरामदायक सफर का अनुभव करने के लिए डिजाइन किया गया है। ये देश की पहली ऐसी ट्रेन है, जिसकी सभी सीटों को 180 तक घुमाया जा सकता है, जो परिवार के साथ सफर करने अनुभव को और बेहतरीन बनाता है। वंदे भारत में एक बार में 1,128 यात्री सफर कर सकते हैं।

सुरक्षा के साथ सुविधाओं पर जोर

वंदे भारत में आम ट्रेनों की तरह आप कभी भी चढ़-उतर नहीं सकते हैं। इसमें ऑटोमेटिक दरवाजे दिए गए हैं, जो कि स्टॉपेज आने पर ही खुलते हैं। इसके साथ जीपीएस के ऑडियो-वीडियो पैसेंजर इन्फॉर्मेशन सिस्टम दिया हुआ है। ट्रेन में वाई-फाई की भी सुविधा है।

सभी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों के सभी कोच 32 इंच की स्क्रीन से लैस हैं, जो यात्री सूचना और इंफोटेनमेंट प्रदान करते हैं। यात्रियों के एंटरटेनमेंट का भी पूरा ध्यान रखते हुए हाल ही में मुंबई-सोलापुर और मुंबई-साईंनगर शिर्डी रूट पर चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों में सांप और सीढ़ी जैसे बोर्ड गेम शुरू किए गए हैं। गेम को काफी रेलवे से प्रेरित है। बोर्ड नीले और सफेद रंग की ट्रेन के रूट जैसा दिखता है।

वंदे भारत में हाई-टेक रेलवे की छवि

वंदे भारत रेलवे के भविष्य को दर्शाती है। वंदे भारत ट्रेन में आधुनिक ब्रेकिंग सिस्टम दिया हुआ है। इसके साथ ट्रेन जल्दी रफ्तार पकड़ती है। हर कोच में सीसीटीवी कैमरे दिए हुए हैं। किसी इमरजेंसी के समय लोको पायलट, ट्रेन गार्ड और यात्रियों के साथ संदेश पहुंचाने की सुविधा भी इसमें दी गई है।

कार्तिक आर्यन को कैरेक्टर ढीला का रीमेक पर सलमान का मिला सपोर्ट

मुंबई (ईएमएस)। कार्तिक आर्यन को सलमान का गाना कैरेक्टर ढीला का रीमेक करने पर भले ही कुछ लोगों ने तिरछी निगाहों से देखा हो, लेकिन दबंग खान ने कार्तिक को खूब सपोर्ट किया। उस समय कार्तिक की खुशी का ठिकाना नहीं था, जब सलमान ने सोशल मीडिया पर उन पर फिल्माया कैरेक्टर ढीला 2.0 शेयर किया। लेकिन सलमान ने कार्तिक आर्यन को इस गाने के एक डांस स्टेप को लेकर चेतावनी भी दी थी। कार्तिक के कैरेक्टर ढीला 2.0 को फैंस से धमाकेदार रिस्पॉन्स मिला। कार्तिक आर्यन के डांस मूव्स की भी खूब तारीफ हो रही है। उस डांस स्टेप पर भी फैन्स का प्यार बरसा, जिसे करते वक्त सलमान की हालत खराब हो गई थी और उन्होंने कार्तिक को भी चेतावनी दी। मालूम हो की कार्तिक की फिल्म शहजादा में सलमान स्टारर रेडी के गाने कैरेक्टर ढीला को रीमेक वाले अंदाज में शामिल किया गया है। इस गाने पर कार्तिक आर्यन का एक नया अंदाज देखने को मिला है। कार्तिक आर्यन ने सलमान के सपोर्ट और उनकी चेतावनी के बारे में कहा, जब मुझे यह गाना करने का सुनहरा मौका मिला और साथ ही वहां बेस्ट विशेज मिली, तो यह न सिर्फ मेरे लिए बल्कि पूरी टीम के लिए बहुत बड़ी बात थी। सलमान सर ने हमें इस गाने में बहुत सपोर्ट किया और यह हमारे लिए बहुत बड़ी बात है। अभी यह गाना बहुत अच्छा परफॉर्म कर रहा है और हम लोग जहां भी जा रहे हैं, कमाल का रिस्पॉन्स मिल रहा है। सलमान सर का शुक्रिया कि उन्होंने गाने को सपोर्ट किया। उन्होंने मेरे वहां नीचे बैठ के वाला जो स्टेप है, जिसमें पीछे जा रहा हूं, उसके लिए भी कुछ तब बोला था। उन्होंने अपने स्टाइल में कहा था कि बहुत दुखने वाला स्टेप कर रहा है। मैं सच में सलमान सर का थैंक यू करता हूं जो उन्होंने सपोर्ट किया। सलमान का ऐसा सपोर्ट देख कार्तिक आर्यन खुशी से फूले नहीं समाए थे। तब उन्होंने सलमान को जवाब देते हुए कमेंट किया था, सबका भाई सबकी जान, शहजादा का स्वैग से स्वागत करने के लिए श-ुक्रिया। सपोर्ट के लिए बहुत थैंक यू सर। यह बहुत मायने रखता है।

फिल्मों से गायब हो रही रोमांटिक कॉमेडी

-आज की फिल्में दर्शाती है वास्तविक जटिलताओं को

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड की फिल्मों से रोमांटिक कॉमेडी इस हद तक गायब हो रही है कि हम उनके बारे में पिछले काल में बात करते हैं, शायद इसलिए भी कि आज प्यार बदल रहा है, और उसका चित्रण विकसित हो रहा है। आज की फिल्में वास्तविक-रोजमर्रा-सांसारिक जीवन, खुशी के दिनों और त्रासदियों की जटिलताओं को दर्शाती हैं। यह समझने के लिए कि हिंदी फिल्मों में रोम-कॉम कितना बदल गया है और इसकी पुरानी यादों को ताजा करने के लिए हाल ही में एक मीडिया हाउस ने कुछ सबसे पसंदीदा रोमांटिक-कॉम अभिनेताओं और फिल्म निमार्ताओं से बात की क्योंकि वे बॉलीवुड रोमांटिक-कॉम की सुंदरता को तोड़ते हैं और हम उन्हें इतना क्यों चाहते हैं । जब वी मेट, की एंड का, एक मैं और एक तू और मुझसे दोस्ती करोगे जैसी बेहतरीन फिल्में देने वाली बॉलीवुड की रोमांटिक कॉमेडी क्वीन करीना कपूर खान का कहना है कि रोमांटिक फिल्मों की संख्या में कमी आई है क्योंकि प्यार का चित्रण विकसित हुआ है। और उनकी नवीनतम फिल्म लाल सिंह चड्ढा के उदाहरण का हवाला देते हुए हम सीमाओं को आगे बढ़ा रहे हैं। वह कहती हैं, मुझे एक उचित रोम-कॉम किए हुए कुछ समय हो गया है, लेकिन फिर रोम-कॉम क्या है, जब वी मेट टाइप? मैंने हाल ही में ऐसी कोई फिल्म नहीं की है। आज जिस तरह के सिनेमा के साथ, बड़े पर्दे पर और ओटीटी पर कंटेंट के साथ, हम आज सीमाओं को लांघ रहे हैं। जैसे लाल सिंह चड्ढा में रूपा का किरदार भी इस बात के लिए काफी बहादुर है कि उसकी जिंदगी कैसे आगे बढ़ी और उसका अंत कैसे हुआ। एक तरह से यह एक अलग तरह का है और हां, मैंने जब वी मेट और हम तुम जैसी मजेदार फिल्में पिछले कुछ समय में नहीं देखी हैं। चूंकि हम करीना को रोमांटिक-कॉमेडी की रानी कहते हैं, इसलिए उनके पति और अभिनेता सैफ अली खान लव जॉनर के बेबाक नवाब हैं। हालाँकि, रोमांटिक कॉमेडी की एक श्रृंखला में अभिनय करने के बाद, जिनमें से एक - हम तुम - ने उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार भी दिलाया, अभिनेता ने फैसला किया कि यह उनके लिए प्रयोग शुरू करने का समय था क्योंकि उन्हें लगा कि वह अब रोमांटिक हो गए हैं।यह पूछे जाने पर कि उन्हें क्यों लगता है कि वह रोमांटिक-कॉमेडी शैली से आगे निकल गए हैं, उन्होंने कहा, मुझे ऐसा नहीं कहना चाहिए था, रोमांटिक फिल्में बदल गई हैं। उस समय फिल्मों में एक खास तरह की भाषा होती थी, एक खास तरह का किरदार जिसे कोई निभाता था, जो मुझे लगता है कि खिंचा हुआ था, लेकिन मैं व्यक्तिगत रूप से उससे आगे निकल गया हूं। मुझे लगता है कि इसे उम्र के हिसाब से और एक निश्चित तरीके से लिखना होगा, लेकिन रोमांटिक-कॉमेडी हमेशा बेहतरीन होती हैं। फिल्म निमार्ता अश्विनी अय्यर तिवारी, जिन्होंने 2017 की रोमांटिक कॉमेडी बरेली की बर्फी से अपनी शानदार जड़ें जमाई थीं, का कहना है कि कहानीकार हमेशा समय को प्रतिबिंबित करेंगे। अगर पर्दे पर प्रेम कहानियां नहीं हैं तो शायद इसलिए कि जिस तरह से लोग प्यार करने लगे हैं। थोड़ा धैर्य है, कोई शांति नहीं है और इसलिए स्क्रीन के लिए कम रोमांस है।कहानीकार के रूप में, हम बाहर जो हो रहा है उससे बहुत प्रभावित होते हैं। शायद दर्शक, पीढ़ी बहुत अधीर है, कोई प्यार नहीं देखना चाहता। लेकिन मुझे लगता है कि अब हम इस पर वापस आ रहे हैं, क्योंकि इतना कुछ हो चुका है कि थोड़ी सी शांति की जरूरत है। जब वह अपनी नवीनतम फिल्म फाडू के साथ रोमांटिक ड्रामा स्पेस में लौटीं, तो फिल्म निमार्ता ने कहा कि उन्हें लोगों से फोन आने लगे कि आखिरकार हम एक ड्रामा, एक प्रेम कहानी देख सकते हैं, जो सब कुछ शांत कर रही है। प्यार की कमी है। इस भागदौड़ भरी जिंदगी में आपको इसकी जरूरत होती है, लेकिन जब आप इसे ढूंढ लेते हैं तो आप अपने फोन में व्यस्त हो जाते हैं। प्रेम कहानियों के परदे पर कम होने के सभी कारण सामाजिक परिवर्तन के कारण नहीं हैं।

पठान में मेरी बॉडी को कूल बताते हैं मेरे बच्चे: शाहरुख खान

मुंबई (ईएमएस)। फिल्म पठान के गाने झूमे जो पठान में अपने 8 पैक एब्स दिखाने वाले बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान इस बात से खुश हैं कि यंगस्टर्स को उनकी बॉडी कूल लगती है। शाहरुख ने कहा कि जब वे (निर्देशक सिद्धार्थ आनंद और कोरियोग्राफर बॉस्को मार्टिस) झूमे जो पठान सॉन्ग कर रहे थे, मुझे लगता है कि तब मुझे शर्टलेस करने के लिए एक साजिश रची गई थी। कोई रास्ता नहीं है कि मुझे ऐसा (शर्ट उतारना) करना ही पड़ा! उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि यह पहले से ही प्लानिंग थी कि उन्होंने धीरे-धीरे, धीरे-धीरे मेरे बटन खुलवाने शुरू कर दिए। मैंने एब्स के साथ अपने सिग्नेचर स्टेप्स कभी नहीं किए हैं। हां, मैंने इसमें बहुत सारे टेक लिए, बहुत सारे टेक। मैं अब बहुत खुश हूं। यंगस्टर्स, मेरे बच्चे मुझे स्क्रीन पर देखते हैं और कहते हैं.. कूल बॉडी पापा! मुझे बहुत खुशी हो रही है, लेकिन यह वास्तव में अजीब है। मुझे नहीं पता कि मैं इसे दोबारा कर पाऊंगा या नहीं। ये सवाल पूछे जाने पर कि चार्टबस्टर सॉन्ग झूमे जो पठान के बारे में उन्हें क्या पसंद है, इस बारे में शाहरुख ने कहा कि झूमे जो पठान एक ऐसा सॉन्ग है जो मुझे लगता है कि आपको नाचने के लिए मजबूर कर देगा। बस एक ऐसा स्टेप करना चाहता था, जिसे हर कोई आसानी से कर सके और लोगों को पसंद आ सके। अब चीजें अच्छी तरह से हो गई हैं। यह फिल्म का एक पार्टी सॉन्ग है।

वेब सीरीज द गुड वाइफ की शूटिंग में व्यस्त है काजोल

आजकल बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल अपनी अपकमिंग वेब सीरीज द गुड वाइफ की शूटिंग में व्यस्त है। हाल में उनका वेबसीरीज के लिए मेकअप करवाते हुए बुनाई का एक वीडियो शेयर किया है। काजोल ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया और बताया कि कैसे वह समय का उपयोग बुनाई का अभ्यास करने के लिए भी करती हैं। उन्होंने इसे मल्टी-टास्किंग करार दिया। वीडियो शेयर करते हुए काजोल ने कैप्शन में लिखाः बाल, मेकअप, हंसी और एक शौक.. मल्टीटास्किंग अपने बेहतरीन तरीके से! काजोल एक गृहिणी की भूमिका निभाती नजर आएंगी, जो अपने पति के घोटाले के बाद वापस वकील के रूप में काम करती है और उसे जेल में डाल देती है। द गुड वाइफ इसी नाम के अमेरिकी कोर्टरूम ड्रामा का भारतीय रूपांतरण है, जिसमें जुलियाना मागुर्लीज मुख्य भूमिका में हैं। यह शो डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगा।

रिलीज होने से पूर्व शहजादा ने निकाली अपनी लागत, करोड़ों में बिके राइट्स

पठान के बाद यह पहली प्रदर्शित होने वाली फिल्म

मुंबई (ईएमएस)। कार्तिक आर्यन की फिल्म शहजादा की पिछले 4 दिनों से एडवांस बुकिंग चल रही है, जिसके परिणाम भी काफी आशाजनक हैं। हालांकि, एडवांस में उन दर्शकों ने फिल्म के टिकट बुक किए हैं, जो हर सप्ताह बॉक्स ऑफिस पर नई फिल्म देखने का शौक रखते हैं। पठान के बाद यह पहली प्रदर्शित होने वाली फिल्म है। ऐसा नहीं है कि पठान के बाद सिनेमाघरों में फिल्मों का प्रदर्शन नहीं हुआ है, फिल्में प्रदर्शित हुईं, लेकिन यह वे फिल्में थीं जिनका कहीं कोई चर्चा नहीं हुई, जिससें वे असफल हो गईं। बॉलीवुड के जाने-माने स्टार कार्तिक आर्यन और कृति सेनॉन की अपकमिंग फिल्म शहजादा रिलीज प्रदर्शित होने से पूर्व ही चर्चा में बनी हुई है। पहले ये फिल्म रिलीज डेट बदलने के बाद सुर्खियों में छा गई थी। इसके बाद फिल्म अब अपनी कमाई को लेकर हर जगह छाई हुई है। कार्तिक आर्यन की ये फिल्म एड-वांस बुकिंग में ठीक-ठाक कमाई करती हुई दिखाई दे रही है। इसी बीच एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसके अनुसार कार्तिक आर्यन की शहजादा ने प्रदर्शन से पूर्व ही अपनी लागत निकालने में कामयाबी हासिल कर ली है। बताया जा रहा है कि प्रदर्शन से पूर्व ही सैटेलाइट व म्यूजिक राइट्स बेचकर करोड़ों रुपये कमा लिए हैं। कार्तिक आर्यन और कृति सेनॉन की फिल्म शहजादा इन दिनों काफी चर्चा में बनी हुई है। हाल ही में फिल्म का पोस्टर शेयर कर कार्तिक आर्यन ने फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू होने की जानकारी दी थी, जिसके बाद से फिल्म की ऑनलाइन टिकट बुकिंग में तेजी देखी गई। एडवांस बुकिंग के अलावा फिल्म ने म्यूजिक और सैटेलाइट राइट्स से भी करोड़ों रुपये की कमाई की है। मीडिया के अनुसार फिल्म ने सैटेलाइट राइट्स से 15 करोड़ रुपये, म्यूजिक राइट्स से 10 करोड़ रुपये और ओटीटी रिलीज के डील से 40 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। इसी के साथ फिल्म ने रिलीज से पहले ही 65 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है।

फिल्म शहजादा मात्र 65 करोड़ में बनी - कार्तिक आर्यन और राजपाल यादव की फिल्म शहजादा को बनाने में निमार्ताओं ने सिर्फ 65 करोड़ खर्च किया है। 20 करोड़ रुपये इसके प्रमोशन में खर्च किए गए हैं, जो निर्माण लागत का 25 प्रतिशत है। कार्तिक आर्यन और कृति सेनॉन की फिल्म शहजादा 17 फरवरी को बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली है। इस फिल्म की एडवांस बुकिंग शनिवार यानी 11 फरवरी से शुरू हो गई है। हालांकि, एडवांस को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आ पाई है, लेकिन बुक माइ शो पर देखने पर पता चलता है कि शहजादा को लेकर दर्शकों में अभी कोई जल्दबाजी नहीं है। इसके मुकाबले पठान की एडवांस अभी भी अच्छी संख्या में हो रही है। गौरतलब है कि कार्तिक आर्यन की फिल्म शहजादा अल्लू अर्जुन की अला वैकुंठपुरमलो का आधिकारिक हिन्दी रीमेक है। इसके निमार्ता अल्लू अरविंद हैं, जिन्होंने मूल फिल्म का निर्माण किया था। यह वर्ष 2020 की ब्लॉक बस्टर फिल्मों में शामिल हुई थी। कार्तिक फिल्म में अल्लू अर्जुन की भूमिका निभा रहे हैं, वहीं कृति सेनन फिल्म में पूजा हेगड़े की भूमिका में नजर आएंगी।

अपने डेब्यू को सीक्रेट रखना चाहते थे आदित्य चोपड़ा

आदित्य चोपड़ा ने बालीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा से कहा था कि वह शाहरुख खान अभिनीत अपनी पहली फिल्म रब ने बना दी जोड़ी के बारे में अपने माता-पिता को न बताएं। इस-ाका खुलासा एक्ट्रेस ने किया कि कैसे आदित्य चोपड़ा उनके डेब्यू को सीक-ेट रखना चाहते थे, इस हद तक कि उन्होंने अनुष्का से कहा कि रब ने बना दी जोड़ी के बारे में अपने माता-पिता को भी न बताएं।

अनुष्का ने हंसते हुए खुलासा किया, सब कुछ सीक्रेट था। किसी को इसके बारे में नहीं पता था और आदित्य नहीं चाहते थे कि किसी को पता चले कि मैं फिल्म में लीड एक्ट्रेस हूं। आदित्य ने मुझसे सचमुच कहा, तुम किसी को फिल्म के बारे में नहीं बताना, अपने माता-पिता को भी नहीं.. आमिर खान से लेकर सलमान खान तक, शाहरुख खान से लेकर रणबीर कपूर तक, अमिताभ बच्चन से लेकर रणवीर सिंह तक, रानी मु-खर्जी से लेकर ऋतिक रोशन तक, कैटरीना कैफ से लेकर अनुष्का शर्मा तक, हिंदी सिनेमा के मेगा-स्टार्स और आइकॉन एक साथ आए हैं और द रोमैंटिक्स में यश चोपड़ा और वा-ईआरएफ के भारतीय सिनेमा में योगदान के बारे में बात की है।

इकोनॉमी क्लॉस में यात्रा करती नजर आईं दीपिका

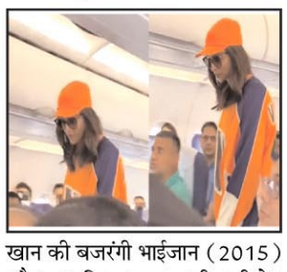

फ्लाइट में बिजनेस क्लास के बजाय इकोनॉमी क्लॉस में बॉलीवुड स्टार दीपिका पादुकोण यात्रा करती नजर आईं। वीडियो में दीपिका और उनके पीछे उनका बॉडी गार्ड चलता हुआ नजर आ रहा है। एक फैन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक्ट्रेस का वीडियो पोस्ट किया। दीपिका ने यात्रा के दौरान लो प्रोफाइल बनाए रखा और किसी भी तरह की अटेंशन से परहेज किया। ट्विटर पर दीपिका के एक फैन क्लब द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में, वह सनग्लासेस के साथ ऑरेंज कलर की कैप और स्पोर्ट्स जैकेट पहने हुए दिखाई दे रही हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो,सलमान खान की बजरंगी भाईजान (2015) और आमिर खान की सीक्रेट सुपरस्टार (2017) को पछाड़कर फिल्म पठान पांचवीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई है। दीपिका को हाल ही में शाहरुख खान और जॉन अब्राहम अभिनीत पठान में देखा गया था।

दीपिका ने दिया फैंस को सरप्राइज, इस दिन रिलीज होगी फिल्म "प्रोजेक्ट के"

फिल्म "पठान" की सफलता के बाद अब बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण एक और बड़े बजट की फिल्म में नजर आएंगी। दीपिका पादुकोण साउथ स्टार प्रभास के साथ "प्रोजेक्ट के" में मुख्य भूमिका निभाएंगी। इस फिल्म में बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन भी अहम भूमिका निभाएंगे। पिछले कई दिनों से फैंस इस फिल्म का अपडेट जानने के लिए बेताब थे। आखिरकार फिल्म "प्रोजेक्ट के" की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया गया है। इस फिल्म का एक खास पोस्टर अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण और प्रभास ने अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। "प्रोजेक्ट के" इस समय मनोरंजन जगत की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। दीपिका ने फिल्म की रिलीज डेट और पोस्टर शेयर करते हुए लिखा कि पूरी दुनिया "प्रोजेक्ट के" का इंतजार कर रही है। दीपिका पादुकोण ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर शेयर कर दर्शकों को रिलीज डेट की जानकारी दी। फिल्म के पोस्टर में एक बड़ा सा हाथ दिखाया गया है, जो अपनी उंगलियों से किसी चीज की ओर इशारा कर रहा है। तो उसके सामने खड़े तीन आदमी बंदूक तान रहे हैं।

जैकी भगनानी के साथ रैंप वॉक करेंगी रकुल प्रीत

अपने एनजीओ टीच फॉर चेंज के लिए मशहूर एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह लक्ष्मी मांचू के चैरिटी फैशन शो में ब्वायफ्रेंड जैकी भगनानी के साथ रैंप वॉक करेंगी। एक्ट्रेस शोस्टॉपर के तौर पर रैंप पर आएंगी। इसे डिजाइनर वरुण चक्किलम ने तैयार किया है। इस बारे में बात करते हुए, रकुल प्रीत ने कहा- लक्ष्मी मेरे लिए परिवार की तरह हैं और एक पहल के लिए ऐसा करना जो उनके बहुत करीब है, वास्तव में सुकून भरा है। टीच फॉर चेंज के एनुअल चैरिटी फैशन शो का यह 8वां एडिशन होने जा रहा है और मैंने सालों से इसे बढ़ते होते देखा है।लक्ष्मी ने आगे कहा, शोस्टॉपर के लिए रकुल हमेशा मेरी पहली पसंद रही हैं। जब मैंने उन्हें ऑनबोर्ड किया तो वरुण बहुत उत्साहित थे। वह मेरी दोस्त, फिलोसोफर और गाइड हैं, रकुल रैंप पर सालों के अनुभव के साथ एक प्रोफेशनल हैं। रकुल ने कहाः मेरा गो-टू फैशन मंत्र ट्रेंड को फॉलो नहीं करना है, जो आरामदायक है उसे पहनें और उसे और अधिक आकर्षक बनाने के लिए स्टाइल के साथ एक्सपेरिमेंट करें। मुझे अपने लुक के साथ एक्सपेरिमेंट करना पसंद है।

सूडोकु नवताल- 6348

सरल

2		8	5	1	9	6		7
					8			1
		7	4	6		8		9
3	2				7			8
1		9		4		7		5
4			2				9	3
6		3		5	1	9		
8			3					
7		1	9	2	6	3		4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6347 का हल

7	1	9	8	5	3	2	6	4
4	5	3	6	2	9	7	1	8
6	2	8	4	7	1	9	5	3
9	8	2	7	3	5	1	4	6
1	3	6	9	4	8	5	7	2
5	7	4	1	6	2	8	3	9
8	4	7	5	9	6	3	2	1
3	6	1	2	8	7	4	9	5
2	9	5	3	1	4	6	8	7

शब्दजाल - 7095

ए	म	मा	डॉ.	न	गे	न्द्र	सिं	ह	क	वि
हा	न	सू	ह	म	ल	जी	स	ल	न	ज
सु	वी	गो	द	अं	नो	त	र	थ	ल	टी.
कु	र	दा	पा	ल	क	ह	ना	ह	व	ए
मा	जे.	न	ष	ल्र	म	मी	र	म्म	सी	स.
र	मी	ए	स	जि	स्वा	क	प	सिं	गु	कृ
से	ह	बु	म.	टी	म	मी	टे	बी.	ह	ष्ण
न	पू	सु	पा	लिं	पं.	सौ	ल	बी.	ना	मू
मों	रे	क	सू	ह	ग	ने	ने	टं	न	र्ति
आ	र.	के.	त्रि	वे	दी	दो	ह	ड	क	थ
टी.	ए	न	शे	ष	न	इ	ह	न	ह	धी

शब्दजाल में 'भारत के प्रमुख 10 चुनाव आयुक्तों' के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

सुकुमार सेन, डॉ. नगेन्द्रसिंह, टी. स्वामीनाथन, टी.एन.शेषन, मनोहरसिंह, टी.एस. कृष्णमूर्ति, बी.बी.टंडन, एन.गोपालस्वामी, जे.एम. लिंगदोह, आर.के. त्रिवेदी

शब्दजाल - 7094 का हल

अ	व	र	सु	ए	इ	स	प	ला	नी	इ
न	है	क	ज	इं	डे	ने	ह	चे	म	श्त
अ	जा	आ	व	य	फा	इ	ड	च	प	नि
हु	रा	ल	मा	ज	ल	स	रा	क	इ	मो
ब	रा	पो	लि	यो	वी	क	र	क	त्ते	नि
द	जे	कि	र	क	पो	का	म	ले	रि	या
शी	मा	दे	अ	व	था	य	त	म	क	ती
को	दे	श	स्थ	न	प	य	रि	घु	व	ला
ढ़	दि	ल	मा	ले	दा	र	जा	या	वी	दे
क्षि	ज	ति	ला	हि	द	ह	मा	द	ल	र
त	र	सु	ष	मा	स्व	रा	ज	त	र	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6048

7		3			2	
	31		31		28	2
4		1		3		
5	28	6	31		39	3
		4			7	
3	29		32	7	40	5
	3	2	4		7	1

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6047 का हल

6	3	2	4	5	7	1
2	27	7	32	4	34	2
4	2	1	6	3	5	7
5	28	6	31	6	39	3
1	5	4	3	2	7	6
3	33	5	31	7	34	5
7	5	3	6	1	2	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

घाना के फुटबॉलर की तुर्किये में आए भूकंप में गई जान, 12 दिन बाद मलबे से निकला शव

अंकारा।

घाना के स्टार फुटबॉलर क्रिश्चियन आत्सु का तुर्किये में हुई भयानक भूकंप त्रासदी में निधन हो गया। उनका शव हादसे के 12 दिन बाद मलबे में मिला है। उनके मैनेजर मुरात ने इस बात की पुष्टि की है। 31 साल के खिलाड़ी न्यू कैसल और चेल्सी क्लब के सदस्य रहे। दरअसल, उन्हें छह फरवरी को रिएक्टर स्केल पर आए 7.8 स्तर के भूकंप से घंटों पहले तुर्किये से निकल जाना था, लेकिन एक दिन पहले उनके गोल से टीम ने जीत हासिल की थी और साथियों के साथ जश्न मनाने के लिए उन्होंने रुकने का फैसला कर लिया और यही उनके लिए जानलेवा साबित हो गया। बारह दिन लापता रहे आत्सु की मलबे में तलाश जारी रही। मलबे में उनका पार्थिव शरीर मिला। साथ में फोन भी था। वह हैताय प्रांत में जिस 12 मंजिली इमारत में ठहरे थे, वह पूरी तरह धराशायी हो गई थी। उनकी एजेंट नाना सेचेरी ने कहा कि हम भारी मन से यह बात कह रहे हैं कि आत्सु का शव मलबे से मिला है। मेरी हार्दिक संवदेनाएं आत्सु के परिवार और प्रियजनों के साथ हैं। हम प्रार्थनाओं और सहयोग के लिए आभारी हैं। वह सितंबर में हेतास्पोर क्लब में शामिल हुए थे। क्लब ने कहा कि उनका शव घाना भेजा जा रहा है। उन्होंने चेल्सी के साथ चार सीजन बिताए और उसके बाद 2017 में न्यू कैसल में चले गए। उसके बाद पिछले साल हेटास्पोर क्लब में शामिल हो गए। शुरुआती रिपोर्टों में बताया गया था कि भूकंप के अगले दिन उन्हें बचा लिया गया लेकिन ऐसा नहीं हुआ, काश यह सच होता। शुरुआती फुटेज में बचावकर्मी आत्सु के अपार्टमेंट में तलाश करते दिखाए गए थे। रिपोर्टों में बताया गया कि मलबे में उनकी आवाज सुनी गई। उनके साथ क्लब के खेल निदेशक तनेर सेवुत भी उसी इमारत में ठहरे थे। तनेर तो अभी लापता ही बताए जा रहे हैं। तड़के चार बजे आए भूकंप के बाद उनकी टीम के कई अन्य खिलाड़ियों को अन्य इमारतों से सुरक्षित बचा लिया गया था। आत्सु के परिवार में तीन बच्चे और पत्नी मैरी क्लेयर हैं। उनकी एजेंटी सेचेरी आत्सु को तलाशने उनके परिवार के साथ तुर्किये पहुंची थी। उन्हें लगता था कि वह मलबे के नीचे से सुरक्षित निकलेंगे। सेचेरी ने अधिकारियों और उनके क्लब से अपील की थी कि तलाश के प्रयासों में और तेजी लाई जाए। बचावकर्मियों को शुरुआत में मलबे से उनके जूते मिले थे।

आत्सु के दोस्त इब्राहिम क्रारतेंग ने बताया कि आत्सु बेहद दयालु प्रवृति के थे। दूसरों की मदद को हमेशा तत्पर रहते थे। वह छोटे-मोटे अपराधों में कारावास भुगतने वाले लोगों की रिहाई के बाद आजीविका अर्जित करते थे, ताकि वे अच्छा इंसान बन सकें। उन्होंने घाना में एक अनाथालय का निर्माण शुरू कर दिया था।

न्यूज ब्रीफ

अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाज पूजा बोहरा की शादी की रस्में हुई शुरू, शामिल होने पहुंचे रिश्तेदार

भिवानी (हरियाणा)। अंतरराष्ट्रीय महिला मुक्केबाज पूजा बोहरा 22 फरवरी को जींद के आकाश के साथ परिणय सूत्र में बंधेंगी। उनकी शादी की रस्में शुरू हो गई हैं, जिनमें शामिल होने के लिए रिश्तेदार भी घर पहुंच रहे हैं। पूजा के पांच, जबकि उनके मंगेतर आकाश के सात बान है, जिनके बान शनिवार से शुरू हुए हैं। पूजा ने शादी समारोह में शामिल होने के लिए देशभर के खिलाड़ियों, नेताओं के साथ सेलिब्रिटी को निमंत्रण दिया है। 21 फरवरी को उनकी घर पर ही हल्की और मेहंदी की रस्म है। वहीं शादी 22 फरवरी को मिनी बाईपास स्थित विदाई पैलेस में होगी। अंतरराष्ट्रीय महिला मुक्केबाज पूजा बोहरा की शादी जींद जिले के गांव बड़छप्पर निवासी आकाश के साथ तय हुई है, जोकि जींद में ही यूनाइटेड इंडियन इंश्योरेंस में प्रशासनिक अधिकारी हैं। हालांकि आकाश अपने परिवार के साथ जींद की डिफेंस कॉलोनी में रहते हैं। पूजा के घर पर उनकी बुआ पिंका, इंद्रवती, सुनिता, अनिता, निर्मला के साथ ही मौसी मुन्नी, संतरा देवी और सुनीता पहुंच गई हैं। वहीं बहन पूनम भी रस्मों में शामिल हुई हैं। वहीं दूसरी ओर उनके मंगेतर आकाश की इकलौती बहन प्रियंका ऑस्ट्रेलिया गई हुई है जोकि पीआर से संबंधित कारणों की वजह से शादी में शामिल नहीं सकेंगी। बॉक्सर पूजा बोहरा ने अपनी शादी को लेकर उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, कृषि मंत्री जेपी दलाल, राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा, सांसद धर्मबीर सिंह, विधायक राव दानसिंह, विधायक घनश्याम सर्राफ, पूर्व विधायक शिवशंकर भारद्वाज, ओलंपिक पदक विजेता बॉक्सर विजेंद्र सिंह बेनीवाल, निखत जरीन, लवलीना बोरगोहेन, बॉक्सर मनोज कुमार, बजरंग पूनिया, बबीता फौगाट, संगीता फौगाट सहित अनेक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ ही सेलिब्रिटी को निमंत्रण दिया है। जिले के गांव नीमड़ीवाली निवासी पूजा बोहरा अपने परिवार के साथ कई साल से शहर के विकास नगर में रहती हैं और शादी की रस्में भी यहीं होंगी। पूजा के पिता स्वर्गीय राजबीर हरियाणा पुलिस में एसआई के पद से सेवानिवृत्त थे और माता दमयंती गृहिणी हैं। पूजा खुद भी इनदिनों आबकारी एवं कराधान विभाग में इंस्पेक्टर के पद पर तैनात हैं। पूजा बोहरा के पिता फुटबाल के खिलाड़ी रह चुके हैं। जबकि पूजा की बड़ी बहन पूनम गृहिणी और छोटा भाई अरविंद डीपीई हैं। वहीं, उनके मंगेतर आकाश दो बहन-भाई हैं। उनकी बड़ी बहन प्रियंका ऑस्ट्रेलिया में रहती है, जोकि शादीशुदा है। आकाश की मां सरला देवी गृहिणी है और उनके पिता का देहांत हो चुका है। हरियाणा सरकार के भीम अवॉर्ड से सम्मानित महिला मुक्केबाज पूजा बोहरा ने अब तक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में दर्जनों पदक जीते हैं। उन्होंने 2010 में गोवा में हुई जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में रजत पदक, 2012 में गुवाहाटी में हुई सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक, 2013 में एशियन चैंपियनशिप में रजत पदक, 2013 में एशियन गेम्स में कांस्य पदक, 2019 में बैंकॉक में हुई एशियन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक, 2021 में दुबई में हुई एशियन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक और वर्ष 2021 टोक्यो ओलंपिक में प्रतिनिधित्व किया।

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप..ऑस्ट्रेलिया सेमीफइनल में पहुंचा: साउथ अफ्रीका को 6 विकेट से हराया, मैक्ग्रा का अर्धशतक

नई दिल्ली। विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया ने साउथ अफ्रीका को 6 विकेट से हराकर टूर्नामेंट के सेमीफइनल में पहुंच गया है। कैबरा में हुए मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट खो कर 124 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 16.3 ओवर में टारगेट चेज कर लिया। ऑस्ट्रेलिया की ताहिला मैक्ग्रा ने अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने 33 बॉल में 57 रन बनाए। साउथ अफ्रीका की पारी की शुरुआत अच्छी थी, लेकिन बाद में उनकी पारी लड़खड़ा गई। पहले बल्लेबाजी करने उत्तरी साउथ अफ्रीका के लिए लॉरा वोल्वार्ड्ट और ताजमिन ब्रिट्स ने ओपन किया। दोनों के बीच 54 रन की पार्टनरशिप हुई। ब्रिट्स ने 45 रन बनाए। वहीं लॉरा वोल्वार्ड्ट 19 रन बनाकर आउट हुई। तीसरे नंबर पर आई मारिजैन कप्प शून्य पर आउट हो गई। कप्तान सुने लुस ने 20, चोल ट्रायन ने 1, डेलमी टकर ने 7, नेडिन डी क्लार्क 14 और सिनालो जाफता ने 1 रन बनाया। निर्धारित 20 ओवर में साउथ अफ्रीका ने 6 विकेट के नुकसान पर 124 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से जॉर्जिया वरेहम को 2 विकेट मिले। वहीं, मेगन शट, डार्सी ब्राउन, एलीसे पैरी और अश्लीग गार्डनर को 1-1 विकेट मिला। ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रहीं। टॉप आर्डर पूरी तरह फेल रहा।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी फिर टीम इंडिया के नाम

दूसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को 6 विकेट से हराया, जडेजा ने मैच में लिए 10 विकेट

नई दिल्ली।

टीम इंडिया ने लगातार चौथी बार बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी अपने नाम कर ली है। भारत ने दिल्ली टेस्ट के तीसरे ही दिन ऑस्ट्रेलिया को 6 विकेट से हरा कर सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। इसके साथ ही बीजीटी पर भारत का कब्जा बरकरार रहना तय हो गया। रवींद्र जडेजा भारत की इस जीत के हीरो रहे। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में 42 रन देकर 7 विकेट लिए। यह जडेजा का टेस्ट में बेस्ट परफॉर्मेंस है। इससे कंगारू टीम सिर्फ 113 रन के स्कोर पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में एक रन की बढ़त मिली थी, इसलिए भारत को जीत के लिए 115 रन का टारगेट मिला, जिसे हमारी टीम ने 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। चेतेश्वर पुजारा और कप्तान रोहित शर्मा ने 31-31 रन बनाए। विराट कोहली ने 20 रन की पारी खेली। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 263 और भारत ने 262 रन बनाए थे। अभी दो टेस्ट बाकी, फिर ट्रॉफी भारत के नाम कैसे इस सीरीज में अभी दो टेस्ट मैच बाकी हैं और ऑस्ट्रेलिया इन दोनों को जीतकर 2-2 की बराबरी कर सकता है। ऐसे में आप पूछ सकते हैं कि दो मैच जीतने पर ही ट्रॉफी भारत के नाम कैसे हो गई। इसका जवाब यह है कि पिछली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी भारत ने जीती थी। दो टीमों के बीच टेस्ट सीरीज जब किसी ट्रॉफी के लिए होती है, तो सीरीज के ड्रॉ होने की स्थिति में भी ट्रॉफी उसी टीम को मिलती है, जिसने पिछली बार उस पर कब्जा जमाया हो। एशेज में भी ऐसा ही होता है। हालांकि टीम इंडिया जिस तरह का खेल दिखा रही है उससे इस बात के भी पूरे आसार हैं कि वह इस सीरीज में 4-0 से क्लीन स्वीप भी कर सकती है।

अब देखिए जीत के 3 हीरो

रवींद्र जडेजा - पहली पारी में जडेजा ने 3 विकेट लेने के साथ 26 रन बनाए और कोहली के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप भी की। दूसरी पारी में 7 कंगारू बैटर्स को पवेलियन भेज ऑस्ट्रेलियन टीम को जल्दी ऑलआउट करने में भी अहम योगदान दिया।

अक्षर पटेल - पहली पारी में टीम इंडिया ने 139 रन पर ही 7 विकेट गंवा दिए थे। तब अक्षर पटेल ने रविचंद्रन अश्विन के साथ 114 रन की पार्टनरशिप की। फिर निचले क्रम के बैटर्स के साथ मिलकर अहम रन जोड़े और टीम को 262 रन तक पहुंचाया। उन्होंने पहली पारी में 74 रन बनाए थे।

रविचंद्रन अश्विन - ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में 3 विकेट लेने के बाद अश्विन ने बैट से 37 रन भी बनाए। अक्षर के साथ शतकीय साझेदारी की, फिर दूसरी पारी में ट्रेविस हेड, स्टीव स्मिथ और मैट रेन्शॉ के अहम विकेट भी निकाले।

कोहली ने तोड़ा तेंदुलकर का रिकॉर्ड - कोहली इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे तेज 25 हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने 549 पारियों में यह मुकाम हासिल किया है। कोहली ने सचिन तेंदुलकर के 577 पारियों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। वे ऐसा करने वाले दुनिया के छठे बल्लेबाज बने हैं, जबकि भारतीयों में कोहली का नंबर दूसरा है।

ऑस्ट्रेलिया ने 53 रन बनाने में 9 विकेट गंवाए - कंगारू टीम की दूसरी पारी में ट्रेविस हेड ने सबसे ज्यादा 43 रन बनाए, जबकि मार्नस लाबुशेन 43 रन बनाकर आउट हुए। टीम के 8 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर सके। भारत की ओर से रवींद्र जडेजा ने सीरीज में दूसरी बार 5 या फिर उससे ज्यादा विकेट लिए हैं। रविचंद्रन अश्विन को भी तीन सफलताएं मिलीं। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 263 रन बनाए, जबकि भारतीय टीम 262 रन पर ऑलआउट हुई। मेहमान टीम को पहली पारी में 1 रन की बढ़त मिली थी।

चोटिल वार्नर बीच मैच से बाहर, उनकी जगह रैनशा उतरे - इससे पहले, ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज डेविड वार्नर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट में पहली पारी के दौरान चोट लगने के कारण बीच मैच से बाहर हो गए। वे मुकाबले के पहले दिन मोहम्मद सिराज की बाउंसर से चोटिल हो गए थे। सिराज की एक बॉल वार्नर के हेलमेट और दूसरी कोहनी पर लगी। ऐसे में वार्नर कन्कसन नियम के चलते दूसरी पारी में नहीं खेले। वार्नर पहली पारी में 15 रन बनाकर मोहम्मद शमी का शिकार बने। वॉर्नर की जगह रैनशॉ बचा हुआ मैच खेले।

न्यूजीलैंड में 15 साल बाद जीता इंग्लैंड

बेन स्टोक्स की कप्तानी में 10वीं टेस्ट जीत; हैरी ब्रूक रहे प्लेयर ऑफ द मैच

माउंट मेंगनुई।

बेन स्टोक्स की कप्तानी वाली इंग्लैंड ने अपनी आक्रामक शैली बरकरार रखते हुए न्यूजीलैंड में 15 साल बाद टेस्ट मैच जीता। माउंट मेंगनुई के बे ओवल मैदान पर इंग्लैंड ने 394 रन का टारगेट दिया था। जवाब में कीवी टीम चौथी पारी में 126 रन ही बना सकी। दोनों पारियों में आक्रामक फिफ्टी जड़ने वाले हैरी ब्रूक प्लेयर ऑफ द मैच रहे। सीरीज का दूसरा टेस्ट 24 फरवरी से वेलिंगटन में खेला जाएगा।

इंग्लैंड ने डिक्लेयर की थी पहली पारी - डे-नाइट टेस्ट में टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी इंग्लिश टीम ने पहले ही दिन आक्रामक रुख दिखाया। टीम ने 58.2 ओवरों में 325 रन पर 9 विकेट के नुकसान पर अपनी पहली पारी डिक्लेयर कर दी। हैरी ब्रूक ने 81 बॉल पर 89 और ओपनर बेन डकेट ने 68 बॉल पर 84 रन बनाए। न्यूजीलैंड से नील वैगनर ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए। वहीं, टिम साउदी और स्कॉट कुग्लेइन को 2-2 सफलताएं मिलीं।

ब्लंडेल के शतक से न्यूजीलैंड की बराबरी - पहले दिन पहली पारी में ही न्यूजीलैंड ने 31 रन पर 3 विकेट गंवा दिए थे। तब विकेटकीपर टॉम ब्लंडेल ने डेवोन कॉन्वे के साथ पारी संभाली। ब्लंडेल ने 138 रन जड़े और टीम का स्कोर 306 रन तक ले गए। कॉन्वे ने 77 रन बनाए। इंग्लैंड से ओली रोबिनसन ने सबसे ज्यादा 4 और जेम्स एंडरसन ने 3 विकेट लिए। स्टुअर्ट ब्रॉड, जैक लीच और बेन स्टोक्स को एक-एक विकेट मिला।

दूसरी पारी में भी इंग्लैंड ने किया अटैक - 19 रन की लीड के साथ इंग्लिश टीम ने दूसरी पारी में भी आक्रामक बैटिंग की। टीम से जो रूट, हैरी ब्रूक और बेन फोक्स ने फिफ्टी जड़ी। वहीं, जैक क्रॉले, बेन डकेट, ओली पोप, बेन स्टोक्स और ओली रोबिनसन ने उपयोगी पारियां खेलीं। टीम 374 रन बनाकर ऑलआउट हुई। इस पारी में न्यूजीलैंड से ब्लेयर टिकनर और माइकल ब्रेसवेल ने 3-3 विकेट लिए।

रणवीर सिंह ने बास्केटबॉल में आजमाया हाथ, बैटमैन स्टार बेन एफ्लेक से की मुलाकात

मियामी।

बॉलीवुड स्टार रणवीर सिंह को खेलों से बहुत प्यार हैं। वह कई बार क्रिकेट और फुटबॉल मैचों को स्टेडियम में देखने गए हैं। अब वह नए खेल को पसंद करने लगे हैं। हाल के दिनों में रणवीर का प्यार बास्केटबॉल के प्रति बढ़ा है। सोशल मीडिया पर एक फोटो वायरल हो रही है, जिसमें रणवीर बास्केटबॉल खेलते नजर आ रहे हैं। उनके साथ हॉलीवुड के सुपरस्टार बेन एफ्लेक भी नजर आए हैं। एफ्लेक मशहूर फिल्म बैटमैन सुपरमैन में बैटमैन के किरदार में थे।

रणवीर सिंह और बेन एफ्लेक ने काफी देर तक एक-दूसरे से बात भी की। दोनों को साथ देकर फैंस काफी खुश हैं। अमेरिका के साल्ट लेक सिटी में एनबीए ऑल-स्टार सेलिब्रिटी गेम 2023 के अवसर पर रणवीर और एफ्लेक एक साथ दिखाई दिए। इस मौके पर कई अन्य सितारे भी दिखाई दिए। मार्वल स्टार सिमू लियू के साथ कॉमेडी के जरिए लोगों की दिलों में जगह बना चुके अभिनेता हसन मिन्हाज भी नजर आए।

इस मैच में शामिल होने के लिए संगीत आइकन और अभिनेता निकी जैम भी पहुंचे। रणवीर की बात करें तो वह 2021 से एनबीए इंडिया के ब्रांड एंबेसडर हैं। वह मियामी हीट के दिग्गज ड्वेन वेड की टीम के लिए खेले। रणवीर के अलावा शांग ची की भूमिका निभाने वाले मार्वल स्टार सिमू लियू और कॉमेडियन हसन मिन्हाज भी वेड की टीम का हिस्सा थे। इस टीम ने रेयान स्मिथ की टीम को एक रोमांचक मैच में 81-78 से हरा दिया। रेयान स्मिथ एनबीए की टीम यूटा जैज के मालिक हैं। बास्केटबॉल हॉल ऑफ फेम 2023 में शामिल होने के लिए नामित 12 फाइनलिस्टों में एनबीए के रिटायर सितारे वेड, टोनी पार्कर, पाउ गैसोल और डिर्क नोवित्जकी शामिल थे। अंतरराष्ट्रीय सुपरस्टार फोरसम और सैन एंटोनियो स्पर्स के साथ पांच बार के एनबीए चैंपियन कोच ग्रेग पोपोविच खेल के सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में शामिल होने के लिए पहली बार नामित किए गए थे।

सौराष्ट्र दूसरी बार बना रणजी चैंपियन: फाइनल में बंगाल को 9 विकेट से हराया, उनादकट ने 9 विकेट लिए

कोलकाता।

सौराष्ट्र ने इस सीजन का रणजी ट्रॉफी फाइनल जीत लिया है। टीम ने दूसरी बार यह खिताब उठाया। कोलकाता के ईडन गार्डन्स मैदान टीम ने बंगाल को 9 विकेट से हराया। सौराष्ट्र के कप्तान जयदेव उनादकट मैच के हीरो रहे। उन्होंने पहली पारी में 3 और दूसरी पारी में 6 विकेट झटके।

पहली पारी में बना ली थी बढ़त - रणजी ट्रॉफी फाइनल में सौराष्ट्र ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग चुनी थी। टीम ने बंगाल को 174 रन पर ऑलआउट किया और पहली पारी में 404 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया। सौराष्ट्र से हारविक देसाई ने 50, शेल्डन जैक्सन ने 59, अर्पित वसावड़ा ने 81 और चिराग जानी ने 60 रन बनाए। बंगाल ने दूसरी पारी में 241 रन बनाए। टीम की लीड महज 13 रन की थी और सौराष्ट्र चौथे दिन ही जीत के लिए 14 रन का टारगेट मिला। सौराष्ट्र ने इसे एक विकेट खोकर हासिल कर लिया और 3 साल में दूसरी खिताब जीतने का कारनामा किया। इससे पहले सौराष्ट्र ने 2019-20 में रणजी ट्रॉफी का खिताब जीता था। तब भी टीम ने बंगाल को ही हराया था।

उनादकट को विकेट लिए - फाइनल में जयदेव उनादकट ने 9 विकेट लिए। पहली पारी में उन्होंने 3 विकेट लिए। वहीं, दूसरी पारी में 6 विकेट झटके। उनादकट का नाम इस समय बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के स्क्वॉड में भी है लेकिन, रणजी ट्रॉफी फाइनल खेलने के लिए टीम मैनेजमेंट ने उन्हें रिलीज कर दिया था।

2-3 मैच जीतने से चैंपियन नहीं बनते - सौराष्ट्र टीम के कप्तान जयदेव उनादकट ने मैच के बाद कहा- चैंपियनशिप एक या 2-3 मैच जीतने से नहीं जीती जाती। पूरे सीजन में आपको अच्छा परफॉर्म करना होता है। टीम सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी नहीं जीत पाई। लेकिन, विजय हजारे ट्रॉफी जीती।

उनादकट ने कहा, रणजी ट्रॉफी के लिए सभी प्लेयर एक साथ आए तो सीजन की शुरुआत से पहले हड़बड़ी नजर आई। हमने विजय हजारे ट्रॉफी जीत ली, लेकिन अंत में बड़ी ट्रॉफी यानी रणजी ट्रॉफी जीतना ही लक्ष्य था।

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप, 11 रन से हारा भारत

इंग्लैंड ने टूर्नामेंट में छठी बार हराया; सेमीफाइनल के लिए अगला मैच जीतना जरूरी

केबेरा।

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के ग्रुप-2 में इंग्लैंड ने भारत को 11 रन से हरा दिया। यह टूर्नामेंट इतिहास में इंग्लैंड की भारत पर छठी जीत है। भारतीय टीम टी-20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड पर एक भी जीत दर्ज नहीं कर सकी है। भारत को सेमीफाइनल की रेस में बने रहने के लिए अगले मैच में आयरलैंड को हराना होगा। टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी इंग्लैंड ने 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 151 रन बनाए थे। 152 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी टीम इंडिया 20 ओवर में 5 विकेट पर 140 रन ही बना सकी। भारत के लिए स्मृति मंधाना ने सबसे ज्यादा 52 रन और रिचा घोष ने 47 रन बनाए।

काम न आई मंधाना-रिचा की पारियां - 152 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी भारत की शुरुआत खराब रही। शेफाली वर्मा चौथे ओवर में ही पवेलियन लौट गईं। उनके बाद मंधाना ने जेमिमा रोड्रिग्ज के साथ पारी संभाली। 10वें ओवर में जेमिमा और 11वें ओवर में हरमनप्रीत कौर भी आउट हो गईं। मंधाना ने रिचा घोष के साथ पारी आगे बढ़ाई। मंधाना 52 रन बनाकर आउट हो गईं। दीप्ति शर्मा भी कुछ खास नहीं कर सकी और 7 रन बनाकर रन आउट हुईं। आखिरी 6 बॉल पर टीम को 31 रन की जरूरत थी। रिचा ने 19 रन बना लिए, लेकिन टीम की जीत के लिए यह काफी नहीं थे। वह 47 रन बनाकर नाबाद रहीं।

नैटली सीवर रहीं प्लेयर ऑफ द मैच - पहली पारी में इंग्लैंड के लिए नैटली सीवर ब्रंट ने सबसे ज्यादा 50 रन बनाए। उन्होंने दूसरी पारी में एक कैच और एक रन आउट भी किया। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। एमी जोन्स ने 40 और कप्तान हीथर नाइट ने 28 रन की पारी खेल टीम को 150 के पार पहुंचाया। भारत के लिए रेणुका सिंह ने सबसे ज्यादा 5 विकेट लिए थे।

आयरलैंड के खिलाफ जीतना ही होगा - भारत को हराकर इंग्लैंड ने ग्रुप-2 के पॉइंट्स टेबल में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। टीम 3 मैच में 3 जीत के साथ 6 पॉइंट्स लेकर पहले स्थान पर है। 2 जीत और एक हार के बाद 4 पॉइंट के साथ भारत दूसरे स्थान पर है। टीम इंडिया का आखिरी लीग मुकाबला आयरलैंड से 20 फरवरी को होगा। अगर टीम इंडिया इसे जीतती है तो उसके सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें रहेंगी। इंग्लैंड पाकिस्तान के खिलाफ 21 फरवरी को ग्रुप स्टेज में अपना आखिरी मुकाबला खेलेगा।

ऐसे गिरे भारत के विकेट...

पहला: शेफाली वर्मा चौथे ओवर में 11 बॉल पर 8 रन बनाकर आउट हुईं। उन्हें लौरेन बेल ने केथरीन सीवर के हाथों कैच आउट कराया। दूसरा : 10वें ओवर की पहली बॉल पर जेमिमा रोड्रिग्ज कैच आउट हुईं। उन्हें सारा ग्लेन ने लॉन्ग ऑन पर केथरीन सीवर के हाथों कैच आउट कराया। जेमिमा ने 16 बॉल पर 13 रन बनाए। तीसरा : 11वें ओवर की दूसरी बॉल पर कप्तान हरमनप्रीत कौर कैच आउट हुईं। सोफी एक्लेस्टन की बॉल पर वह आगे निकलकर शॉट खेलना चाह रही थीं। लेकिन, कवर्स पर एलीस कैप्सी के हाथों कैच हो गईं। उन्होंने 6 बॉल पर 4 रन बनाए। चौथा : 16वें ओवर में स्मृति मंधाना आउट हुईं। उन्हें सारा ग्लेन ने आखिरी बॉल पर लॉन्ग ऑन पर नैटली सीवर के हाथों कैच कराया। मंधाना ने 41 बॉल पर 52 रन बनाए। पांचवां: 19वें ओवर की दूसरी बॉल पर दीप्ति शर्मा रन आउट हो गईं। उन्होंने 9 बॉल पर 7 रन बनाए।

सौंदर्य

सर्दियों में ग्लोइंग स्किन चाहते हैं तो बैग में रखें ये चीजें

लड़कियों के बैग को चलता-फिरता ब्यूटी पॉर्लर कहा जाता है। उनके बैग में मेकअप की हर जरूरी चीज मिलती है। जैसे मॉइश्चरॉइजर, आइलाइनर, लिप ग्लॉस, मस्कारा, एसपीएफ क्रीम और लिपस्टिक आदि हमेशा मिलती हैं। इसके अलावा भी कुछ चीजें ऐसी हैं जिन्हें सर्दियों के मौसम में आपके बैग में जरूर होना चाहिए।

लिप बाम

होठ फटना सर्दियों की एक आम समस्या होती है। कुछ लोग घर से लिप बाम लगाकर तो निकलते हैं लेकिन बाहर चलने वाली तेज हवाएं कब उस लिप बाम को सोख लेती है पता ही नहीं चलता। ऐसे में आपके बैग में लिप बाम का होना बहुत जरूरी है। ताकि होठ फटने पर आपको घर पहुंचने का इस्तेमाल ना करना पड़े।

मॉइश्चरॉइजर

सर्दियों के मौसम में जब तेज हवाएं चलती हैं तो स्किन ड्राई और रुखी होने लगती है। ऐसे में आपके बैग में हमेशा मॉइश्चरॉइजर होना चाहिए। याद रखें कि हमेशा अच्छे ब्रांड का मॉइश्चरॉइजर ही इस्तेमाल करें। अन्यथा स्किन को नुकसान होने का खतरा रहता है।

मिरर भी है जरूरी

यूं तो आजकल सेलफोन का फ्रंट कैमरा भी मिरर का काम करने लगा है लेकिन तसल्ली से चेहरे को देखना हो तो अपने पर्स में पॉकेट मिरर जरूर रखें। कहीं आपकी स्किन ड्राई तो नहीं हो रही है, या फिर अगर आपने अपनी स्किन पर मॉइश्चरॉइजर लगाया तो कहीं वो ज्यादा तो नहीं हो गया, ये सब आप आसानी से देख सकते हैं।

शॉल रखना ना भूलें

सर्दियों में आपके बैग में एक शॉल भी जरूर होना चाहिए। आजकल के मौसम में पता नहीं चलता है कि कब ठंड हो जाए। अगर आप जॉब पर जाती हैं तो आपको ये चीज जरूर रखनी चाहिए। कई बार ऐसा होता है कि सुबह ठंड नहीं है लेकिन शाम को हो जाती है। अगर आपके पास खुद का शॉल है तो आपको किसी के आगे हाथ नहीं फैलाना पड़ेगा।

इन 4 आसान तरीकों से रोक सकते हैं सर्दियों में बालों का झड़ना

बाल आपकी खूबसूरती बढ़ाते हैं इसलिए हर कोई चाहते है कि उसके बाल स्वस्थ और हमेशा चमकदार रहें। आप सभी मौसम में अपने बालों की खूबसूरती बरकरार रखने की कोशिश करते हैं। लेकिन बालों के लिए सर्दियों का मौसम अच्छा नहीं है। यह मौसम बालों को डल और रफ बना देता है। इसलिए ठंड के मौसम में बालों की ज्यादा केयर की जरूरत है। सर्दियों में कई चीजें हैं जो कि आपके बालों की देखभाल के लिए चुनौती बन जाती है जिसमें गर्म पानी, हेयर ड्रायर और वुलन्स शामिल हैं। लेकिन घबराने की जरूरत नहीं। ठंड में हेल्दी हेयर के लिए ये टिप्स अपनाएं-

कंडिशनिंग का ध्यान रखें

ठंड के थपेड़ों से बालों को बचाने के लिए, अपने हेयर केयर टिप में हेयर कंडिशनिंग को जरूर शामिल करें। जब भी शैम्पू करें तो कंडिशनर को इस्तेमाल जरूर करें। कंडिशनिंग आपके बालों की इलैस्टिसिटी, शाइन और मॉइश्चर बरकरार रखती है।

बालों को कवर करके रखें

ठंड में बेहतर होगा कि आप बालों को कवर करके रखें। जब आप वुलन स्कार्फ्स या कैप पहनते हैं तो इससे बाल गिरते भी है। बालों से टूटने से बचाने के लिए आप वुलन के पहले सॉटन का स्कार्फ लगाएं। ठंड में सिर को ढंकना बहुत जरूरी है।

हेयर ड्रायर्स यूज न करें

पहले ही ठंड में ड्रायनेस का मुद्दा हमेशा रहता है। हेयर ड्रायर का उपयोग स्थिति को और बदतर बनाता है। इसलिए जहां तक हो सके, ड्रायर का उपयोग न करें। अगर जरूरी हो तो पहले उसे कूल सेटिंग मोड पर रखें फिर यूज करें।

हेयर स्पा लें

खूबसूरत और हेल्दी हेयर के लिए हेयर स्पा एक अच्छा तरीका है। हेयर स्पा में ऑइलिंग, मसाज, स्टीम और शैम्पू का कॉम्बो रहती है। आप अपनी पसंद के तेल से मसाज कर सकते हैं।

कड़ाके की सर्दी से बचना है तो खाइए Spicy खाना और पहनिए...

कड़ाके की सर्दियों में अक्सर आपके हाथ और पांव ठंडे हो जाते होंगे। कुछ लोगों के लिए तो ये मुसीबत बन जाती है क्योंकि काफी गर्म कपड़े पहनने के बाद भी उनके हाथ और पांव ठंडे ही रहते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर आप सर्दियों में थोड़ा मिर्च मसाले का खाना खाएं या फिर ढीले कपड़े पहनें तो आपको इस मुसीबत से आराम मिल सकता है।

'Aurora Health Care' के डॉक्टर जॉन ब्रिल ने बताया कि सर्दियों में लोगों को अक्सर हाथ-पांव ठंडे पड़ जाने की दिक्कत होती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि तापमान में कमी आने से खून की नलियां सिकुड़ जाती हैं। डॉ ब्रिल का कहना है कि रक्त का संचार सही रखने के लिए आप कुछ साधारण उपाए कर सकते हैं जैसे की मिर्च वाला खाना खाएं, ढीले कपड़े पहनें या कॉफी नहीं पीएं।

आइए जानते हैं हाथ-पांव गर्म रखवे के ये सरल उपाए-

> ढीले कपड़े पहनें

डॉक्टर ब्रिल का कहना है कि सर्दियों में टाइट फिट वाले कपड़ों के बजाए आप अगर लूज फिट वाले वुलन कपड़े पहनेंगे तो ज्यादा बेहतर होता है। ढीले कपड़े अपके शरीर के आसपास की अतिरिक्त हवा को गर्म कर देते हैं जो आपको गर्माहट देता है। जैसे कि अगर आप ढीले ऊनी मोजों को अंदर टाइट मोजे पहन लें या फिर ढीले स्वेटर के अंदर टाइट टी शर्ट पहनें तो आपको इस परेशानी से आराम मिलेगा।

> स्पाईसी खाना खाएं

सर्दियों में थोड़ा एक्सट्रा मिर्च मसाले खाने की आदत डाल

लेंगे तो इसका फायदा होगा। दरअसल ज्यादा मिर्च मसाले वाला खाना खाने से शरीर का तापमान बढ़ जाता है, जिससे आपका हार्ट ज्यादा ब्लड पंप करता है जो नसों में खून का संचार ठीक रहता है। मसालों में विटामिन, और ष्ट ज्यादा होता है जो रक्त संचार को बेहतर बनाता है और शरीर गर्म रहता है।

>सिगरेट, कॉफी और शराब को दूर रखें

डॉ ब्रिल का कहना है कि सर्दी के मौसम में सिगरेट, कॉफी और शराब ये तीन चीजों का सेवन न करें। कैफीन और निकोटीन जैसे तत्व खून की नली को सिकोड़ते हैं जिससे खून का संचार ढंग से नहीं हो पाता और आपके पैर और हाथ ठंडे रहते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि लोगों को लगता है कि शराब पीने से आपको गर्माहट मिलती है, लेकिन ऐसा है नहीं। बल्कि शराब ये ऐहसास ही नहीं होने देती कि आपको कितनी ठंड लग रही है।

> मछली और हरी सब्जियां खाएं

ऐसा खाना जो फिश ऑइल या फिर आयरन से भरपूर होता है वो सर्दियों में आपको गर्म रखता है। फिश ऑइल और आयरन से खून का संचार सही होता है जिससे हाथ-पांव ठंडे होने की समस्या नहीं रहती है।

>प्यास नहीं लगती हो फिर भी पानी पीएं

सर्दियों में हम पानी कम पीने लगते हैं जो सेहत के लिए सही नहीं है। पानी रक्त संचार का सबसे बेहतर माध्यम है और इसलिए अगर आपको प्यास कम भी लगती हो तब भी पानी खूब पीएं। सर्दियों में ठंड लगने का एक कारण ये भी होता है कि आपके शरीर में पानी की कमी होती है।

घर संसार

टिन के डिब्बों को इस्तेमाल करके दिखाएं अपनी क्रिएटिविटी

ज्यादातर लोग डिब्बा बंद खाद्य पदार्थों का सेवन करते है, जब यह टिन के डिब्बे खत्म हो जाते है तो हम लोग इनको बेकार समझ कर फैंक देते है लेकिन क्या आप जानते है आप इन पुराने टिन के डिब्बों को दोबारा से इस्तेमाल कर सकते है और क्रिएटिव चीजें बना सकते है। आइए जानते है बेकार समझे जानें वाले टिन के डिब्बों को कैसे किया जा सकता है दोबारा से इस्तेमाल।

मोमबत्ती स्टैंड

आप पुराने टिन के डिब्बे को अपनी पसंद से डिजाइन करके मोमबत्ती रखने के लिए pedestals बना सकते है, जो काफी सुंदर भी लगते है।

फ्लॉवर पॉट

आप इन डिब्बों के फैब्रिक की मदद से सजा सकते है और इसका फ्लॉवर पॉट बना सकते है। इनको घर के किसी टेबल पर सजा सकते है।

पैंसिल होल्डर

बच्चों के पैंसिल या पेन को एक जगह रखने के लिए होल्डर की जरूरत पड़ती है। आप चाहे तो घर पर पैंसिल होल्डर बना सकती है।

रॉकेट स्टोव

आप इन पुराने डिब्बों के रॉकेट स्टोव की तरह इस्तेमाल कर सकते है। आप इस कहीं भी किसी पिंकनिक में जाते समय लेकर जा सकते है।

चेहरे पर रहेगी चमक और पेट होगा दुरुस्त, रोज पिएं गुनगुना पानी

अधिकतर आपने लोगों को कहते हुए सुना होगा कि सेहतमंद रहने के लिए दिन में 8 से 10 गिलास पानी पीना बहुत जरूरी होता है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि गर्म पानी पीने से सेहत को कई तरह से फायदा पहुंचता है. ये शरीर का कई बीमारियों से बचाव करता है. आइए जानें गर्म पानी पीने के फायदे...

1. वजन कम करें

अगर आपका वजन लगातार बढ़ रहा है और लाख कोशिशों के बावजूद कुछ फर्क नहीं पड़ रहा है तो, गर्म पानी में शहद और नींबू मिलाकर लगातार तीन महीने तक पिएं. आपको फर्क जरूर महसूस होगा. खाना खाने के बाद एक ग्लास गर्म पानी पीना भी फायदेमंद होता है.

2. बॉडी करे डिटॉक्स

गर्म पानी पीने से बॉडी को डिटॉक्स करने में मदद मिलती है और यह शरीर की सारी अशुद्धियां को बहुत आसानी से साफ कर देता है. गर्म पानी पीने से शरीर का तापमान बढ़ने लग जाता है, जिससे पसीना आता है और इसके माध्यम से शरीर की अशुद्धियां दूर हो जाती हैं.

3. बढ़ती उम्र थाम लें

चेहरे पर पड़ती झुर्रियां आपको परेशान करने लगी हैं तो चिंता की कोई बात नहीं है. आज ही से गर्म पानी पीना शुरू कर दें. कुछ ही हफ्तों में स्किन में कसाव आने लगेगा और स्किन

चमकदार भी हो जाएगी.

4. बालों के लिए है फायदेमंद

गर्म पानी का सेवन बालों के लिए भी बहुत फायदेमंद है. इससे बाल चमकदार बनते हैं और यह इनकी ग्रोथ के लिए के लिए भी बहुत लाभदायक है.

5.पेट को रखे दुरुस्त

गर्म पानी पीने से पाचन क्रिया अच्छी रहती है और यह गैस की समस्या में भी राहत देता है. खाना खाने के बाद एक ग्लास गर्म पानी पीने की आदत जरूर डालें. ऐसा करने से खाना जल्दी पच जाता है और पेट हल्का रहता है.

6. जोड़ों का दर्द करें दूर

गर्म पानी जोड़ों के दर्द को भी कम करता है. हमारी मांसपेशियों का 80 प्रतिशत भाग पानी से बना हुआ है. इसलिए गर्म पानी से मांसपेशियों की ऐंठन भी दूर होती है.

रेडीमेड शेल्फ से बनाइए अपने घर को अट्रैक्टिव

आपने अक्सर देखा होगा कि पुराने समय में बुजुर्ग मकानों की दीवारों पर सीमेंट की शेल्फ बनवाते थे। जो सालों-साल टिकी रहती थी। आज के आधुनिक युग में लोग दीवारों को बिल्कुल न्यूड रखते है, जिससे दीवारें सुनी सी लगती है लेकिन आजकल बाजार में ऐसी बहुत सी रेडीमेड शेल्फ आसानी से मिल जाती है जो आपके घर की दीवारों को अलग लुक देकर अट्रैक्टिव बना सकती है। अगर आप भी अपने घर की दीवारों को कुछ डिफरैंट लुक देना चाहते है तो इस बार इन डिजाइन्स की शेल्फ लगवाएं, इससे न केवल दीवार खूबसूरत दिखेगी बल्कि आप अपने घर की छोटी-मोटी बिखरी हुई चीजों को उनपर सजा सकते है।

शेल्फ से सजावट

अगर आप चाहते है कि आपका ड्राइंग रूम इतना अट्रेक्टिव दिखे कि लोग देखते रह जाए तो उसके लिए बाजार में आजकल बहुत सारे रेडिमेड शेल्फ मिलते है। जिन्हें लगाकर आप अपने ड्राइंग रूम को एक डिफरैंट लुक दे सकते है।

ट्रायंगल शेल्फ

आजकल बाजार में बहुत से डिजाइन की ट्रायंगल शेल्फ मौजूद है। ये शेल्फ आप अपने कमरे की दीवार पर बीचों-बीच लगाकर इसमें अपने फैमिली फोटो लगाइए। वहीं अगर दोनों तरफ बड़ी सी पेंटिग लगी हो तो इसके लुक में चार चांद लग जाएंगा।

रेक्टेंगल शेल्फ

आपके कमरे का आकार यदि बड़ा है तो उसमें रेक्टेंगल शेल्फ सबसे अच्छा ऑप्शन है। इसमें आप बच्चों की बुक्स रख सकते है और छोटी लाइब्रेरी बनाने के लिए भी यह काफी बेहतर है।

कॉर्नर शेल्फ

अपने कमरे की सजावट के साथ-साथ आप अपने कमरों में कॉर्नर शेल्फ लगाकर एक डेलीगेट लुक दे सकते है। इसे आप फूलों के गुलदस्तों से सजाकर कमरे की सुंदरता बढ़ा सकते है।

सर्कल शेल्फ

घर की साज-सज्जा को ध्यान में रखते हुए बाजार में सर्कल शेल्फ उपलब्ध है। इसे आप अपने रूम की छत पर लगाकर डेकोरेशन का सामान रखकर एकदम अलग लुक दे सकते है।

खाना खजाना

गाजर की सब्जी

सामग्री

तेल : 2 बड़े चम्मच , काली सरसों के बीज :1/2 छोटा चम्मच , हींग: 1/4 छोटा चम्मच : हल्दी -1/2 छोटा चम्मच , मेथी के बीज -1/4 छोटा चम्मच , चने की दाल : 1 बड़ा चम्मच ,सफेद उड़द दाल -1 बड़ा चम्मच ,सूखी लाल मिर्च : 1 करी पत्ता -8, गाजर : 390 ग्राम, पानी -110 मिलीलीटर

विधि

सबसे पहले पैन में 2 बड़े चम्मच तेल गरम करें, फिर इसमें 1/2 चम्मच काली सरसों के बीज डालें और उन्हें थोड़ा सेंके फिर इसमें 1/4 छोटा चम्मच हींग, 1/2 छोटा चम्मच हल्दी डालकर इसे हिलाए। इसको हिलाते हुए इसमें 1/4 छोटा चम्मच मेथी, 1 बड़ा चम्मच चने की दाल, 1 बड़ाचम्मच सफेद उड़द दाल डालें और हल्का भूरा होने तक भूनें। फिर इसमें एक लाल मिर्च, आठ करी पो मिलाए। फिर इस तड़के में 390 ग्राम गाजर डालें और 110 मिलीलीटर पानी डालकर पॉच मिनट के लिए सेंके। अब इसको हिलाते हुए इसमें 1/2 चम्मच धनिया पाउडर, 1चम्मच नमक, 1/2 चम्मच चीनी डालें और अच्छी तरह से मिलाएं। इसके बाद इसमें 40 ग्राम नारियल को मिलाकर अच्छी तरह मिस करें और कुछ मिनट के लिए सेंके। आपकी गाजर की सब्जी तैयार है। अब इसे गर्मा-गर्म चपाती के साथ सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**